Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 16 अक्टूबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-286

चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव का किया ऐलान

लोकसभा की दो और विधानसभा की 47 सीटों पर उपचुनाव की भी घोषणा

एक देश में फिर हो रहे कई चुनाव

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव की आज घोषणा कर दी। इसके साथ ही विभिन्न राज्यों में रिक्त हुई दो लोकसभा सीटों और 47 विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव की भी घोषणा हो गई है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि महाराष्ट्र में विधानसभा का चुनाव एक ही चरण में 20 नवंबर को होगा। उसके परिणाम 23 नवंबर को आएंगे। झारखंड में विधानसभा चुनाव दो चरणों में होंगे। पहले चरण का चुनाव 13 नवंबर को होगा और 20 नवंबर को दूसरे चरण का मतदान होगा। 23 नवंबर को ही मतगणना के बाद चुनाव परिणाम आएंगे। अलग-अलग राज्यों में खाली हुई लोकसभा की दो सीटों और विधानसभा की 47 सीटों के लिए उपचुनाव 13 नवंबर को होगा। उपचुनावों के परिणाम भी 23 नवंबर को घोषित होंगे। उत्तर प्रदेश की मिल्कीपुर विधानसभा सीट के लिए उप चुनाव की घोषणा अभी नहीं हुई है। अदालत में मामला लंबित रहने के कारण वहां अभी चुनाव नहीं हो रहा है। पश्चिम बंगाल में बशीरहाट लोकसभा सीट तृणमूल सांसद हाजी नुरुल इस्लाम के निधन से रिक्त हुई है। लेकिन इस सीट पर उपचुनाव का ऐलान चुनाव आयोग ने नहीं किया है। यहां उपचुनाव की घोषणा बाद में होगी।

चुनाव आयोग के अनुसार महाराष्ट्र में एक चरण में सभी 288 सीटों पर 20 नवंबर को मतदान होगा और 23 नवंबर को विधानसभा चुनाव के नतीजे आएंगे। महाराष्ट्र में बहुमत के लिए 145 सीटें जरूरी हैं। महाराष्ट्र में महायुति और महा विकास अघाड़ी गठबंधनों के बीच कांटे की टक्कर है। चुनाव आयोग ने कहा कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए 22 अक्टूबर को अधिसूचना जारी होगी। नामांकन दाखिले की अंतिम तारीख 29 अक्टूबर होगी। इस कड़ी में 30 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी, वहीं नाम वापसी के लिए 4 नवंबर आखिरी दिन होगा।

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव का शेड्यूल

राज्य	सीटें	पहला फेज	दूसरा फेज
महाराष्ट्र	288	सिंगल फेज - 20 नवंबर	
झारखंड	81	13 नवंबर	20 नवंबर

रिजल्ट 23 नवंबर — ऐलान से नतीजों तक 39 दिन की चुनाव प्रक्रिया

महाराष्ट्र में एक ही चरण में 20 नवंबर को होगा मतदान

झारखंड में 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में होगा चुनाव

महाराष्ट्र में कुल मतदाताओं की संख्या करीब 9.63 करोड़ है, जिसमें 4.97 करोड़ पुरुष मतदाताओं की संख्या है। वहीं महिला मतदाताओं की संख्या 4.66 करोड़ है। अगर युवा मतदाताओं की बात करें तो इनकी संख्या 1.85 करोड़ है। जबकि पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं की संख्या 20.93 लाख है। महाराष्ट्र में कुल 52 हजार 789 जगहों पर एक लाख 186 पोलिंग स्टेशन होंगे। इसमें शहरी इलाकों में 42 हजार 604 और ग्रामीण इलाकों में 57 हजार 582 हैं। वहीं एक पोलिंग स्टेशन पर तकरीबन 960 मतदाताओं के वोट डालने का एवरेज हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त के अनुसार, मतदान के दौरान कतारों के बीच में थोड़ी कुर्सियां या बेंच लगाई जाएंगी ताकि अपनी बारी का इंतजार कर रहे मतदाता थोड़ी-थोड़ी देर में बैठ सकें। यह व्यवस्था हर मतदान केंद्र पर मिलेगी।

महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है। महाराष्ट्र में विधानसभा सीट की कुल 288 सीटें हैं, जबकि बहुमत के लिए 145 सीटें जरूरी हैं। महाराष्ट्र में महायुति और महा विकास अघाड़ी गठबंधनों के बीच कांटे की टक्कर है। ▶10पर

चुनावों के पहले फ्री-स्कीमों के वादे नेताओं के भ्रष्टाचारी होने की सनद

मुफ्त की रेवड़ी की घोषणाएं रिश्वत घोषित हों

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनाव और विभिन्न प्रदेशों में उप चुनाव की तारीखों की घोषणा आज हो गई। इस प्रसंग में सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हुई एक याचिका काफी महत्वपूर्ण हो गई है। याचिका में मांग की गई है कि चुनाव के पहले बांटी जाने वाली मुफ्त की रेवड़ी रिश्वतखोरी की कानूनी परिधि में लाई जाए। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस अर्जी को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को इस सिलसिले में नोटिस जारी किया है।

कर्नाटक के रहने वाले शशांक जे श्रीधर ने अपनी याचिका में कहा कि चुनाव से ठीक पहले फ्री वाली स्कीमों के ऐलान को रिश्वत घोषित किया जाना चाहिए। यह मतदाता को एक तरह से रिश्वत का झांसा देना है। इसमें यह भी कहा गया कि फ्री की स्कीम से सरकारी खजाने पर भारी बोझ पड़ता है। राजनीतिक पार्टियां अक्सर इस तरह की मुफ्त योजनाओं की घोषणा कर देती हैं और यह भी नहीं बताती हैं कि वह इनको पूरा कैसे करेंगे। याचिका में यह भी कहा गया कि पारदर्शिता की कमी ऐसे वादों को पूरा करने में समर्थ नहीं होती है। इससे वोटरों के साथ में धोखाधड़ी होती है।

याचिकाकर्ता ने कहा कि इस तरह की स्कीम से चुनाव की प्रक्रिया लेन-देन की प्रक्रिया बनकर रह जाती है। फ्री की स्कीमों के चुनाव से पहले के वादों के बढ़ते खतरों के बाद भी चुनाव आयोग इस प्रथा को रोकने में कामयाब नहीं हो पाया है। इसमें कहा कि चुनाव इस तरह से कराए जाएं जिससे लोकतंत्र की अखंडता बनी रहे। याचिकाकर्ता ने यह भी मांग की थी कि चुनाव से

सुप्रीम कोर्ट में याचिका मंजूर, केंद्र और चुनाव आयोग को नोटिस जारी

कुछ समय पहले ही फ्री की योजनाओं पर रोक लग जानी चाहिए। ऐसी रोक सिर्फ सरकार ही नहीं बल्कि सभी राजनीतिक दलों पर लागू होनी चाहिए।

महाराष्ट्र से लेकर झारखंड तक ऐसी स्कीमें काफी ज्यादा देखी गई हैं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई में एंट्री पर लगने वाले सारे टोल टैक्स लाइट मोटर व्हीकल के लिए माफ कर दिए हैं। इसके अलावा लड़की बहिन स्कीम की भी घोषणा की गई थी। इतना ही नहीं झारखंड में भी ऐसी ही स्कीमों का ऐलान किया गया है। हरियाणा के चुनावों में भी राजनीतिक पार्टियों ने कई तरह की स्कीमों का ऐलान किया था। सत्तारूढ़ दल से लेकर कांग्रेस पार्टी भी इसमें शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी वादों को लेकर दायर की गई एक याचिका पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। इस याचिका में मांग की गई है कि चुनावों में वोट पाने के लिए पार्टियों द्वारा किए जाने वाले मुफ्त की चीजों के वादों को रिश्वत घोषित किया जाए। ▶10पर

बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर में शांति बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता

राजनाथ ने तेलंगाना में नौसेना के राडार स्टेशन की आधारशिला रखी

बाहरी ताकतों को आमंत्रित करने से एकता के प्रयासों को झटका लगेगा

विकाराबाद (तेलंगाना), 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के साथ समुद्री सीमा साझा करने वाले देशों को संदेश देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि समुद्री सुरक्षा एक सामूहिक प्रयास है और बाहरी ताकतों को दहलीज तक आमंत्रित करने से एकता के प्रयासों को झटका लगेगा।

विकाराबाद जिले के दामागुंडम वन क्षेत्र में भारतीय नौसेना के बेहद कम आवृत्ति (वीएलएफ) वाले रडार स्टेशन की आधारशिला रखने के बाद अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर क्षेत्र में शांति बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रयास में भारत के मित्र देशों का सहयोग आवश्यक है, क्योंकि यदि एक भी देश छूट गया तो सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। उन्होंने कहा, भारत सबको साथ लाने में विश्वास करता है, तोड़ने में नहीं। इसलिए हम मित्र पड़ोसी देशों को साथ लेने के लिए हर संभव कदम उठा रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि वीएलएफ नौसैनिक स्टेशन से जब संचालन हो जाएगा तो यह समुद्री बलों के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित होगा। दामागुंडम वन क्षेत्र में नौसेना का वीएलएफ रडार स्टेशन देश में नौसेना का दूसरा वीएलएफ संचार ट्रांसमिशन स्टेशन है, जो 2,900 एकड़ में फैला होगा।

समारोह को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने वीएलएफ स्टेशन के निर्माण से जुड़े सभी हितधारकों को और तेलंगाना सरकार के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को धन्यवाद देते हुए हुए कहा कि हमारे सशस्त्र बलों के लिए यह स्टेशन सैन्य क्षमता का विस्तार करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। ▶10पर

आंध्र के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने पूर्व सरकार पर साधा निशाना

जगन सरकार खा गई केंद्र सरकार की निधियां

अमरावती, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने केंद्र सरकार द्वारा दी गई निधियों में हेराफेरी को लेकर राज्य की पिछली वाईएसआर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने दो टूक कहा कि हमें इस बात का अंदाजा नहीं है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान राज्य का पंचायती राज मंत्री कौन था। किसी को भी ये पता नहीं था कि उस समय के दौरान जारी की गई केंद्रीय निधियों का किस तरह से इस्तेमाल किया गया था। पवन कल्याण ने कहा, अब सीएम चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में हम जबावदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित कर रहे हैं।

पवन कल्याण ने वादा किया कि सभी पंचायतों में चलने वाली परियोजनाओं की पूरी डिटेल्स देने के लिए डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएंगे। इसके साथ ही भ्रष्ट अधिकारियों के

सीएम नायडू के नेतृत्व में अब सुनिश्चित कर रहे जबावदेही

13,000 ग्राम पंचायतों में 4,500 करोड़ के विकास कार्य शुरु

खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण सोमवार को पल्ले पडुंगा पंचायत वरोत्सवलु कार्यक्रम का शुभारंभ कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने राज्य की 13,326 ग्राम पंचायतों में 30,000 विकास कार्यों की शुरुआत की।

इन सभी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए प्रदेश सरकार ने 4500 करोड़ रुपए का आवंटन किया। डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने कहा, हमारा लक्ष्य लोगों की भलाई, युवाओं के लिए ग्रामीण परिदृश्य और रोजगार का विकास करना है।

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के मजबूत नेतृत्व के कारण प्रदेश के अच्छे दिन आ गए हैं। पवन कल्याण ने कहा कि मनरेगा के तहत सड़क, स्कूल सुरक्षा, खाइयां, उद्यान, छत और स्वच्छता कार्यों सहित प्रमुख परियोजनाओं को प्राथमिकता दी गई है। पवन कल्याण ने स्पष्ट किया कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए हमारा लक्ष्य 3000 किलोमीटर सीसी सड़कें, 500 बीटी सड़कें और 120 स्कूल और सरकारी और सामाजिक भवनों की छतों को बनाना है।

कांग्रेस के ईवीएम-आरोप पर चुनाव आयोग ने कहा

बेबुनियाद बातें करने की आदत है कांग्रेस की

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम को लेकर कांग्रेस की ओर से ईवीएम पर लगाए गए आरोपों का चुनाव आयोग ने जोरदार खंडन किया है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि हर बार चुनाव के बाद ईवीएम को लेकर नए-नए आरोप सामने आते हैं। इस बार भी बैटरी को लेकर आरोप लगाया गया। अगली बार कुछ और आएगा। चुनाव आयुक्त बोले कि कभी कहा जाता है ईवीएम हैक हो जाती है, तो कभी कहा जाता है कि यह पेजर की तरह ब्लास्ट हो सकती है। जबकि हम हर बार आरोपों का खंडन करते हैं। इस दौरान उन्होंने ईवीएम और उसकी बैटरी को लेकर पूरी जानकारी साझा की।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि हमें हरियाणा की 20 विधानसभाओं को लेकर शिकायत मिली है। हर हर शिकायत का जवाब देंगे। इसके जवाब तैयार किए जा रहे हैं। हर बिंदु के साथ पूरा जवाब दिया जाएगा।

इसको चुनाव आयोग की वेबसाइट पर भी प्रकाशित किया जाएगा। हमने हर लोकसभा के आरओ को ईवीएम की कमीशनिंग से लेकर मतगणना तक हुए उपयोग की जानकारी उम्मीदवारों को देने के लिए कहा है। यह हमारा कर्तव्य भी है। उन्होंने कहा कि पिछले 15 चुनावों से परिणाम बदल रहे हैं। मगर जब परिणाम अपने पक्ष में न हो तों यह कहना कि हमें परिणाम पसंद नहीं, यह गलत है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि चुनाव से पांच से छह महीने पहले ईवीएम का रेंडमाइजेशन और जांच प्रक्रिया शुरू होती है। इसके बाद द्वितीय जांच प्रक्रिया, स्टोरेज में रखना, फिर स्टोरेज से निकालना, कमीशनिंग, मतदान के दिन ईवीएम को निकालना, वोट डलवाना, स्ट्रांग रूम में रखना, मतगणना के दिन स्ट्रांग रूम से निकालना और मतगणना पूरी होने तक ईवीएम की हर प्रक्रिया में राजनीतिक दल के उम्मीदवार और उनके एजेंट शामिल होते हैं। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28°
न्यूनतम : 23°

हिंद महासागर क्षेत्र में ताकत बढ़ाने की भारतवर्ष की कवायद

31 प्रीडेटर ड्रोन के लिए भारत-अमेरिका में हुआ करार

घातक मारक क्षमता से लैस हैं प्रीडेटर ड्रोन

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिंद महासागर में जिस तरह चीन अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिशों में जुटा है, उसके समानांतर भारतीय नौसेना भी अपनी ताकत में इजाफा कर रही है। अमेरिका से 31 प्रीडेटर ड्रोन मिलने के बाद नौसेना की ताकत में काफी बढ़ोतरी होगी। अमेरिका से ड्रोन की खरीद का करार हुआ है। दोनों देशों ने इस सौदे पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। यह सौदा 32 हजार करोड़ रुपए का है। इससे समुद्र से लेकर सतह और आसमान तक भारत की मारक और निगरानी क्षमता में प्रभावी वृद्धि होगी। रक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने बीते हफ्ते ही इस सौदे को अपनी मंजूरी दी थी। भारत में आयोजित हुए एक कार्यक्रम में दोनों देशों के शीर्ष अधिकारियों और सैन्य अधिकारियों की मौजूदगी में सौदे पर हस्ताक्षर हुए।

भारत द्वारा 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदने के रक्षा सौदे का ऐलान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीते साल अमेरिका दौरे पर किया गया था। इस सौदे की अहमियत को लेकर अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था कि इस सौदे से दोनों देशों के रणनीतिक तकनीक सहयोग और सैन्य सहयोग में उल्लेखनीय इजाफा होगा। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, प्रीडेटर ड्रोन एमक्यू-9बी के मिलने से भारतीय नौसेना की हिंद महासागर में निगरानी की ताकत कई गुना बढ़ जाएगी। ये प्रीडेटर ड्रोन अमेरिकी कंपनी जनरल एटॉमिक्स से खरीदे जाएंगे। यह सौदा भारत और अमेरिका की सरकारों के बीच विदेशी सैन्य बिक्री अनुबंध के तहत हुआ है। सौदे के तहत मिलने वाले 31 प्रीडेटर ड्रोन में से भारतीय नौसेना को 15 ड्रोन मिलेंगे। वहीं वायुसेना और थल सेना को 8-8 ड्रोन मिलेंगे।हिंद महासागर में जिस तरह से चीन अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिशों में जुटा है, ▶10पर

भिखमंगा पाकिस्तान सेना के लिए चीन से ले रहा धन

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने पाकिस्तान पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि दाने दाने को मोहताज पाकिस्तान अपनी सेना के लिए भी चीन से धन ले रहा है। पाकिस्तान को चीन से उपकरण और हथियार समर्थन मिलने को लेकर नौसेना प्रमुख ने कहा कि यह चिंता का विषय नहीं बल्कि बहुत आश्चर्य की बात है कि एक अर्थव्यवस्था जो लड़खड़ा रही है और अंतरराष्ट्रीय सहायता मांग रही है, वह कैसे ऐसा कर सकती है। वह इसलिए धन जुटा रही है कि उनके सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण हो सके। नौसेना प्रमुख ने कहा, हम पाकिस्तान और चीन की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। हम यह भी देख रहे हैं कि पाकिस्तानी नौसेना में क्या हो रहा है। उन्हें विभिन्न स्रोतों से किस तरह के हथियार और प्लेटफार्म मिल रहे हैं।
▶10पर

TIBCON
CAPACITORS
It's all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

राष्ट्रपति मुर्मू का अल्जीरियाई कंपनियों से मेक इन इंडिया में शामिल होने का आह्वान

अल्जीयर्स, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अल्जीरिया की राजधानी अल्जीयर्स में अल्जीरियाई-भारतीय आर्थिक मंच के संबोधन में व्यापार करने में आसानी में भारत की तीव्र वृद्धि और प्रभावशाली प्रगति पर जोर दिया। उन्होंने अल्जीरियाई कंपनियों को भारत की मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड पहल में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि अल्जीरिया की तीव्र वृद्धि और विस्तारित अर्थव्यवस्था विभिन्न क्षेत्रों में कई अवसर प्रदान करती है।

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा की गई सचित्र पोस्ट में यह जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि अनिश्चित वैश्विक माहौल के बावजूद भारत का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने अल्जीरियाई कंपनियों को मेक-इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड पहल में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मुर्मु ने कहा कि हम भारत में खुद को अल्जीरिया को एक मजबूत विकास भागीदार के रूप में देखते हैं। हमारे दोनों देशों के बीच कुल व्यापार 1.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर का है।

भारत-अल्जीरिया संबंधों का आगे बढ़ना हमारे साझा मूल्यों, समान चुनौतियों और आपसी विश्वास पर आधारित है। इस बीच पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ अल्जीरिया की राष्ट्र परिषद के अध्यक्ष सलाह गौडजिल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में रविवार को तीन दिवसीय दौरे पर अल्जीरिया पहुंचीं। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की अल्जीरिया की पहली यात्रा है। हवाई अड्डे पर अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देलमदजीद तेब्बौने ने उनका जोरदार स्वागत किया। अल्जीरिया सरकार की कैबिनेट के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका के 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए दो समितियों का गठन

कोलंबो। श्रीलंका के 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के भव्य आयोजन के लिए उच्चस्तरीय दो समितियों का गठन किया गया है। श्रीलंका का स्वतंत्रता दिवस चार फरवरी को होता है। पहली समिति में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भी शामिल किया गया है। यह समिति मार्गदर्शन करेगी। कोलंबो से छपने वाले अखबार डेली मिरर के अनुसार, पहली उच्चस्तरीय समिति में बौद्ध धर्म, धार्मिक और सांस्कृतिक मामलों, राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सुरक्षा और जन मीडियामंत्री को भी शामिल किया गया है। दूसरी समिति में कैबिनेट मंत्रियों को रखा गया है। कैबिनेट प्रवक्ता और मंत्री विजेता हेराथ ने कहा कि समिति में तीनों सेनाओं और पुलिस समेत सभी संबंधित मंत्रालयों और विभागों के मुख्य अधिकारियों को भी शामिल किया गया है।

चीनी दूतावास ने सरकार की इजाजत के बिना नेपाल के युवाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की घोषणा की

काठमांडू। काठमांडू स्थित चीनी राजदूत ने सोमवार को नेपाल के युवाओं के लिए एक कार्यक्रम की घोषणा करते हुए उनके प्रशिक्षण के लिए आवेदन की अपील की है। हालांकि इसके लिए नेपाल सरकार से इजाजत नहीं लिए जाने के कारण चीनी राजदूत की घोषणा विवादों में घिर गई है। नेपाल में चीन के राजदूत छन सोंग ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर नेपाल के युवाओं के लिए चाइनीज एंबेसी यूथ पायनियर प्रोग्राम की घोषणा की गई। नेपाल के 18-35 वर्ष के युवाओं को इससे जुड़ने की अपील की गई है। चीनी राजदूत ने कहा है कि इस कार्यक्रम के तहत नेपाल के युवाओं को लीडरशिप, सोशल और इकोनॉमिक के क्षेत्र में एक वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाएगा। राजदूत ने दावा किया है कि चीनी दूतावास का यह कार्यक्रम नेपाल के सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में गेम चेंजर साबित होने वाला है। चीनी दूतावास की इस घोषणा के लिए नेपाल सरकार से स्वीकृति नहीं लिए जाने की बात सामने आई है। इस संबंध में विदेश मंत्रालय से पूछे जाने पर अनभिज्ञता प्रकट की है। मंत्रालय के प्रवक्ता अमृत राई ने कहा कि वो इस बात का पता लगाएंगे कि चीनी राजदूत द्वारा घोषणा किए गए कार्यक्रम के संबंध में सरकार से इजाजत ली गई है या नहीं। उधर, नेपाल सरकार के प्रवक्ता ने भी इस विषय पर कुछ भी स्पष्ट जवाब नहीं दिया। सूचना तथा संचार मंत्री रहे नेपाल सरकार के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरूंग ने कहा कि इस सरकार को बने अभी तीन महीने भी पूरे नहीं हुए। मुझे ध्यान में नहीं आ रहा है कि इस सरकार ने कभी इस तरह का कोई निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के समय इस तरह की इजाजत दी गई है या नहीं, इस बारे में उन्हें जानकारी नहीं है।

इमरान खान की पार्टी का एससीओ शिखर सम्मेलन से पहले प्रदर्शन स्थगित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने डी चौक पर होने वाला अपना विरोध प्रदर्शन स्थगित कर दिया। इससे शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के शासनाध्यक्षों की परिषद (सीएचजी) की 23वीं बैठक की मेजबानी के लिए तैयार पाकिस्तान की हुकूमत ने राहत की सांस ली है। सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि विरोध प्रदर्शन स्थगित करने का निर्णय पीटीआई की राजनीतिक समिति की बैठक के दौरान किया गया। पीटीआई के अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर अली खान ने एक बयान में कहा कि उनकी पार्टी ने सरकार की ओर से आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी से आधिकारिक संपर्क के बाद अपना शांतिपूर्ण विरोध स्थगित करने का फैसला किया। बैरिस्टर गोहर ने कहा कि सरकार ने पीटीआई संस्थापक इमरान खान की मेडिकल जांच और उनके चिकित्सक तक पहुंच बहाल करने का आश्वासन दिया है। दरअसल, एससीओ बैठक से पहले अधिकारियों ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में खान सहित कैदियों के साथ सभी प्रकार की मुलाकातों पर रोक लगा दिया था। ऐसे में पीटीआई समर्थकों ने जेल में बंद इमरान खान से मुलाकात की अनुमति देने के लिए सरकार पर दबाव बनाने के लिए विरोध-प्रदर्शन का ऐलान किया था।

इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन का होगा आगाज, जयशंकर करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

इस्लामाबाद, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शासनाध्यक्षों की परिषद की शिखर बैठक की मेजबानी करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इसके मद्देनजर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर को पहुंचना है। वह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

खबर के अनुसार, बैठक में रूस, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति सहित एससीओ सदस्य देशों के प्रधानमंत्रियों और उच्च पदस्थ अधिकारियों की भागीदारी होगी। भारत के विदेशमंत्री एस जयशंकर और चीन की स्टेट काउंसिल के प्रधानमंत्री ली कियांग अपने-अपने देशों का प्रतिनिधित्व करेंगे।

पर्यवेक्षक राज्य के रूप में मंगोलिया के प्रधानमंत्री, मंत्रियों के मंत्रिमंडल के उपाध्यक्ष और विशेष अतिथि के रूप में तुर्कमेनिस्तान के विदेशमंत्री भी बैठक में भाग लेंगे।

एससीओ के शासनाध्यक्षों की परिषद अर्थव्यवस्था, व्यापार, पर्यावरण और सामाजिक-सांस्कृतिक संबंधों के क्षेत्र में चल रहे सहयोग पर चर्चा करेगी और संगठन के प्रदर्शन की समीक्षा करेगी। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ शिखर सम्मेलन से इतर प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों के साथ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

भारतीय विदेश मंत्रालय के हवाले से कहा है कि भारतीय विदेशमंत्री एस जयशंकर शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रतिनिधित्व करेंगे। वह लगभग 24 घंटे इस्लामाबाद में रहेंगे और बुधवार शाम स्वदेश लौटेंगे। जयशंकर की यात्रा लगभग 10 वर्षों में किसी भारतीय विदेशमंत्री की पहली यात्रा है। जयशंकर के प्रधानमंत्री शहबाज के सरकारी आवास पर आयोजित रात्रिभोज में शामिल होने की उम्मीद है। हालांकि

दोनों देशों ने इस अवसर पर औपचारिक द्विपक्षीय बैठक की संभावना से इनकार कर दिया है। जयशंकर पहले ही कह चुके हैं कि वह द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करने के लिए इस्लामाबाद की यात्रा नहीं कर

रहे हैं, बल्कि एससीओ के अच्छे सदस्य के रूप में अपनी भूमिका निभाने के लिए जा रहे हैं।

इस महत्वपूर्ण आयोजन की सुरक्षा के मद्देनजर संघीय राजधानी इस्लामाबाद और इसके जुड़वां शहर रावलपिंडी में व्यापारिक गतिविधियां प्रतिबंधित की गई हैं। चप्पे-चप्पे पर पुलिस, रेंजर और सेना के जवान तैनात किए गए हैं। सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए अधिकांश देशों के प्रतिनिधिमंडल पहुंच चुके हैं। आयोजन स्थल को रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से सजाया गया है। एससीओ सदस्य देशों के झंडे और बैनर भी लगाए गए हैं।

बांग्लादेश में सड़क हादसा, पांच की मौत, 27 से ज्यादा घायल

ढाका। बांग्लादेश में सड़क हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। यह हादसा फरीदपुर में फरीदपुर-खुलना राजमार्ग पर मलिकपुर में हुआ। दो बसों के बीच आमने-सामने की टक्कर में 27 से अधिक लोग घायल भी हो गए। खबर के अनुसार, करीमपुर हाइवे पुलिस स्टेशन के प्रभारी एमडी सलाउद्दीन चौधरी ने कहा कि ग्रीन एक्सप्रेस नाम की एक यात्री बस ढाका के अब्दुल्लापुर से जेनाइदाह जा रही थी। वह श्यामनगर (सतखिरा) से आ रही खगराचारी परिवहन यात्री बस से टकरा गई। सभी मृतक खगराचारी परिवहन बस के यात्री हैं। उन्होंने बताया कि घायलों को विभिन्न अस्पतालों में ले जाया गया। इनमें से 27 को बंगबंधु शेख मुजीब मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन पर इजराइल के हमले का नेपाल सहित 34 देशों ने किया विरोध

काठमांडू, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दक्षिणी लेबनान में शांति सेना कैंप पर इजराइल के हमले को लेकर नेपाल समेत 34 देशों ने विरोध जताया है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, इजरायली सेना ने अयबर शांति सेना अड्डे में जबरन घुसपैठ कर गोलीबारी की। संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल में योगदान देने वाले देश के रूप में नेपाल ने मिशन और गतिविधियों के लिए समर्थन व्यक्त किया है।

नेपाल ने यूनिफिल शांति सैनिकों पर हमले की निंदा करते हुए युद्धरत पक्षों से उनकी सुरक्षा की गारंटी देने को कहा है। इसके अलावा नेपाल ने कहा है कि ऐसी घटनाओं को तुरंत रोका जाना चाहिए और इस घटना की आवश्यक जांच की जानी चाहिए।

लेबनान के अनुसार, रविवार को इजरायली सेना के टैंक ने मुख्य द्वार तोड़ दिया और गोलीबारी शुरू कर दी। घटना में 15 शांतिरक्षकों के घायल हो गए। इस बीच, इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि वे अपने घायल सैनिकों को निकालने के लिए यूनिफिल के क्षेत्र में प्रवेश कर गए हैं। इज़राइल ने बार-बार शांति सैनिकों को दक्षिणी लेबनान के क्षेत्रों से हटने के लिए कहा है। ने अब तक इज़राइल के इन अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया है।

जापान की ताइवान के घटनाक्रम पर नजर, प्रधानमंत्री इशिबा ने कहा-प्रतिक्रिया का जवाब देने को तैयार

टोक्यो, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने कहा है कि ताइवान के आसपास की स्थिति पर उनकी नजर है। वह किसी भी तरह की प्रतिक्रिया का जवाब देने के लिए तैयार हैं। उनकी टिप्पणी ऐसे समय पर आई है जब चीन ने द्वीप के चारों ओर बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास किया है। खबर के अनुसार, इशिबा ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा, ताइवान जलडमरूमध्य और उसके आसपास शांति और सुरक्षा इस क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा है। जापान स्थिति पर सावधानीपूर्वक नजर रखेगा। हम किसी भी घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार रहेंगे। संवाददाता सम्मेलन से पहले इशिबा ने अपने रक्षा और विदेश मंत्रियों से मुलाकात की। सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के मुख्यालय में बैठक के बाद रक्षामंत्री जनरल नकातानी ने संवाददाताओं से कहा, हम चीन के सैन्य अभ्यास को बहुत दिलचस्पी से देखेंगे। नकातानी ने कहा कि यह जापान की आत्मरक्षा का मुद्दा है।

7 अक्टूबर के इजराइली हमले में शामिल अबु दक्का एक हमले में मारा गया

आईडीएफ का दावा-हमास के ड्रोन अटैक और पैरा-ग्लाइडिंग यूनिट को करता था लीड

यूरूशलम, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल ने हमास के एक और बड़े कमांडर समीर अबु दक्का को मार गिराने का दावा किया है। इजराइल का कहना है दक्का ने पिछले साल 7 अक्टूबर को हुए हमले में अहम भूमिका निभाई थी। वह हमास के ड्रोन अटैक और पैरा-ग्लाइडिंग यूनिट को लीड कर रहा था। उसकी ही मदद से हमास लड़ाके पिछले साल इतनी आसानी से इजराइल की सीमा में घुसकर इतना बड़ा हमला करने में सफल हुए थे। इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) और इजराइल सिक्योरिटी एजेंसी (आईएसएफ) ने समीर अबु दक्का के मारे जाने की पुष्टि की है। इजराइल ने सितंबर 2024 में हमले किए थे, जिसमें हमास के एरियल यूनिट के चीफ समीर अबू दक्का मारा गया था। तब उसके मारे जाने की पुष्टि नहीं हो सकी थी। अब सूत्रों से पता चल गया है कि दक्का मारा जा चुका है। दक्का इजराइली क्षेत्र और आईडीएफ सैनिकों की ओर ड्रोन और यूएवी लॉन्च करने समेत कई हमलों को

अंजाम दे चुका है। वह हमास की एरियल यूनिट में ज्ञान के एक अहम सोर्स के रूप में काम करता था। इजराइल का कहना है कि समीर अबु दक्का ने हमास की एरियल यूनिट को बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

वह पहले मई 2021 में ऑपरेशन 'गार्डियन ऑफ द वॉल्स' तक हमास के यूएवी डिवीजन के प्रमुख के रूप में कार्यरत था। इसके अलावा वह हमास में हथियारों को बनाने वाली प्रोडक्शन यूनिट को भी लीड कर चुका है। उसे हमास की मिलिट्री यूनिट को मजबूत करने के लिए कई अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई थी। खुफिया जानकारी के मुताबिक इजराइल के एक साल से जारी हमलों के बावजूद अब नॉर्दर्न गाजा के जबालिया इलाके में अपनी सेनाओं को फिर से संगठित करने और पुनर्निर्माण करने की कोशिश कर रहा है।

नए भारत में अपार ऊर्जा और अवसर हैं : बिरला

जिनेवा/नई दिल्ली,15 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 149वीं अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) एसेम्बली में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल (आईपीडी) का नेतृत्व करते हुए कहा कि नए भारत में अपार ऊर्जा और अवसर हैं। ओम बिरला ने जिनेवा में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए भारत की सक्रिय भागीदारी के बारे में बात करते हुए कहा कि यह एसेम्बली न केवल भारत की संसदीय कूटनीति की मजबूती को दर्शाती है, बल्कि साझा वैश्विक चुनौतियों के समाधान के उद्देश्य से वैश्विक संवाद में भारत की महत्व-पूर्ण भूमिका को भी उजागर करती है।

श्री बिरला ने भारतीय प्रवासियों के कौशल, प्रतिभा और प्रतिबद्धता की सराहना

करते हुए कहा कि वे देश के ब्रांड एंबेसडर हैं और वे जिस देश में भी रहते हैं, वहाँ पारिवारिक संबंधों और सद्भाव को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विविधता और समावेशिता ही भारतीय समुदाय की विशेषता है। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों के समाधान में भारत द्वारा निभाई जा रही अग्रणी भूमिका का उल्लेख करते हुए इस आत्मविश्वास का श्रेय सशक्त नेतृत्व तथा भारतवासियों और प्रवासियों की शक्ति और सामर्थ्य को दिया। श्री बिरला ने कहा कि जिनेवा में रह रहे भारतीय समुदाय ने अपने देश के लिए प्रेम के साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था तथा सांस्कृतिक विरासत में योगदान का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने भारत की समृद्ध परंपराओं और मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए एनआरआई समुदाय की सराहना की और कहा कि इससे विश्व में देश की छवि बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि व्यवसाय, शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और कला जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भारतवंशियों की उपलब्धियों पर सभी भारतीयों को गर्व है।

भारत और स्विट्जरलैंड के बीच गुटनिर-पेक्षता और तटस्थता जैसे साझा मूल्यों पर आधारित दीर्घकालिक सौहार्दपूर्ण संबंधों की बात करते हुए श्री बिरला ने दोनों देशों के बीच सहयोग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्रों में भारत-स्विस सहयोग बढ़ रहा है। भारत और स्विट्जरलैंड के बीच आर्थिक संबंधों के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा कि भारत और स्विट्जरलैंड सहित ईएफटीए देशों के बीच व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौते पर हस्ताक्षर, पारस्परिक आर्थिक विकास और रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि विश्व के सबसे युवा और तेजी से प्रगति कर रहे देशों में से एक, भारत में अपार ऊर्जा और अवसर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में हुई प्रगति से 250 मिलियन लोगों की गरीबी दूर हुई है। इस बात का उल्लेख करते हुए कि हाल में भारत में हुए बदलावों का श्रेय विशेष रूप से रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों में नई सोच और दृष्टिकोण को जाता है, श्री बिरला ने कहा कि भारत डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर में अग्रणी है, जिससे समानता को बढ़ावा मिला है; भ्रष्टाचार कम हुआ है और साथ ही देश में विभिन्न क्षेत्रों में शोध और नवाचार में प्रगति हुई है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि भारत के स्टार्टअप और यूनिकॉर्न को विश्व में मान्यता प्राप्त हो रही है।

जम्मू-कश्मीर में विधायकों के मनोनयन पर हो रहा बेमानी विवाद

श्रीनगर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर में उपराज्यपाल द्वारा विधानसभा में पांच सदस्यों को नामित करने के प्रस्तावित कदम पर विवाद हो रहा है। कुछ राजनीतिक दल इसका समर्थन कर रहे हैं तो कुछ दल विरोध कर रहे हैं। जबकि कानूनी विशेषज्ञों की राय राजनीतिक दलों के स्टैंड से अलग है। जम्मू कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला 16 अक्टूबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। लेकिन उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा विधानसभा में पांच सदस्यों को नामित करने के प्रस्तावित कदम पर विवाद जारी है। नेकां, कांग्रेस समेत कई दल इसे गैर-संवैधानिक बता रहे हैं। जबकि भाजपा ने कहा है कि विधायकों का मनोनयन पूरी तरह से नियमों के अनुसार है।

मामला अदालत की चौखट तक पहुंच गया। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल को विधानसभा में सदस्यों को नामित करने से रोकने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका भी दाखिल की गई। हालांकि, सर्वोच्च अदालत ने सोमवार को याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया और याचिकाकर्ता से हाईकोर्ट जाने को कहा।

जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 में जिक्र है कि जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल पांच विधायकों को नामित कर सकते हैं। पहले तो यह संख्या दो ही थी लेकिन परिसीमन के बाद हुए संशोधन में इसे बढ़ाकर पांच कर दिया गया। इस मनोनयन प्रक्रिया के नतीजों के बारे में विपक्षी पार्टियों ने चिंता जताई है। यह प्रश्न उठाया जा रहा है कि इन मनोनीत सदस्यों की क्या भूमिका होगी और उनके चयन से जुड़ा कानूनी ढांचा क्या होगा।

जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 में जिक्र किया गया है कि उपराज्यपाल महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने के लिए विधानसभा में दो सदस्यों को नामित कर सकते हैं। एलजी यह अधिकार उस स्थिति में इस्तेमाल करेंगे यदि उनकी राय में महिलाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है। हालांकि, मई 2022 में परिसीमन के बाद परिसीमन पैनल ने सिफारिश की कि विधानसभा में पांच सदस्यों को नामित किया जाए। इस सिफारिश के अनुसार, 2023 में अधिनियम में और संशोधन किया गया। संशोधन के बाद अब उपराज्यपाल के पास विधानसभा में तीन और सदस्यों को मनोनीत करने का अधिकार है। बदलाव के तहत सदन में दो सीटें महिलाओं के लिए, दो कश्मीरी पंडितों के लिए और एक पाकिस्तान के कब्जे वाले (पीओके) शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं।

उपराज्यपाल के पास केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा में पांच सदस्यों को मनोनीत करने का अधिकार है। अगर पांच सदस्यों को मनोनीत किया जाता है, तो विधानसभा की संख्या 95 हो जाएगी। इससे सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 48 सीटों तक बढ़ जाएगा। पांच सदस्यों के नामांकन न होने की स्थिति में बहुमत का आंकड़ा 46 होगा। हाल ही में जम्मू-कश्मीर की 90 सीटों के लिए हुए चुनावों में नेकां-कांग्रेस गठबंधन ने 48 सीटें जीतीं। वहीं एक-एक सीट के साथ आपा और माकपा और पांच निर्दलीय चुने गए सदस्यों ने भी सरकार को समर्थन पत्र सौंपा है। इस तरह से बहुमत का आंकड़ा 48 होने पर भी सरकार के पास इससे अधिक 55 विधायकों का समर्थन है।

सरकार गठन के समय या बाद में क्या उपराज्यपाल मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर पांच विधायकों को नामित कर सकते हैं? इस सवाल पर बहस जारी है। पांच सदस्यों का नामांकन कब और कैसे हो और उनके अधिकार क्या हों? इस बारे में कानूनी विवाद है। एक पक्ष का यह मानना है कि केंद्रशासित प्रदेश में मनोनयन के पूरे अधिकार हैं। इन सदस्यों की नई सरकार के गठन और विधानसभा के बहुमत निर्धारण में पूरी भूमिका हो सकती है। जबकि इसके विरोध में यह तर्क है कि नई सरकार के गठन या विधानसभा में बहुमत साबित करने में मनोनीत सदस्यों की भूमिका नहीं हो सकती। उनके अनुसार सरकार की अनुशंसा के अनुसार ही उपराज्यपाल को नए सदस्यों का मनोनयन करना चाहिए। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुनवाई करने से इंकार करते हुए याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने की सलाह दी। महाराष्ट्र में पूर्ण राज्य का दर्जा है। लेकिन वहां पर भी राज्यपाल और सरकार के बीच नामांकन के बारे में विवाद हुए थे। इसलिए जम्मू-कश्मीर के केंद्रशासित प्रदेश में ऐसे किसी विवाद पर अदालत को नए सिरे से फैसला करना होगा।

कानूनविदों का कहना है कि जम्मू-कश्मीर में पहली बार एक दशक के लंबे अंतराल के बाद नई सरकार के गठन में पांच मनोनीत विधायकों की अहम भूमिका होगी। एलजी गृह मंत्रालय की सलाह के आधार पर इन सदस्यों को मनोनीत करेंगे। केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में भी सदन में सदस्यों का मनोनयन होता है। यहां की विधानसभा की सदस्य संख्या 33 है, जिसमें 30 निर्वाचित विधायक और केंद्र सरकार द्वारा मनोनीत तीन विधायक शामिल हैं। यह मुद्दा 2018 में उस वक्त भी उठा था जब भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पुडुचेरी विधानसभा के लिए पार्टी के तीन सदस्यों को मनोनीत किया था। इस फैसले को मद्रास उच्च न्यायालय में इस तर्क के साथ चुनौती दी गई कि केंद्र शासित प्रदेश की सरकार से परामर्श नहीं किया गया था। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने नामांकन प्रक्रिया में कोई कानूनी उल्लंघन नहीं पाते हुए केंद्र के फैसले को बरकरार रखा। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा जिसने दिसंबर 2018 में दो अहम मुद्दों को सुलझाया।

सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि 1963 के केंद्रशासित प्रदेश अधिनियम के तहत, केंद्र पुडुचेरी विधानसभा में विधायकों को नामित करते समय केंद्रशासित प्रदेश सरकार से परामर्श करने के लिए बाध्य नहीं है। वहीं न्यायालय ने यह भी फैसला सुनाया कि एक ही कानून के तहत मनोनीत और निर्वाचित विधायकों के बीच कोई अंतर नहीं है। मनोनीत सदस्यों को सभी मामलों में समान मतदान का अधिकार प्राप्त है, जिसमें विश्वास मत, अविश्वास प्रस्ताव और बजट जैसे अहम फैसले शामिल हैं।

उमर अब्दुल्ला आज लेंगे शपथ

केंद्र शासित जम्मू कश्मीर के प्रथम मुख्यमंत्री बनेंगे

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 15 अक्टूबर।

उमर अब्दुल्ला कल जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे। शपथ ग्रहण समारोह से पहले श्रीनगर में शेर-ए-कश्मीर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एसकेआईसीसी) के अंदर और आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। उमर अब्दुल्ला और उनके मंत्रिपरिषद को कल 16 अक्टूबर को सुबह 11:30 बजे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा शपथ दिलाई जाएगी।

उपराज्यपाल ने कल उमर अब्दुल्ला को आधिकारिक निमंत्रण दिया, जो केंद्र शासित प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है क्योंकि जम्मू और कश्मीर एक दशक से अधिक समय में पहली बार निर्वाचित सरकार बनाने की तैयारी कर रहा है। राजभवन से प्राप्त पत्र में कहा गया है, मुझे आपको जम्मू-कश्मीर सरकार बनाने और उसका नेतृत्व करने के लिए आमंत्रित करते हुए खुशी हो रही है। जैसा कि अलग से तय किया गया है, मैं आपको और आपके द्वारा मंत्रिपरिषद के सदस्यों के रूप में शामिल किए जाने के लिए अनुशंसित लोगों को 16 अक्टूबर, 2024 को सुबह 11:30 बजे श्रीनगर के एसकेआईसीसी में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाऊंगा।

पत्रकारों से बात करते हुए एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम की हाई-प्रोफाइल प्रकृति और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की उपस्थिति को देखते हुए, समारोह के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किए जा रहे हैं। पिछली बार 2014 में तत्कालीन राज्य में विधानसभा चुनाव हुए थे, जिसके बाद पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी)-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन सरकार बनी थी। हालांकि, जून 2018 में वह सरकार गिर गई और जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया। 2019 में, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद इस क्षेत्र को दो केंद्र शासित प्रदेशों- जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया था, जिससे इस क्षेत्र का विशेष दर्जा समाप्त हो गया था।

पिछले सप्ताह सरकार बनाने का दावा पेश करने वाले उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की और समर्थन पत्र प्रस्तुत किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जम्मू और कश्मीर में राष्ट्रपति शासन समाप्त करने की अधिसूचना जारी की, जिससे नई सरकार के कार्यभार संभालने का रास्ता साफ हो गया। हाल ही में सम्पन्न तीन चरणों के चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन ने 90 में से 48 सीटें हासिल कीं, जिसमें उमर अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस सबसे आगे रही। कांग्रेस ने छह सीटें हासिल कीं, जबकि भाजपा ने जम्मू क्षेत्र में 29 सीटें जीतकर अपना दबदबा बनाया। कल का शपथ ग्रहण समारोह एक प्रतीकात्मक कार्यक्रम होगा क्योंकि जम्मू और कश्मीर लगभग छह साल के केंद्रीय शासन से एक निर्वाचित सरकार में बदल रहा है, जिसमें उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री के रूप में शीर्ष पर हैं।

इस बीच जम्मू-कश्मीर सरकार ने नवनियुक्त मुख्यमंत्री के नेतृत्व में कल एक महत्वपूर्ण बैठक निर्धारित की है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा 15 अक्टूबर 2024 को जारी नोटिस के अनुसार, बैठक 16 अक्टूबर 2024 (बुधवार) को दोपहर 3:00 बजे श्रीनगर में सिविल सचिवालय की तीसरी मंजिल पर स्थित मीटिंग हॉल में होगी। मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह के बाद यह पहली आधिकारिक बैठक होगी, जिसमें सभी प्रशासनिक सचिवों के शामिल होने की उम्मीद है। बैठक का उद्देश्य सरकार की तत्काल प्राथमिकताओं को रेखांकित करना और आने वाले महीनों के लिए प्रशासनिक उद्देश्य निर्धारित करना है।

सरकार के अतिरिक्त सचिव रोहित शर्मा द्वारा हस्ताक्षरित नोटिस को मुख्य सचिव और सामान्य प्रशासन विभाग के आयुक्त/सचिव सहित सभी संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को भेज दिया गया है। यह बैठक संभवतः जम्मू-कश्मीर में शासन के एक नए चरण की शुरुआत होगी, जिसमें विकास पहल, जन कल्याण और प्रमुख नीतिगत निर्णयों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सभी की निगाहें नए मुख्यमंत्री पर होंगी क्योंकि वे केंद्र शासित प्रदेश के लिए अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करेंगे।

मलयालम फिल्म उद्योग में ड्रग्स और शराब के इस्तेमाल की जांच होगी

कोच्चि, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केरल हाईकोर्ट ने सोमवार को मलयालम फिल्म उद्योग में यौन शोषण के आरोपों की जांच कर रही एसआईटी को फिल्म शूटिंग स्थलों और अन्य संबंधित कार्यस्थलों पर शराब और नशीली दवाओं के इस्तेमाल की जांच करने का निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति एके जयशंकरन नांबियार और न्यायमूर्ति सीएस सुधा की विशेष खंडपीठ ने न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट और संबंधित मामलों के संबंध में जनहित याचिका पर सुनवाई की। खंडपीठ ने निर्देश दिया कि भविष्य में शराब के बड़े पैमाने पर उपयोग को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए। कहा कि शूटिंग स्थलों और अन्य संबंधित कार्यस्थलों पर नशीली दवाओं का सेवन कानून का उल्लंघन है। पीठ ने विशेष जांच दल (एसआईटी) को मामले की जांच करने और कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

जस्टिस हेमा पैनल का गठन केरल सरकार द्वारा 2017 के अभिनेत्री उत्पीड़न मामले और इसकी रिपोर्ट में मलयालम सिनेमा उद्योग में महिलाओं के उत्पीड़न और शोषण के मामलों का खुलासा करने के बाद किया गया था। रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद कई अभिनेताओं और निर्देशकों के खिलाफ यौन उत्पीड़न और शोषण के आरोप सामने आने के बाद, राज्य सरकार ने 25 अगस्त को उनकी जांच के लिए सात सदस्यीय एसआईटी की स्थापना की घोषणा की।

पीठ ने कहा कि उसने संशोधित हिस्से सहित न्यायमूर्ति हेमा समिति की पूरी रिपोर्ट का अध्ययन किया है।

कहा, हमने पाया है कि समिति द्वारा दर्ज किए गए कई गवाहों के बयान संज्ञेय अपराधों के घटित होने का खुलासा करते हैं। इसलिए 10 सितंबर, 2024 के आदेश में निर्देशित किया गया है कि समिति के समक्ष दिए गए बयानों को धारा 173 के तहत सूचना के रूप में माना जाएगा। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (बीएनएसएस) और एसआईटी धारा 173(3) बीएनएसएस के अधीन आवश्यक कार्रवाई करेगी। अदालत ने एसआईटी को यह सुनिश्चित करने के लिए सभी सावधानी बरतने का निर्देश दिया कि पीड़ित और गवाहों का नाम उजागर या सार्वजनिक न हो। यह देखते हुए कि एसआईटी ने 28 सितंबर, 2024 की अपनी कार्रवाई रिपोर्ट में कहा है कि समिति के सामने बयान देने वाले गवाहों में से कोई भी पुलिस को सहयोग करने और बयान देने के लिए तैयार नहीं है। अदालत ने कहा, हम इसे दोहराते हैं गवाहों को बयान देने के लिए कोई बाध्यता नहीं की जा सकती।

विशेष खंडपीठ ने कहा कि अपराध दर्ज करने पर एसआईटी पीड़ितों/बचे लोगों से संपर्क करने और उनके बयान दर्ज करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। यदि गवाह सहयोग नहीं करते हैं, और मामले को आगे बढ़ाने के लिए कोई सामग्री नहीं है, तो धारा 176 बीएनएसएस के तहत उचित कदम उठाए जाएंगे।

संघर्ष विराम पर्यवेक्षण बोर्ड ने दर्ज की शिकायत

एनएससीएन-के ने किया संघर्ष विराम उल्लंघन

गुवाहाटी, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

संघर्ष विराम पर्यवेक्षण बोर्ड (सीएफएसबी) के अध्यक्ष अमरजीत सिंह बेदी ने एनएस-सीएन-के के निक्की सुमी गुट पर संघर्ष विराम के उल्लंघन का आरोप लगाया है। बेदी ने गुट पर दो नगा युवकों का अपहरण करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि 10 अक्टूबर को कथित तौर पर अवैध कर मांग को लेकर दीमापुर से दो युवकों का अपहरण किया गया था।

बेदी ने चुमौकेदिमा स्थित पुलिस परिसर में एनएससीएन-के (निक्की सुमी), दीमापुर स्थित नागरिक समाज संगठनों और युवा निकायों के प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग बंद कमरे में बैठक की। सीएफएसबी के अध्यक्ष ने बैठक के बाद कहा कि एनएससीएन-के के निक्की सुमी गुट को संघर्ष विराम के आधारभूत नियमों के उल्लंघन के साथ-साथ संघर्ष विराम कार्यालय के दुरुपयोग का जिम्मेदार पाया गया है। उन्होंने कहा कि समूह ने लिखित रूप से सहमति व्यक्त की है कि वे सभी आधारभूत नियमों का पालन करने के लिए तैयार हैं।

बेदी ने कहा कि उन्होंने एनएससीएन-के निक्की सुमी समूह से कहा कि अपहरण में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास करें, जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से यह काम किया हो और उन्हें पुलिस को सौंप दें ताकि कानून के अनुसार उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा सके। बेदी ने कहा कि केंद्र और एनएससीएन-के (निक्की सुमी) ने साल 2021 में संघर्ष विराम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे और उसके बाद पिछले महीने इसे एक साल की अवधि के लिए बढ़ा दिया था। उन्होंने कहा कि समझौते पर शांति, आपसी समझ और पार्टियों के बीच विश्वास लाने के उद्देश्य से हस्ताक्षर किए गए थे ताकि नागा राजनीतिक मुद्दे को शांतिपूर्ण माहौल में सुलझाया जा सके।

बेदी ने कहा कि सीएफएसबी के अध्यक्ष के रूप में वे यह सुनिश्चित करेंगे कि केंद्र के साथ संघर्ष विराम समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले नागा राजनीतिक समूहों द्वारा निर्धारित संघर्ष विराम नियमों का पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि अगर कोई समूह समझौते का उल्लंघन करता है, तो उन्हें गैरकानूनी गतिविधियों के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा। केंद्र ने पांच समूहों के साथ संघर्ष विराम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि, एनएससीएन-के का निक्की सुमी गुट नागा राजनीतिक मुद्दे को सुलझाने के लिए बातचीत में शामिल नहीं हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय गिरोह ने हजार से अधिक लोगों को किया डिजिटल अरेस्ट

कर्णावती, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

देशभर में 1000 से ज्यादा लोगों को डिजिटल अरेस्ट करके पैसे एंठने वाले गिरोह को अहमदाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इस रैकेट में अहमदाबाद, बड़ौदा समेत के शहरों के 18 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें ताइवान के चार नागरिक भी शामिल है। इस गैंग ने 5000 करोड़ से ज्यादा पैसे चीन और ताइवान ट्रांसफर किये थे।

डिजिटल अरेस्ट करके पैसे एंठने वाला गैंग अब अहमदाबाद पुलिस के कब्जे में है। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 761 सिमकार्ड, 120 मोबाईल फोन, 96 चेकबुक और 92 डेबिट कार्ड जब्त किए हैं। साथ मे 12.75 लाख का कैश और 42 पासबुक भी जब्त की है।

यह गैंग ज्यादातर बुजुर्ग लोगों को निशाना बनाते थे। अहमदाबाद के एक बुजुर्ग पति-पत्नी को ऐसे ही डिजिटल अरेस्ट करके 79.34 लाख एंठ लिए थे। जिनमें से 6 लाख बड़ौदा के भव्य इन्फोटेक के एसबीआई के अकाउंट में जमा हुए थे। यह अकाउंट धारक भावेश सुथार को गिरफ्तार कर उसकी पूछताछ करने पर सामने आया कि उसने अपना अकाउंट कमीशन बेज पर बड़ौदा के लीलेश प्रजापति और जयेश सुथार को उपयोग करने के लिए दिया था। जिसके आधार पर पुलिस ने उन दोनों को गिरफ्तार कर पूछताछ करने पर प्रवीण पंचाल उर्फ पीके का नाम सामने आया। पुलिस ने उसको भी धरदबोचा। इस दौरान लीलेश और जयेश के बड़ौदा में नवा बसस्टैंड विस्तार में रखी ऑफिस पर पुलिस ने छापा मारा तो वहां से एक डार्करूम मिला। जिसमे 20 रूटेड मोबाईल फोन, राउटर, मिनी लैपटॉप समेत का सिस्टम मिला।

गैंग एक एप्लिकेशन तैयार करता था, जिसे लैपटॉप में ओपन किया जाता। इसके साथ कम से कम 20 रूटेड मोबाइल फोन जो कि दो सिमकार्ड वाले होते थे, उसे कनेक्ट किया जाता। हर एक मोबाइल का एक सिमकार्ड अकाउंट धारक के अकाउंट के साथ लिंक किये गए नम्बरवाला होता था। जिसकी वजह से पैसे का ट्रांजेक्शन करने के लिए उसी नंबर पर ओटीपी आता था। जिसके चलते लैपटॉप में एप्लीकेशन के साथ स्क्रीन के ऊपर बैंक अकाउंट नंबर और ओटीपी दिखने पर उसमें जमा होने वाले पैसे तुरंत ही आगे के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर दिए जाते थे। जहां से वह पैसा अलग-अलग बैंक अकाउंट में और वहां से क्रिप्टो समेत की करेंसी में ट्रांसफर करके चीन और ताइवान भेज दिए जाते थे। बाद में चीन और ताइवान में वॉलेट में से वह पैसा उठा लिया जाता था।

पूरे रैकेट को अंजाम देने के लिए अलग-अलग यूनिट बनाए गए थे। जिसमें एक यूनिट सिम कार्ड प्री एक्टिव सिम कार्ड खरीदने का काम करता था। दूसरा यूनिट बैंक अकाउंट खोलने का, तीसरा यूनिट डार्क वेब और पब्लिक डोमेन पर से लोगों की जानकारी एकत्रित करने का काम करता था। चौथा यूनिट एक्सपर्ट की टीम का था। पांचवा यूनिट टेक्निकल टीम का जबकि छठा यूनिट कॉल सेंटर में नौकरी करने के लिए लोगों को भारती करता था। इस प्रकार अलग-अलग यूनिट बनाकर काम किया जाता था।

ताइवान और चीन में बैठे हुए माफिया डार्क रूम पर लगातार नजर बनाए हुए थे। अगर कोई डार्क रूम में लगाए हुए सिस्टम का एक भी मोबाइल 4 घंटे से ज्यादा समय तक बंध दिखे तो वह समझ जाते थे कि पुलिस ने छापा मारा है। जिसके चलते वह अन्य शहरों में चल रहे डार्क रूम भी बंद करवा देते थे। जिसकी वजह से पुलिस माफिया तक पहुंच नहीं पा रही थी। लेकिन जब साइबर क्राइम की टीम ने बड़ौदा के डार्क रूम पर छापा मारा इस वक्त बेंगलुरु, दिल्ली और मुंबई के डार्क रूम पर भी एक साथ छापे मारे गए।

पुलिस की जांच में सामने आया है कि ताइवान के गिरफ्तार हुए चार नागरिक टूरिस्ट वीजा पर भारत आये थे, लेकिन एक भी टूरिस्ट स्पॉट पर नही गए थे। ताइवान नागरिक और मुख्य सूत्रधार मार्क इससे पहले दो बार भारत आ चुका है। वांग चुन वेइ और शेन वेइ तीन से चार बार जबकि चांग हाव यून पहली बार ही भारत आया था। वांग चुन और शेन वेइ बेंगलुरु के डार्क रूम चलाते थे। गैंग ने पैसे एंठने के लिए तीन अलग अलग एप बनाए थे। गेमिंग एप पर लोग ज्यादा दिन तक जुआ खेलते हैं इसलिए इस ऐप के जरिए डार्क रूम से विदेश में पैसा भेजने की सिस्टम ज्यादा दिनों तक यानी कि एक महीने तक चालू रखी जाती थी। अगर भांडा फूटना शुरू हुआ है ऐसा शक होने पर ऐप को डिलीट कर दिया जाता था। इन्वेस्टमेंट एप के जरिए लोगों को शेयर मार्केट में पैसे रोकना का बहाना देकर यह गैंग पैसे एंठती थी। जिसमें टारगेट को एप्लीकेशन में पैसे रोकने से प्रॉफिट मिलेगा या फिर पैसा डबल होगा ऐसी लालच दी जाती थी। यह रैकेट 10 से 15 दिन तक चलता था। पुलिस में शिकायत दर्ज होने के बाद काम बंद कर दिया जाता।

खतरनाक पेट्रोलियम उत्पादों का अवैध आयात पकड़ा गया

तीन कंपनियों के खिलाफ केस
रिश्वत लेते एक को दबोचा

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई की तीन कंपनियों के प्रतिनिधियों के खिलाफ 1.4 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के खतरनाक पेट्रोलियम उत्पादों के अवैध आयात और परिवहन के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। उरन के सहायक पुलिस निरीक्षक शिवाजी हुल्गे ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने 12 जुलाई को एक आयात कंपनी के परिसरों पर छापा मारा था। अधिकारियों को आठ टैंकर मिले जिनमें पेट्रोलियम पदार्थ था। जांच से पता चला कि इस पदार्थ को संभालने वाली तीन कंपनियों ने गलत तरीके से इसे प्रोसेस ऑयल 40 बताया था। यह एक गैर-ज्व-लनशील पदार्थ है, जिसका इस्तेमाल आम तौर पर विनिर्माण उद्देश्यों के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा कि जांच से पुष्टि हुई कि तरल एक अत्यधिक ज्वलनशील पेट्रोलियम हाइड्रोकार्बन तेल था, जिसके परिवहन के लिए विशेष परमिट और कड़े सुरक्षा सावधानियों की आवश्यकता होती है। अधिकारी ने कहा कि पदार्थ की खतरनाक प्रकृति से अवगत होने के बावजूद कंपनियों ने कथित तौर पर आवश्यक लाइसेंस के बिना इसे परिवहन किया, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा को काफी खतरा था। उरन पुलिस ने रविवार को मुंबई के सांताक्रूज स्थित तीन कंपनियों के प्रतिनिधियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की, जिसमें मशीनरी और साजिश के संबंध में लापरवाही शामिल है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशगुमा रहेगी। यात्रा के चलते रुमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं। आपके घर का कोई सदस्य आज आपसे प्यार से जुड़ी कोई समस्या शेयर कर सकता है। आपको उन्हें उचित सलाह देनी चाहिए।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपको आर्थिक फ़ायदा होगा। पुरखों की जायदाद की ख़बर पूरे परिवार के लिए ख़ुशी ला सकती है। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दुर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। मुमकिन है कि आज आपका जीवनसाथी ख़ूबसूरत शब्दों में यह बताए कि आप उनके लिए कितने क़ीमती हैं। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्यादातर झगड़ों और सेक्स के इर्द-गिर्द ही घूमता है, लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है। धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। गृह-प्रवेश के लिए शुभ दिन है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम-से-कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें- अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊँचे लक्ष्य को हासिल करने के नज़रिए से समझ-बूझकर थोड़ा ख़तरा उठाया जा सकता है। चूके मौक़ों की वजह से डरें नहीं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप हर तरफ़ प्यार-ही-प्यार फैलाएंगे। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। थोड़ी-सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है। आज आप किसी दोस्त या करीबी रिश्तेदार से अपने दिल के गम साझा कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। आपका बदला हुआ बर्ताव उनके लिए ख़ुशी का सबब साबित होगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ख़ुद को सेहतमंद और दुरुस्त रखने के लिए वसायुक्त और तली-भुनी चीज़ों से दूर रहें। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं- लेकिन अपने साथी को छोटी-छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। अकेलापन कई बार काफ़ी दिक़्क़त भरा हो सकता है, ख़ास तौर से उन दिनों में जब कि आपके पास ज़्यादा कुछ करने के लिए न हो। इससे छुटकारा पाने की कोशिश करें और अपने दोस्तों के साथ थोड़ा समय व्यतीत करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। आपको अपने रोज़मर्रा के कामों से छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ घूमने का कार्यक्रम बनाना चाहिए। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। अपने प्रिय के साथ पर्याप्त समय बिताने की संभावना है। ऐसा हो भी क्यों न, ऐसे पल ही तो किसी संबंध को प्रगाढ़ बनाते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहार लें आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। आपको अपनी भावनाओं को नियन्त्रित करने में कठिनाई होगी, लेकिन आस-पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 16 अक्टूबर 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 08:43 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा रात्रि 07:18 तक
योग : ध्रुव प्रात: 10:09 तक
करण : गर प्रात: 10:33 तक
चन्द्र राशि : मीन
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 05:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 06:00 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 05:52 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 05:45 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : शरद पूर्णिमा , रात्रि लक्ष्मी इन्द्र पूजन, क्षीरपानम् , पंचक चालू है , गण्डमूल रात्रि 07:18 से , विश्व खाद्य दिवस , भद्रा रात्रि 08:43 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में सात विधानसभा क्षेत्रों में 13 नवंबर को होगा उपचुनाव

जयपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजस्थान में रिक्त सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव आगामी 13 नवम्बर को कराया जायेगा। इसके लिए चुनाव आयोग ने मंगलवार को घोषणा कर दी और झुंझुनूं जिले में झुंझुनूं, दौसा जिले में दौसा, टोंक जिले की देवली-उनियारा, नागौर जिले की खींवसर, डूंगरपुर जिले की चौरासी (अनुसूचित जनजाति), अलवर जिले की रामगढ़ एवं उदयपुर जिले की संलूबर (अनुसूचित जनजाति) विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान 13 नवम्बर को होगा जबकि मतगणना 23 नवंबर को होगी।

चुनाव आयोग की इस घोषणा के बाद राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने शाम को यहां प्रेस वार्ता करके बताया कि उपचुनाव वाले विधानसभा क्षेत्रों में आचार संहिता लागू हो गई। श्री महाजन ने बताया कि इसके लिए नोटिफिकेशन 18 अक्टूबर को जारी किया जायेगा और नामांकन प्रक्रिया शुरु हो जायेगी तथा उम्मीदवार 25 अक्टूबर तक अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। इसके बाद 28 अक्टूबर को नामांकन की जांच होगी और 30 अक्टूबर तक प्रत्याशी अपना नामांकन वापस भी ले सकेंगे।

उन्होंने बताया कि इन सातों विधानसभा सीटों पर कुल 19 लाख 36 हजार 533

मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे। जिनमें 10.04 लाख पुरुष एवं 9.32 लाख महिला मतदाता है। इनके अलावा सात ट्रांसजेंडर्स मतदाता भी अपने मत का प्रयोग कर सकेंगे। उपचुनाव में झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र में कुल दो लाख 74 हजार 533 मतदाता हैं जिनमें एक लाख 42 हजार 708 पुरुष एवं एक लाख 31 हजार 820 महिला मतदाता शामिल है। पांच ट्रांसजेंडर मतदाता भी हैं। इसी तरह रामगढ़ में दो लाख 74 हजार 180 मतदाता है जिनमें एक लाख 44 हजार 914 पुरष एवं एक लाख 29 हजार 266 महिला मतदाता है। दौसा में दो लाख 46 हजार 12 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे जिनमें एक लाख 29 हजार 422 पुरुष एवं एक लाख 16 हजार 590 महिला मतदाता शामिल है। देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक तीन लाख दो हजार 721 मतदाता हैं। जिनमें एक लाख 55 हजार 954 पुरुष एवं एक लाख 46 हजार 766 महिला मतदाता शामिल है। इनके अलावा एक ट्रांसजेंडर मतदाता भी है।

इसी प्रकार खींवसर में दो लाख 86 हजार 41 मतदाता है जिनमें एक लाख 49 हजार 254 पुरुष एवं एक लाख 36 हजार 787 महिला मतदाता है। सलंबूर में दो लाख 97 हजार 645 मतदाता हैं जिनमें एक लाख 51 हजार 394 पुरुष एवं एक लाख 46 हजार 251 महिला मतदाता हैं। चौरासी विधानसभा क्षेत्र में दो लाख 55हजार 401 मतदाताओं में एक लाख 30 हजार 637 पुरुष एवं एक लाख 24 हजार 763 महिला मतदाता और एक ट्रांसजेंडर मतदाता है।

उल्लेखनीय है कि झुंझुनूं सीट विधायक बृजेन्द्र सिंह ओला के सांसद चुने जाने के बाद विधायक पद से इस्तीफा देने से खाली हुई थी। इसी तरह दौसा में विधायक मुरारी लाल मीना, खींवसर में हनुमान बेनीवाल एवं चौरासी में राजकुमार रोत के सांसद चुने जाने के बाद विधायक पद से इस्तीफा देने से ये सीटें रिक्त हो गई। इनके अलावा रामगढ़ सीट विधायक जुबेर खान एवं सलंबूर सीट विधायक अमृतलाल मीणा के निधन से खाली हुई हैं। इनमें झुंझुनूं, दौसा, देवली-उनियारा एवं रामगढ़ सीट कांग्रेस जबकि खींवसर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी एवं सलूंबर भाजपा के पास थी। उधर उपचुनाव की घोषणा होते ही राजनीतिक दलों में हलचल शुरु हो गई हैं।

हरियाणा विद्यालय बोर्ड की परीक्षाओं में नकल पर अंकुश लगाने के कड़े प्रबंध

चंडीगढ़, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी ने 16 अक्टूबर से होने वाली पूरक परीक्षाओं में नकल पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाने के कड़े प्रबंध किए हैं।

शिक्षा बोर्ड द्वारा वार्षिक परीक्षाओं की भांति इस बार पूरक परीक्षाओं में भी प्रश्न-पत्रों पर अल्फा न्यूमेरिक कोड, क्यू आर कोड और हिडन सिक्योरिटी फीचर अंकित किए गए हैं। यदि किसी परीक्षार्थी/छात्र अध्यापक द्वारा पेपर आउट किया जाता है तो उसकी तुरन्त पहचान करके सम्बन्धित परीक्षार्थी/ अध्यापक/ अभिभावक के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराई जायेगी। बोर्ड प्रवक्ता ने बताया कि सभी पात्र परीक्षार्थियों को अनुक्रमांक जारी कर दिये गये हैं। परीक्षार्थी अपना रंगीन प्रवेश-पत्र ए-चार साईज पेपर पर ही प्रिंट करें तथा वही रंगीन फोटो प्रवेश-पत्र पर चिपकायें जो आवेदन फार्म भरते समय अपलोड किया गया था तथा उसे किसी राजकीय/अराजकीय मान्यता प्राप्त विद्यालय के प्राचार्य/मुख्याध्यापक या किसी राजपत्रित अधिकारी से सत्यापित करवाना सुनिश्चित करें। प्रवेश-पत्र एवं मूल पहचान-पत्र (आधार कार्ड आदि) के बिना परीक्षा केन्द्र में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। सभी परीक्षार्थी अपने आधार कार्ड पर नवीनतम फोटो अपडेट कराना सुनिश्चित करें। परीक्षार्थी प्रवेश-पत्र पर दिये गये दिशा-निर्देशों की पालना करते हुये परीक्षा आरंभ होने से 30 मिनट पूर्व परीक्षा केंद्र पर पहुंचना सुनिश्चित करें।

प्रतिनिधिमंडल के सिंगापुर दौरे से निवेश के लिए माहौल बनाने में मदद मिली : राठौड़

जयपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में राज्य सरकार के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के हाल के सिंगापुर दौरे से उभरता हुआ राजस्थान वैश्विक निवेश सम्मेलन- 2024 के लिये उचित माहौल बनाने में काफी मदद मिली है।

सिंगापुर के इस दौरे में राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने वहां निवेशक रोड शो में भाग लिया और वैश्विक स्तर पर पहचान रखने वाली सिंगापुर की कई बड़ी कंपनियों से मुलाकात की।

राज्य सरकार की ओर से मंगलवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार इनमें से कई कंपनियों ने राज्य सरकार के साथ आपसी सहयोग बढ़ाने, राजस्थान में व्यापार के अवसरों की जानकारी लेने और राज्य में कारोबार करने के प्रति इच्छा जतायी। इनमें सिंगापुर की कुछ प्रमुख कंपनियां जैसे सेम्बकॉर्प, पीएसए होरा-

इजन्स, सुरबाना जुरोंग, एसटी इंजीनियरिंग, एसटी टेलीमीडिया, मैपलट्री इन्वेस्टमेंट्स आदि शामिल हैं। इनमें से कुछ कंपनियों ने उद्योग और वाणिज्य मंत्री कर्नल राठौड़ के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल से नीमराणा स्थित जापानी निवेश क्षेत्र की तर्ज पर सिंगापुर की कंपनियों के लिये एक विशेष निवेश या औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने का भी अनुरोध किया।राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल की इस चार-दिवसीय सिंगापुर यात्रा में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री के अलावा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ और राजस्थान सरकार के अन्य अधिकारी शामिल थे। इसके अलावा, प्रतिनिधिमंडल के संग सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अम्बुले ने भी निवेशक रोड शो और कई अन्य बैठकों में हिस्सा लिया। सिंगापुर की इस यात्रा के दौरान शहरी विकास, यूटीलिटीज और अक्षय ऊर्जा की वहां की एक प्रमुख वैश्विक कंपनी सेम्बकॉर्प के अधिकारियों ने राजस्थान में व्यावसायिक अवसरों की जानकारी लेते हुए राज्य में निवेश करने की इच्छा जतायी। इसी तरह लॉजिस्टिक क्षेत्र की अग्रणी कंपनी पीएसए होराइजन्स ने राज्य में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) और इनलैंड कंटेनर डिपो (आईसीडी) विकसित करने का इरादा व्यक्त किया। वहीं सिंगापुर की अग्रणी इंजीनियरिंग और शहरी विकास कंसल्टेंसी कंपनी सुरबाना जुरोंग ने राजस्थान में औद्योगिक पार्कों के आगामी विकास के लिये परामर्श सेवायें देने में रुचि दिखायी।इसके अलावा, प्रतिनिधिमंडल ने बालोतरा में बन रहे राजस्थान पेट्रो जोन में निवेश के लिये जुरोंग आइलैंड पेट्रोकेमिकल कॉम्प-लेक्स के अधिकारियों के साथ चर्चा की, जबकि एक अन्य मुलाकात में एसटी इंजीनियरिंग और एसटी टेलीमीडिया ग्लोबल डेटा सेंटर के प्रतिनिधियों ने राज्य में नए व्यावसायिक अवसरों के प्रति रुचि दिखाई। इसी तरह एक प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर मैपलट्री इन्वेस्टमेंट्स ने राजस्थान में एक रसद केंद्र स्थापित करने की इच्छा जतायी। इस कंपनी की देश के पुणे, मुंबई और चेन्नई जैसे शहरों में कारोबार है। सिंगापुर के निवेशकों और कंपनियों की उत्साहजनक प्रतिक्रिया के बारे में बताते हुए उद्योग और वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, निवेशक सम्मेलन से पहले निवेश रोड शो आयोजित करने का उद्देश्य राजस्थान में उपलब्ध नये निवेश अवसरों के लिये जानकारी देना है और सिंगापुर की कंपनियों द्वारा दिखाई गई जबरदस्त प्रतिक्रिया से साफ है हमारे प्रयास सही दिशा में हैं। उन्होंने कहा कि सिंगापुर यात्रा के दौरान हम लोगों ने वहां की सरकार की कई एजेंसियों, जिन्होंने शहरी कायाकल्प, सार्वजनिक परिवहन, जल प्रबंधन आदि के क्षेत्रों में विश्व स्तर पर अपनी छाप छोड़ी है, के साथ भी मुलाकात की और उनसे हमारी बातचीत बहुत अच्छी रही। यह एजेंसियां अपनी विशेषज्ञता हमारे साथ साझा करने और सहयोग के लिये इच्छुक थीं। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेशक सम्मेलन 2024 को सफल बनाने के लिये राज्य सरकार बड़े पैमाने पर देशी और विदेशी निवेशकों, संस्थाओं और व्यवसाय जगत के शीर्ष अधिकारियों से लगातार बैठकें कर रही हैं ताकि आने वाले समय में राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश हो सके और विकसित राजस्थान के लक्ष्य को पूरा करने की ओर बढ़ा जा सके। इसके तहत पिछले एक महीने में दिल्ली, मुंबई, सियोल (दक्षिण कोरिया), जापान के टोक्यो और ओसाका, संयुक्त अरब अमीरात के दुबई और अबू धाबी और कतर की राजधानी दोहा में इस तरह के निवेशक रोड शो आयोजित किये जा चुके हैं, जिससे निवेशकों को राजस्थान से जुड़ने, राज्य में निवेश के लिये आमंत्रित करने और उन्हें राज्य सरकार द्वारा बनायी गयी निवेशक-अनुकूल नीतियों और अवसरों से अवगत कराया जा सके। इस व्यापक प्रयासों के परिणामस्वरूप राजस्थान सरकार को अब तक 12 लाख 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

भाजपा विधानसभा उपचुनाव में नहीं जीत पाएगी एक भी सीट : डोटासरा

जयपुर,15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजस्थान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर उसके पिछले दस महीनों के कार्यकाल में लोगों के पूरी तरह निराश एवं परेशान हो जाने का आरोप लगाते हुए दावा किया है कि इस कारण आगामी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा एक भी सीट हासिल नहीं कर पाएगी।

श्री डोटासरा ने उपचुनाव की घोषणा पर मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए अपनी प्रतिक्रिया में यह बात कही। उन्होंने कहा कि उपचुनाव के लिए कांग्रेस के कार्यकर्ता पूरी तरह तैयार है। उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार को पर्ची सरकार बताते हुए कहा कि उसका पिछले नौ-दस महीनों का जो

कार्यकाल गया है उससे लोग पूरी तरह निराश एवं परेशान हैं। उन्होंने कहा कि लोग कह रहे है कि बनाई थी सरकार बन गया सर्कस। आये दिन हर आर्डर यू टर्न ले रहा है। आपस में झगड़ें, मंत्रियों का पता नहीं हैं, सरकार चल रही है या नहीं, कोई पता नहीं है, ब्यूरोक्रेट सरकार चला रहे है। उसमें भी दो-तीन ग्रुप बने हुए हैं और जनता की कोई परवाह नहीं है।

श्री डोटासरा ने कहा कि अकेले शिक्षा विभाग में पिछले नौ महीनों में नौ आर्डर ऐसे हुए जो नौ बार यू टर्न हुए। आज तो एक घंटे में ही यूटर्न और कल यूडीएच में एक घंटे में यूटर्न हो गया। लोग कहने लग गये है कि काम के लिए यह सरकार बनाई गई थी जो सैर सपाटे की सरकार बन गई है। मुख्यमंत्री अधिकारियों को लेकर विदेश भ्रमण कर रहे हैं और कह रहे है कि निवेश ला रहे है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि इनकी वहां कोई बैठक ही तय नहीं है और केवल फोटो खिंचवाने का काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि लोग यह सब देख रहे है और लोगों के सामने आ गया हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सातों विधानसभा उपचुनाव में भाजपा कोई भी सीट जीत पाने में सफल नहीं रहेगी। गठबंधन के सवाल पर श्री डोटासरा ने कहा कि गठबंधन पार्टी आला कमान करता है और इस पर कोई फैसला होता है तो उसकी पूरी पालना की जायेगी।

पटाखा बनाने की फैक्ट्री सील, पटाखा व तेजाब जब्त

अलवर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजस्थान में खैरथल तिजारा जिले के जिला कलक्टर के निर्देश पर टपूकड़ा के समीप पथरेड़ी में पटाखे बनाने वाली एक फैक्ट्री से पटाखे एवं तेजाब जब्त करते हुये उसे सील कर दिया गया।

आधिकारिक सत्रों ने बताया कि कल शाम को कलक्टर के निर्देश पर उपखंड अधिकारी लाखन सिंह, कानूनगो पवन, पटवारी बजलीत आदि ने थाना पुलिस के साथ पथरेडी इन्डस्ट्रीयल एरिया के प्लॉट पर पहुंचे।

मौके पर फैक्ट्री के गेट पर अंदर से ताला लगा हुआ मिला। अंदर जाकर चेक किया तो मौके पर 40 श्रमिक कार्य करते हुए मिले। सभी की ओर से पटाखों का निर्माण किया जा रहा था। मौके पर अन्य कच्ची सामग्री जैसे जिप्सम पत्थर, टेप, प्रोसेसिंग, तेजाब के केन मौके पर मिले।

भजनलाल सरकार युवाओं को सरकारी नौकरी देकर उनके सपने कर रही साकार : राठौड़

जयपुर,15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने प्रदेश की भजनलाल सरकार को युवाओं के भविष्य को लेकर संवेदनशील और गंभीर बताते हुए कहा है कि वह युवाओं को सरकारी नौकरी देकर उनके सपनों को साकार करने का काम कर रही है।

श्री राठौड़ मंगलवार को यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने युवाओं से जो वादे किए थे, उन वादों को पूरा करने की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री ने राज्य के इतिहास में पहली बार प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भर्ती कैलेंडर जारी करने का

ऐतिहासिक कार्य किया है। भर्ती कैलेंडर में 70 प्रतियोगी परीक्षाओं की दिनांक और उनका परिणाम जारी करने की दिनांक जारी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरी और छह लाख लोगों को स्किल के साथ रोजगार देने का वादा किया था। भाजपा जो कहती है, वो करती है के लिए संकल्पबद्ध है, इसलिए मुख्यमंत्री ने आगामी दिसंबर तक एक लाख 11 हजार से ज्यादा विभिन्न सरकारी पदों पर नियुक्ति देने के लिए विज्ञप्तियां जारी कर दी है।

डंपर की टक्कर से ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार दो लोगों की मौत, दो घायल

जयपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में डीडवाना शहर में मंगलवार सुबह एक अनियंत्रित डंपर की टक्कर से ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार दो मजदूरों की मौत हो गई तथा दो गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि झुंझुनू के रहने वाले कुछ लोग ट्रेक्टर ट्रॉली में बैठकर मजदूरी के लिए डीडवाना होकर जोधपुर जा रहे थे। इसी दौरान आज अलसुबह कोलिया गांव में सामने से आ रहे डंपर की टक्कर ने उसे चपेट में ले लिया। हादसे में ख्यालीराम एवं शंकरलाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य मजदूरों को गंभीर हालत में डीडवाना जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें जयपुर रेफर किया गया हैं। पुलिस ने मृतकों के शवों को डीडवाना अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया है।

हरियाणा में एक युवक का शव बरामद

फतेहाबाद, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस ने फतेहाबाद जिले के टोहाना में मंगलवार को एक युवक का शव बरामद किया है। मृतक की पहचान टोहाना के वार्ड नंबर 16 के वृषभान के रूप में हुई है।परिजनों ने दावा किया है कि उसके मोबाइल से उन्हें एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें तीन लोगों को उसने आत्महत्या के लिये जिम्मेदार बताया है। हालांकि पुलिस इस मामले में जांच पड़ताल करने में जुटी है। सदर थाना पुलिस ने शव बाहर निकाल कर नागरिक अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद परिजनों को सूचित किया गया। पुलिस के अनुसार मंगलवार सुबह उन्हें सूचना मिली थी कि गोरखपुर के पास से गुजर रही भाखड़ा नहर के डुमडा वाले पुल पर एक युवक का शव फंसा हुआ है। वह 12 अक्टूबर से लापता था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

महाकाली मंदिर से 40 हजार की नकदी चोरी

हिसार, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में हिसार की बैंक कालोनी स्थित महाकाली मंदिर से सोमवार को अर्ध रात्रि के बाद अज्ञात चोर ने छह दानपात्रों से करीब 40 हजार रुपए की नकदी और चांदी के कुंडल चुराकर लिए। पुलिस ने बताया कि मंदिर में चोरी की बात मंगलवार सुबह खुली जब सफाई करने वाली महिला मंदिर में आई।

मंदिर संचालिका धर्मावती ने बाद में चोरी की सूचना डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को दी। उन्होंने बताया कि चोरी की घटना रात करीब एक बजे हुई है और सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। चोर छत के रास्ते मंदिर में घुसा, उसने मूर्तियों के बाहर बने लोहे के गेट पर लगे तालों को तोड़ने का प्रयास किया और ताला न टूटने पर दरवाजे के कूंडे ही तोड़ दिये। बाद में उसने त्रिशूल से दानपात्र को तोड़कर छह दानपात्र से करीब 40 हजार रुपये निकाल लिए। बाद में वह सीढ़ियों के रास्ते भाग गया। मंदिर करीब 40 साल पुराना है। करीब पांच वर्ष पहले भी इस मंदिर में चोरी हुई थी। फिलहाल मामले की सूचना मिलने पर अर्बन एस्टेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले। मामले की जांच जारी है।

रवि योग में आज मनाई जाएगी शरद पूर्णिमा

सनातन धर्म में शरद पूर्णिमा को बेहद खास त्योहार माना जाता है। शरद पूर्णिमा के दिन देवी लक्ष्मी जी की विशेष पूजा अर्चना की जाती है। इसके अलावा भगवान विष्णु की पूजा करने से जीवन में धन की कमी दूर होती है। ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस वर्ष शरद पूर्णिमा 16 अक्टूबर 2024 को मनाई जाएगी। हर साल आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को ही शरद पूर्णिमा कहा जाता है। ऐसी धार्मिक मान्यता है कि इस दिन आकाश से अमृत की बूंदों की वर्षा होती है। शरद पूर्णिमा पर चंद्रमा पृथ्वी के सबसे निकट होता है। अंतरिक्ष के समस्त ग्रहों से निकलने वाली सकारात्मक ऊर्जा चंद्रकिरणों के माध्यम से पृथ्वी पर पड़ती हैं। पूर्णिमा की चांदनी में खीर बनाकर खुले आसमान के नीचे रखने के पीछे वैज्ञानिक तर्क यह है कि चंद्रमा के औषधीय गुणों से युक्त किरणें पड़ने से खीर भी अमृत के समान हो जाएगी। उसका सेवन करना स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद होगा।

ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि इस साल चंद्रमा शरद पूर्णिमा को शाम 5:10 बजे उदय होगा। जो लोग व्रत रखना चाहते हैं वे 16 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा का व्रत रख सकते हैं और शाम को चंद्रमा की पूजा करें।

कोजागरी पूर्णिमा भी है दूसरा नाम

देश के कई इलाकों में शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। कोजागरी पूर्णिमा का त्योहार पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम में बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। कोजागरी पूर्णिमा पर लक्ष्मी जी की विशेष पूजा की जाती है। साथ में भगवान विष्णु की भी पूजा की जाती है। पश्चिम बंगाल व ओडिशा में मान्यता है कि विधिपूर्वक पूजा करने से व्यक्ति को आर्थिक समस्याओं से मुक्ति मिलती है और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

शरद पूर्णिमा पर भगवान कृष्ण ने रचाई थी महारास लीला

पौराणिक मान्यता है कि भगवान कृष्ण ने शरद पूर्णिमा पर ही महा रास की रचना की थी। इस दिन चंद्र देवता की विशेष पूजा की जाती है और खीर का भोग लगाया जाता है। रात में आसमान के नीचे खीर रखी जाती है। ऐसा माना जाता है कि अमृत वर्षा से खीर भी अमृत के समान हो जाती है। शास्त्रों के अनुसार इस तिथि को चंद्रमा पृथ्वी के सबसे निकट होता है।

शरद पूर्णिमा की तिथि और शुभ मुहूर्त

शरद पूर्णिमा या कोजागरी पूर्णिमा 16 अक्टूबर 2024
पूर्णिमा तिथि आरंभ– 16 अक्टूबर 2024 को रात 8:45 मिनट से
पूर्णिमा तिथि समाप्त– 17 अक्टूबर 2024 को शाम 4:50 मिनट

शरद पूर्णिमा महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां लक्ष्मी की समुद्र मंथन से उत्पत्ति शरद पूर्णिमा के दिन ही हुई थी। इसलिए इस तिथि को धन-दायक भी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन मां लक्ष्मी धरती पर विचरण करती हैं और जो लोग रात्रि में जागकर मां लक्ष्मी का पूजन करते हैं, वे उस पर अपनी कृपा बरसाती हैं और धन-वैभव प्रदान करती हैं। शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा या रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन चंद्रमा अपनी पूर्ण कलाओं के साथ होता और पृथ्वी पर चारों चंद्रमा की उजियारी फैली होती है। धरती जैसे दूधिया रोशनी में नहा जाती है। माना जाता है कि इस दिन चंद्रमा की किरणों से अमृत की बरसात होती है, इसलिए रात्रि में चांद की रोशनी में खीर रखने की परंपरा भी है।

शरद पूर्णिमा पूजा विधि

इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर किसी पवित्र नदी में स्नान करें। यदि नदी में स्नान नहीं कर सकते तो घर पर ही पानी में गंगाजल डालकर स्नानादि करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें। अब एक लकड़ी की चौकी या पाटे पर लाल कपड़ा बिछाएं और गंगाजल से शुद्ध करें। चौकी के ऊपर मां लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें और लाल चुनरी पहनाएं। अब लाल फूल, इत्र, नैवेद्य, धूप-दीप, सुपारी आदि से मां लक्ष्मी का विधिवत पूजन करें। इसके बाद मां लक्ष्मी के समक्ष लक्ष्मी चालीसा का पाठ करें। पूजन संपन्न होने के बाद आरती करें। शाम के समय पुनः मां और भगवान विष्णु का पूजन करें और चंद्रमा को अर्घ्य दें। चावल और गाय के दूध की खीर बनाकर चंद्रमा की रोशनी में रखें। मध्य रात्रि में मां लक्ष्मी को खीर का भोग लगाएं और प्रसाद के रुप में परिवार के सभी सदस्यों को खिलाएं।

–नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
अजमेर

शरद पूर्णिमा पर समृद्धि के लिए करें लक्ष्मी पूजा

हिन्दी पंचांग के अनुसार शरद पूर्णिमा हर वर्ष आश्विन मास में आती है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को शरद पूर्णिमा या आश्विन पूर्णिमा कहते हैं। इस वर्ष शरद पूर्णिमा या आश्विन पूर्णिमा 16 अक्टूबर को है। शरद पूर्णिमा का एक विशेष धार्मिक महत्व होता है। इस दिन धन, वैभव और ऐश्वर्य की देवी माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा या कोजागरी लक्ष्मी पूजा के नाम से भी जाना जाता है।

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि शरद पूर्णिमा के निशा में माता लक्ष्मी घर-घर विचरण करती हैं। इस निशा में माता लक्ष्मी के आठ में से किसी भी स्वरूप का ध्यान करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है। देवी के आठ स्वरूप धनलक्ष्मी, धन्य लक्ष्मी, राजलक्ष्मी, वैभवलक्ष्मी, ऐश्वर्य लक्ष्मी, संतान लक्ष्मी, कमला लक्ष्मी और विजय लक्ष्मी है। इस दिन रखे जाने वाले व्रत को कौमुदी व्रत भी कहते हैं। इस दिन खीर का महत्व इसलिए भी है कि यह दूध से बनी होती है और दूध को चंद्रमा का प्रतीक माना गया है। चंद्रमा मन का प्रतिनिधित्व करता है।

शरद पूर्णिमा की चांदनी रात में जो भगवान विष्णु सहित देवी लक्ष्मी और उनके वाहन की पूजा करते हैं, उनकी मनोकामना पूरी होती है। शरद पूर्णिमा की रात्रि में जागने की परंपरा भी है। यह पूर्णिमा जागृति पूर्णिमा के नाम से भी जानी जाती है। भारत के कुछ हिस्सों में शरद पूर्णिमा को कुमार पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस दिन कुंवारी लड़कियां सुयोग्य वर के लिए भगवान कार्तिकेय की पूजा करती हैं। इस दिन लड़कियां सुबह उठकर स्नान करने के बाद सूर्य को भोग लगाती हैं और दिन भर व्रत रखती हैं। शाम के समय चंद्रमा की पूजा करने के बाद अपना व्रत खोलती हैं।

श्वांस के रोगियों को फायदा

नेचुरोपैथी और आयुर्वेद विशेषज्ञों के अनुसार शरद पूर्णिमा की शुरुआत ही वर्षा ऋतु के अंत में होती है। इस दिन चांद धरती के सबसे करीब होता है, रोशनी सबसे ज्यादा होने के कारण इनका असर भी अधिक होता है। इस दौरान चांद की किरणें जब खीर पर पड़ती हैं तो उस पर भी इसका असर

होता है। रातभर चांदनी में रखी हुई खीर शरीर और मन को ठंडा रखती है। ग्रीष्म ऋतु की गर्मी को शांत करती और शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाती है। यह पेट को ठंडक पहुंचाती है। श्वांस के रोगियों को इससे फायदा होता है साथ ही आंखों रोशनी भी बेहतर होती है।

रोग प्रतिरोधकता बढ़ती है

मान्यतों के अनुसार खीर को संभव हो तो चांदी के बर्तन में बनाना चाहिए। चांदी में रोग प्रतिर-ोधकता अधिक होती है। इससे विषाणु दूर रहते हैं। हल्दी का उपयोग निषिद्ध है। प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम 30 मिनट तक शरद पूर्णिमा का स्नान करना चाहिए। रात्रि 10 से 12 बजे तक का समय उपयुक्त रहता है। दूध में लैक्टिक अम्ल और अमृत तत्व होता है। यह तत्व चंद्रमा की किरणों से अधिक मात्रा में शक्ति का शोषण करता है। चावल में स्टार्च होने के कारण यह प्रक्रिया और आसान हो जाती है। इसी कारण शरद पूर्णिमा की रात्रि में खीर खुले आसमान में रखने का विधान किया गया है। मान्यता है कि इस दिन आसमान से अमृत बरसता है क्योंकि चांद की रोशनी में औषधीय गुण होते हैं जिसमें कई असाध्य रोगों को दूर करने की क्षमता होती है।

शरद पूर्णिमा पर पूजा करने से लाभ

शरद पूर्णिमा की रात जब चारों तरफ चांद की रोशनी बिखरती है उस समय मां लक्ष्मी की पूरा करने आपको धन का लाभ होगा। मां लक्ष्मी को सुपारी बहुत पसंद है। सुपारी का इस्तेमाल पूजा में करें। पूजा के बाद सुपारी पर लाल धागा लपेटकर उसको अक्षत, कुमकुम, पुष्प आदि से पूजन करके उसे तिजोरी में रखने से आपको धन की कभी कमी नहीं होगी। शरद पूर्णिमा की रात भगवान शिव को खीर का भोग लगाएं। खीर को पूर्णिमा वाली रात छत पर रखें। भोग लगाने के बाद उस खीर का प्रसाद ग्रहण करें। उस उपाय से भी आपको कभी पैसे की कमी नहीं होगी। शरद पूर्णिमा की रात को हनुमान जी के सामने चौमुखा दीपक जलाएं। इससे आपके घर में सुख शांति बनी रहेगी।

शरद पूर्णिमा पर करें उपाय

पैसों की तंगी के लिए :– भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए शरद पूर्णिमा की रात मां लक्ष्मी की पूजा करने के साथ 5 कौड़ियां मां के चढ़ाएं। दूसरे दिन लाल या पीले रंग के कपड़े में इन कौड़ियों को लपेटकर तिजोरी में रख लें।

निरोगी रहने के लिए :– अगर घर का कोई न कोई सदस्य बीमार रहता है, शरद पूर्णिमा के रात को छत में खीर रख दें। दूसरे दिन रोगी को इसका सेवन कराएं।

बिजनेस और नौकरी में मुनाफा के लिए :– भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि बिजनेस में लगातार बढ़ोतरी के साथ नौकरी में प्रमोशन के लिए शरद पूर्णिमा के दिन हनुमान जी के सामने चौमुखी दीपक जलाएं।

तुलसी पूजा :– शरद पूर्णिमा के दिन स्नान करने के बाद तुलसी पूजा करें और शाम को दीपक जलाएं। ऐसा करने से सुख-समृद्धि की वृद्धि होगी।

लगाएं सफेद भोग :– भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि मां तुलसी को सफेद रंग की कोई मिठाई का भोग लगाएं। ऐसा करने से मां लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है।

मां लक्ष्मी को लगाएं ये भोग :– शरद पूर्णिमा पर मां लक्ष्मी को सिंघाड़ा, दही, मखाना, बताशा और पान का भोग लगाएं। ऐसा करने से मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी।

आंख रहेगी दुरुस्त :– भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि माना जाता है कि शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा की रोशनी से अमृत बरसता है। इसलिए इस दिन त्राटक क्रिया जरूर करें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

घर में रखें ये 5 मूर्तियां, धन-दौलत में होगी बढ़ोतरी, रोगों से मिलेगी मुक्ति!

आजकल घरों में देखने को मिलता है कि लोग सजावट के लिए मूर्तियां रखते हैं। ये मूर्तियां मैटल की हो सकती हैं, कांच की हो सकती हैं या फिर अन्य किसी मटीरियल की भी हो सकती हैं। वास्तु में मूर्तियां लगाने का बहुत ही खास महत्व बताया गया है।

घर को सजाने और खूबसूरती बढ़ाने के चक्कर में कई बार हम लोग कुछ ऐसी मूर्तिया लगा देते हैं जो वास्तु दोष पैदा करती हैं। आज हम आपको बता रहे हैं ऐसी 5 मूर्तियों के बारे में, जिनमें से किसी एक को भी घर में लगाना वास्तु में बेहद शुभ माना जाता है, इसलिए घर में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने के लिए इन 5 मूर्तियों को घर में जरूर रखना चाहिए। इससे लोगों की सेहत, करियर और कमाई पर भी अच्छा असर होता है। वास्तु और फ़ेंगशुई के मुताबिक, घर में ये मूर्तियां रखना शुभ माना जाता है।

हाथी की मूर्ति :– वास्तु के मुताबिक, घर में ठोस चांदी या पीतल की हाथी की मूर्ति रखना शुभ माना जाता है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और दरिद्रता जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। बेडरूम में चांदी के हाथी की मूर्ति रखने से राहु से संबंधित सभी दोष दूर हो सकते हैं। फेंगशुई की माने तो घर पर हाथी की तस्वीर या प्रतिमा रखने से पॉजिटिव एनर्जी का वास होता है और धन-समृद्धि में वद्धि होती है।

कछुए की मूर्ति :- वास्तु के मुताबिक, घर में कछुए की मूर्ति रखने से धन-समृद्धि आती है और उम्र लंबी होती है। फ़ेंगशुई के मुताबिक, कछुए के आस-पास सकारात्मक ऊर्जा आती है। घर की पूर्व और उत्तर दिशा में कछुए की स्थापना करना शुभ होता है। ड्राइंग रूम धातु का कछुआ रखने से धन में वृद्धि होती है।

मछली की मूर्ति :- वास्तु और फ़ेंगशुई के मुताबिक, मछली को धन और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। घर में पीतल या चांदी की मछली रखने से सुख-शांति बनी रहती है और धन में वृद्धि होती है। घर की उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में पीतल या चांदी की मछली रखने से घर में सुख-शांति बनी रहती है।

गाय की मूर्ति :- वास्तु के मुताबिक, घर में पीतल की गाय की मूर्ति रखने से संतान सुख की प्राप्ति होती है और नकारात्मकता दूर होती है।फेंगशुई के अनुसार, घर में गाय की मूर्ति रखने से पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ती है।

ऊंट की मूर्ति :- वास्तु और फ़ेंगशुई के मुताबिक, घर में ऊंट की मूर्ति रखना शुभ माना जाता है। इससे करियर और कारोबार में सफलता मिलती है। ड्राइंग रूम या लिविंग रूम की उत्तर-पश्चिम दिशा में ऊंट की मूर्ति रखने से करियर और व्यवसाय में सफलता मिलती है। ऊंट की मूर्ति रखने से एकाग्रता बढ़ती है ।

अहोई अष्टमी 24 को जानें महत्व

नातन धर्म में हिन्दुओं को राधा कुंड में स्नान का विशेष महत्व है । उत्तर प्रदेश के मथुरा में मौजूद राधा कुंड में स्नान करने के लिए हर साल लोग दूर-दूर से यहां आते हैं। वैदिक पंचांग के मुताबिक यह स्नान हर वर्ष कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को किया जाता है, इसी दिन लोग अहोई अष्टमी का व्रत भी रखते हैं। लेकिन इस बार अष्टमी तिथि को लेकर थोड़ा असमंजस की स्थिति है। आइए जानते हैं कौन सा दिन शुभ रहेगा।

वैदिक पंचांग के मुताबिक, इस साल कार्तिक मास में पड़ने वाली कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि का प्रारंभ 24 अक्टूबर 2024 को सुबह 01:18 बजे हो रहा है, जो अगले दिन 25 अक्टूबर 2024 को प्रातः 01:58 बजे समाप्त होगी। ऐसे में उदयातिथि के आधार पर 24 अक्टूबर 2024 दिन ग्रिड पर राधा कुंड स्नान का आयोजन किया जाएगा।

स्नान करने का शुभ मुहूर्त

अहोई अष्टमी की रात 12 बजे के बाद राधा कुंड में स्नान करना बेहद शुभ होता है। इस दिन मध्यरात्रि में स्नान का स्नान करने का शुभ मुहूर्त 25 अक्टूबर 2024 को सुबह 11:38 बजे से 12:29 बजे तक रहेगा।

राधा कुंड स्नान का महत्व

ऐसा माना जाता है कि अहोई अष्टमी के शुभ दिन पर, भक्त पवित्र राधा कुंड में पवित्र स्नान करते हैं क्योंकि स्नान करना बेहद शुभ माना जाता है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, अहोई अष्टमी की पूर्व संध्या पर राधा कुंड में स्नान करने से दंपत्तियों को संतान का आशीर्वाद मिलता है। इसलिए, सैकड़ों जोड़े उत्तर प्रदेश के मथुरा राधा कुंड में जाते हैं और इसमें स्नान करते हैं, जिसे मुख्य रूप से राधा कुंड स्नान के रूप में जाना जाता है।

बड़ा ही चमत्कारी है मां शीतला देवी का यह मंदिर

दर्शन मात्र से दूर हो जाते हैं रोग!

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जनपद में स्थित शीतला देवी मंदिर को चेचक और अन्य रोगों से मुक्ति दिलाने वाला पवित्र स्थान माना जाता है। मान्यता है कि यहां माता शीतला के दर्शन मात्र से भक्तों को रोगों से राहत मिलती है। यह मंदिर सोनभद्र के चोपन नगर से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, और हर साल यहां यूपी समेत कई अन्य राज्यों से हजारों भक्त दर्शन के लिए आते हैं।

बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश से भी भक्त यहां आकर माता का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। कहा जाता है कि अगर कोई व्यक्ति लंबे समय से किसी बीमारी से पीड़ित है, तो इस मंदिर में पूजा और दर्शन के बाद उसे राहत मिलती है।

माता शीतला देवी के दर्शन के लिए दूर-दराज से भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। उन्होंने यह भी बताया कि पुराने समय में, जब भारत में चेचक और प्लेग जैसी बीमारियाँ फैली थीं, तो

यहां माता के दर्शन करने से मरीज 20 दिनों के अंदर ठीक हो जाते थे। आज भी, सोनभद्र के आसपास के प्रांतों से बड़ी संख्या में भक्त यहां आते हैं।

शीतला माता का यह मंदिर सोनभद्र नगर मुख्यालय से लगभग 23 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां पहुंचने का मार्ग सुगम है, और भक्तों के लिए रेल, ऑटो, बस सहित अन्य परिवहन सुविधाएं उपलब्ध हैं। मंदिर के निकट ठहरने और खाने-पीने की भी अच्छी व्यवस्थाएं हैं। धर्मशालाओं से लेकर बजट और बेहतर होटलों तक की सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो भक्तों के लिए किफायती और सुविधाजनक हैं।

धूम 4 को लेकर आया बड़ा अपडेट

सामने आया रणबीर कपूर का किलर लुक

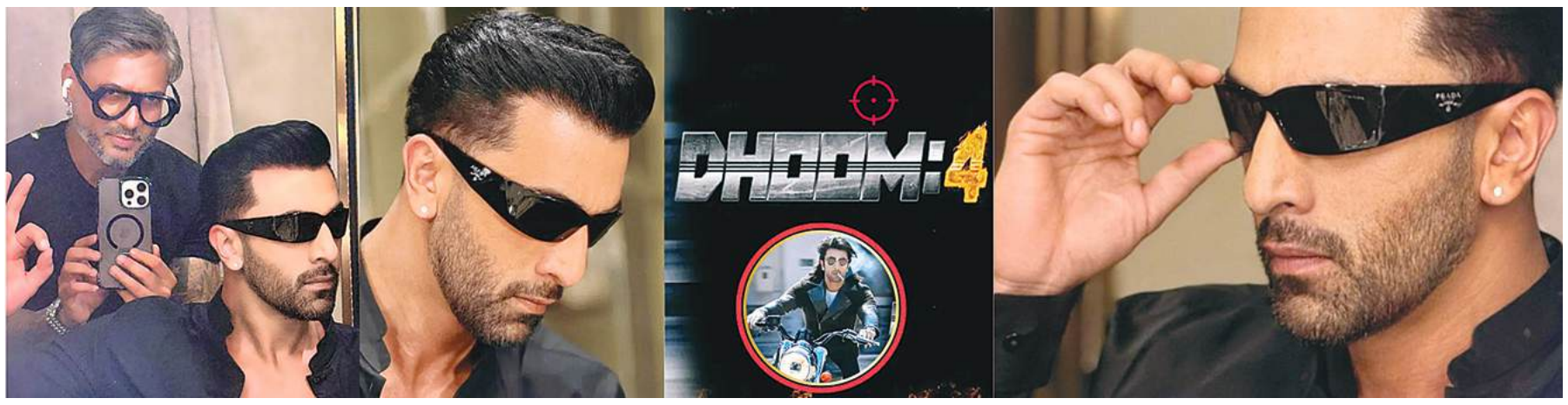

बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर का हैंडसम लुक फैंस के बीच छाया रहता है। ङएनिमलफ में रफ टफ लुक हो या ङअजब प्रेम की गजब कहानीफ का सॉफ्ट लुक। इस बीच रणबीर का ङनया झक्कास लुकफ फिर से सोशल मीडिया पर धमाल मचा रहा है।

सेलिब्रिटी हेयर स्टाइलिस्ट आलिम हकीम ने ङएनिमलफ स्टार के नए हेयरकट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर फैंस को एक्टर की कमाल की झलक दिखाई है।

हकीम ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर सुपरस्टार के साथ तीन तस्वीरें साझा की। पहली तस्वीर में रणबीर की एक छोटी सी झलक भर है, जिसमें उनके छोटे-छोटे सिल्की बाल चमक रहे हैं। दूसरी तस्वीर में अभिनेता का क्लोजअप और तीसरी तस्वीर में सुपरस्टार हकीम के साथ मिरर सेल्फी है।

तीनों तस्वीरों में अभिनेता ने सनग्लास लगाया है। हकीम ने कैप्शन में लिखा ङहॉटनेस अलर्ट! रणबीर कपूरफ हकीम द्वारा तस्वीरें पोस्ट किए जाने के बाद से फैंस स्टार के नए लुक पर जमकर तारीफ करते नजर आए। देखते ही देखते कमेंट सेक्शन भर गया। एक फैन ने लिखा ङधूम 4फ। एक अन्य ने लिखा ङधूम 4फ। वहीं, दूसरे ने लिखा ङक्या यह धूम के लिए हैफ।

सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें छाई हुई हैं कि रणबीर ङधूमफ फ्रैंचाइजी के मोस्ट अवेटेड अगले पार्ट ङधूम 4फ में धांसू लुक में नजर आएंगे। वहीं, खबर यह भी है कि अभिषेक बच्चन और उदय चोपड़ा जय और अली के रूप में वापसी नहीं कर रहे हैं।

एक्शन थ्रिलर ङधूमफ फ्रैंचाइजी की पहली किस्त साल 2004 में रिलीज हुई थी। संजय गढ़वी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अभिषेक बच्चन, जॉन अब्राहम, के साथ उदय चोपड़ा, ईशा देओल और रिमी सेन भी अहम रोल में नजर आए थे।

एक्शन-थ्रिलर फिल्म मोटरसाइकिल पर सवार लुटेरों के एक गिरोह के इर्द-गिर्द घूमती है, जो मुंबई में डकैती करते हैं।

इन्हें रोकने का काम पुलिसकर्मी जय दीक्षित और मोटरसाइकिल डीलर अली अकबर फतेह खान को सौंपा जाता है।

वहीं, दूसरा पार्ट धूम 2 बैक इन एक्शन नाम से 2006 में रिलीज हुआ था। फिल्म में ऋतिक रोशन, अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन, बिपाशा बसु और उदय चोपड़ा अहम रोल में नजर आए थे। धूम सीरीज की तीसरी फिल्म में आमिर खान दिखे थे।

मृणाल ठाकुर की फिल्म पूजा मेरी जान की रिलीज आगे खिसकी

मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म पूजा मेरी जान को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म में हुमा कुरैशी और विजय राज भी नजर आएंगे।फिल्म के निर्देशन की कमान नवजोत गुलाटी ने संभाली है, वहीं दिनेश विजान इसके निर्माता हैं।दर्शक इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब आपको फिल्म को देखने के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा।दरअसल, निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज तारीख को आगे खिसका दिया है।रिपोर्ट के मुताबिक, पूजा मेरी जानी नवंबर, 2024 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह अगले साल की शुरुआत में सिनेमाघरों में आएगी।निर्माताओं ने यह फैसला छावा की वजह से लिया है, जो 6 दिसंबर, 2024 को रिलीज होने वाली है। दरअसल, विक्की कौशल की फिल्म की निर्माण भी विजान कर रहे हैं।विजान दोनों फिल्मों पर एक साथ ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। इसलिए उन्होंने पूजा मेरी जानी की रिलीज को आगे खिसका दिया है।

रिलीज हुआ सिटाडेल : हनी बनी का ट्रेलर 90 के जासूस बने वरुण और सामंथा

वरुण धवन और सामंथा रूथ प्रभु की मोस्ट अवेटेड सीरीज ..सिटाडेल: हनी बनी.. का दमदार और एक्शन से भरपूर ट्रेलर लॉन्च हो गया है। इसका निर्देशन राज और डीके (राज निदिमोरू और कृष्णा डीके) ने किया है और इसे सीता आर. मेनन के साथ राज और डीके ने लिखा है।

ये ट्रेलर 90 के दशक की जीवंत पृष्ठभूमि पर आधारित एक रोमांचक और दिलचस्प स्पाई थ्रिलर की झलक देता है, जिसमें धमाकेदार एक्शन, हाई-ऑक्टेन स्टंट्स और रोमांच से भरपूर पल शामिल हैं, इन सबको बेहतरीन अदाकारी और भव्य दृश्य प्रभावों के साथ पेश किया गया है। कहानी में स्टंटमैन बनी (वरुण धवन) संघर्षरत अभिनेत्री हनी (समांथा) को एक साइड गिग के लिए भर्ती करता है, जिसके बाद वे एक उच्च-दांव वाले एक्शन, जासूसी और धोखे की दुनिया में फंस जाते हैं।

सालों बाद, जब उनका खतरनाक अतीत सामने आता है, तो अलग हो चुके हनी और बनी को अपनी बेटी नादिया की सुरक्षा के लिए फिर से एकजुट होकर लड़ना पड़ता है।ये सीरीज़ ऊ2ठ फिल्म्स, अमेज़ॅन एमजीएम स्टूडियोज़ और -ऋइज के रूसो ब्रदर्स द्वारा एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूस की गई है। डेविड वील (हंटर्स) के साथ -ऋइज के एंथनी रूसो, जो रूसो, एंजेला रूसो-ओटस्टॉट और स्कॉट नेम्स, सिटाडेल: हनी बनी और सिटाडेल की दुनिया की सभी सीरीज के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं।

मिडनाइट रेडियो भी एक एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर है। इस सीरीज में बेहद प्रतिभाशाली वरुण धवन और समांथा मुख्य भूमिकाओं में हैं, साथ ही बहुमुखी के.के. मेनन, और एक रोमांचक कलाकारों की टोली है, जिसमें सिमरन, साकिब सलीम, सिकंदर खेर, सोहम मजूमदार, शिवांकीत परिहार और कश्वी मजूमदार शामिल हैं।

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की फिल्म धड़क 2 को मिली नई रिलीज तारीख

करण जौहर ने इस साल के मध्य में 2018 में आई फिल्म धड़क के सीक्वल का ऐलान किया था। इस फिल्म में पहली बार तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी की जोड़ी नजर आएगी।यह फिल्म 22 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन फिल्म की रिलीज आगे खिसक गई है।दरअसल, फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग होना अभी बाकी है, जिसमें कुछ गाने भी शामिल हैं। अब धड़क 2 को नई रिलीज तारीख मिल गई है।एक सूत्र ने बताया कि धड़क 2 अब 21 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।अगर धड़क 2 अगले साल 21 फरवरी को रिलीज होती है तो यह तृप्ति के प्रशंसकों के लिए किसी उपहार से कम नहीं होगा। दरअसल, अभिनेत्री 23 फरवरी को अपना जन्मदिन मनाती हैं।बॉक्स ऑफिस पर धड़क 2 का सामना अजय देवगन और वाणी कपूर की रेड 2 से होगा।करण ने 2018 में धड़क का निर्माण किया था। इस फिल्म से जाह्नवी कपूर और ईशान खट्टर बॉलीवुड में अपना करियर शुरू किया था।धड़क ने सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन किया था। 40 करोड़ रुपये की लागत में बनी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 110.11 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।यह मराठी फिल्म सैराट पर आधारित थी और उसकी कहानी को बेहद पसंद किया गया था। लगभग 5 वर्षों के बाद करण ने इसके सीक्वल का ऐलान किया है।

फेमस कॉमेडियन-एक्टर अतुल परचुरे की कैंसर से मौत

फिल्म जगत से जुड़ी एक बुरी खबर सामने आई है। फेमस कॉमेडियन-एक्टर अतुल परचुरे का 57 साल की उम्र में निधन हो गया है। अतुल लंबे समय से कैंसर से जूझ रहे थे। फिल्म जगत और टीवी इंडस्ट्री से जुड़े लोग उनके निधन से सदमे में हैं।

अतुल की एक्टिंग का कोई जवाब नहीं था। वह हिंदी और मराठी पर्दे पर अपनी कॉमेडी के लिए जाने जाते थे। ङकपिल शर्मा शोफ में कई किरदारों में आकर वह लोगों को हंसा-हंसा कर लोटपोट कर देते थे। हिंदी फिल्मों की बात करें तो वह ङफिर भी दिल है हिंदुस्तानीफ, ङमेरी प्यारी बहनिया बनेगी दुल्हनियाफ, फ्रॉड ओनली नोजफ, कलकत्ता मेल, जजंतरम मंतरम, तुमसा नहीं देखा, यकीनफ, चकाचक, क्यों की, क्यों की मैं झूठ नहीं बोलता, स्टाइल, क्या दिल ने कहा, चोर मचाये शोर, कलयुग, अंजाने – द अननोन जैसी नामी फिल्में शामिल हैं।

इसके अलावा ये कई फेमस टीवी शो में भी नजर आए। जैसे कपिल शर्मा शो, कॉमेडी नाइट्स विद कपिल, खिचड़ी, आर के लक्ष्मण की दुनिया जैसे पॉपुलर टीवी शो में नजर आए थे।

31 साल की आलिया भट्ट इस गंभीर बीमारी से हैं परेशान

खुद ही किया चौंकाने वाला खुलासा

आलिया भट्ट इन दिनों अपनी फिल्म जिगरा को लेकर चर्चा में है। उन्होंने इस फिल्म के रिलीज से पहले प्रमोशन के लिए कई इंटरव्यू में शामिल हुई। एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी एक गंभीर बीमारी के बारे में खुलकर बात की। आलिया ने बताया कि उन्हें एडीएचडी की समस्या है। इसका मतलब अटेंशन डिफीसिटएट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर है। आलिया भट्ट ने इंटरव्यू में बताया कि वह बचपन से ही जोन आउट हो जाती है। उन्होंन कहा, मैं बचपन में अपने स्कूल और क्लासरूम में या किसी कंवर्सेशन के बीच में जोन आउट हो जाती हूं। मैंने अभी कुछ दिनों पहले एक साइकोलॉजिकल टेस्ट करवाया, जिसमें पता चला कि मैं एडीएचडी के स्पेक्ट्रम में बहुत हाई हूं। मुझे एडीएचडी है।आलिया भट्ट ने आगे इंटरव्यू में कहा कि जब

उन्होंने किसी को इसके बारे में बताया तो उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से ही पता था कि ऐसा कुछ है, इसलिए वह कैमरे के सामने इतनी सहज हैं क्योंकि कैमरे के सामने वह सबसे ज्यादा प्रेजेंट होती हैं। इसके बाद आलिया कहती हैं कि जब भी वह राहा के साथ भी होती हैं तो सबसे ज्यादा शांत महसूस करती हैं।एडीएचडी एक न्यूरोडेवेलपमेंटल स्थिति है, जो बचपन में हो जाती है और बड़े होने तक रहती है। इसकी वजह से शख्स के रोजाना के काम काज और जीवन की गुणवत्ता काफी प्रभावित होती है। इससे ग्रस्त इंसान को किसी काम में ध्यान बनाए रखने में मुश्किलें आती हैं। आलिया भट्ट ने इसी डिसऑर्डर की वजह से ही अपनी शादी में मेकअप आर्टिस्ट को 2 घंटे तक तैयार करने के लिए मना कर दिया था। वह 45 मिनट से ज्यादा मेकअप चेयर पर नहीं बैठ सकती हैं, इसलिए वह कम से कम ही मेकअप करती हैं।

सुरभि ज्योति के लेटेस्ट लुक ने इंटरनेट पर मचाया धमाल

एक्ट्रेस की फोटोज हुईं वायरल

टीवी एक्ट्रेस सुरभि ज्योति आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिसमें वो काफी ज्यादा सिजलिंग और हॉट अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस सुरभि ज्योति हमेशा अपने बोल्ड लुक्स की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर कर अक्सर लोगों का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टा पर शेयर की हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की इन फोटोज में आप देख सकते हैं वो बेहद ही शानदार लुक में नजर आ रही हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस सुरभि ज्योतिन ने व्हाइट कलर का टॉप पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही कातिलाना लुक में नजर आ रही हैं।सुरभि ज्योति सोशल मीडिया लवर हैं। वो इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।ओपन हेयर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस सुरभि ज्योति ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस का हर एक स्टाइल फैंस के बीच ट्रेंड करता है।

देवरा बनी रिकॉर्डधारी

अब आरआरआर, बाहुबली 2 को पछाड़ बनी 17वें दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म

जूनियर एनटीआर की नई फिल्म देवरा पार्ट 1 ने बीती 27 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुए आज 18 दिन हो गए हैं। इस बीच देवरा की 17वें दिन की बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की रिपोर्ट सामने आ गई है।

फिल्म ने 17वें दिन एक नया रिकॉर्ड अपने नाम किया है।बॉक्स ऑफिस पर नई फिल्में रिलीज होने के बावजूद देवरा ने सिनेमाघरों में अपना जादू बरकरार रखा है। तीसरे वीकेंड में भी फिल्म ने अच्छा परफॉर्म किया है। तीसरे शुक्रवार को देवरा ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 2.75 करोड़ रुपये कमाए। वहीं, शनिवार और रविवार को फिल्म के कलेक्शन ग्राफ में बढ़ोतरी देखी गई।

दशहरा के दिन देवरा ने 5.25 करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं, बीते रविवार को भी फिल्म ने 5.25 करोड़ रुपये का शानदार बिजनेस किया।दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर देवरा ने 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है।

बीते रविवार को देवरा के मेकर्स ने फिल्म के कलेक्शन के बारे में अपडेट साझा किया था और बताया कि फिल्म ने 509 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।तेलुगू राज्यों में देवरा का क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है। फिल्म ने रायलसीमा में कमाई का अंबार लगा दिया है। दशहरा की छुट्टियों का फायदा उठाते हुए देवरा ने 16वें दिन अच्छी कमाई की थी।देवरा ने 17वें दिन रविवार का फायदा उठाते हुए एक बार अच्छी कमाई की है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टॉलीवुड के इतिहास में अब तक 17वें दिन सबसे ज्यादा कलेक्शन करने वाली फिल्मों में रंगस्थलम (50 लाख रु), हनुमान (50 लाख रु), पुष्पा (68 लाख रु) और बाहुबली 2 (75 लाख रु) शामिल हैं, जबकि आरआरआर ने 88 लाख रुपये कमाए थे। अब 17वें दिन देवरा ने इन सभी फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 95 लाख रुपये कमाए हैं ।

बहराइच दंगा : मुस्लिम उपद्रवी तांडव करते रहे, पुलिस तमाशा देखती रही

बहराइच, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

यह बात पूरी तरह उजागर हो चुकी है कि पुलिस-प्रशासन की नाकामी से बहराइच में हिंसा भड़की। प्रतिमा विसर्जन के दिन सुरक्षा के इंतजाम नाकाफी थे। हिंसा होने का कोई भी इनपुट नहीं था। हैरानी यह है कि सोमवार को दूसरे दिन भी सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम करने में अफसर नाकाम साबित हुए। इसलिए दूसरे दिन बवाल, तोड़फोड़ और आगजनी हुई। पूरे मामले में पुलिस का खुफिया तंत्र फेल रहा। पूरे घटनाक्रम में एडीजी जोन से लेकर आईजी और एसपी बहराइच सवालों के घेरे में हैं।

शहर में हर साल प्रतिमा विसर्जन होता है, जिसमें डीजे के साथ शोभायात्रा निकाली जाती है। ऐसे में पुलिस अफसरों की जिम्मेदारी थी कि वह सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करते। क्योंकि यात्रा का रूट पहले से ही तय होता है। लेकिन, बहराइच पुलिस और प्रशासन ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। यही वजह है कि जब बवाल शुरू हुआ तो पुलिस बल नाकाफी साबित हुआ। उपद्रवी हावी हो गए। उन्होंने जो चाहा वही किया। रामगोपाल मिश्र को घर के भीतर खींच ले गए। पीटा, बर्बरता की और फिर गोली भी मार दी। उसे बचाने पुलिस नहीं आ सकी।

रविवार को पहले दिन हिंसा के

बाद मुख्यमंत्री ने घटना का संज्ञान लिया था। उच्चाधिकारियों को निर्देश दिए थे। अफसरों ने दावा किया था कि अब सुरक्षा के पूरे इंतजाम कर लिए गए हैं। लेकिन सोमवार सुबह जब रामगोपाल का शव घर पहुंचा तो उसके बाद कई घंटे तक गांवों और कस्बों में तोड़फोड़, आगजनी और अराजकता होती रही। दोपहर बाद जब एडीजी एलओ ने मोर्चा संभाला तब जाकर कुछ माहौल शांत हुआ। सवाल है कि आखिर पहले दिन हिंसा के बाद दूसरे दिन लापरवाही क्यों बरती गई? पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती क्यों नहीं की गई? ऐसे तमाम सवाल पुलिस पर उठ रहे हैं।

त्यौहार से पहले सीएम ने वीसी की थी, जिसमें जोन, रेंज और जिला कप्तान शामिल हुए थे। विसर्जन पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन हिंसा ने आदेश-निर्देश की धज्जी उड़ा दी। अफसरों की लापरवाही और नाकामी हावी रही। भीड़ का आक्रोश बेहड़ा में भी देखने को मिला, जहां नाई की दुकान समेत तीन गुमटियों को पलट दिया। यही नहीं, गुमटियों में आगजनी भी की।

आगजनी और हिंसा के बीच जिले के खैरीघाट थाना प्रभारी संजय सिंह की बड़ी लापरवाही देखने को मिली। इस कारण उपद्रवियों ने मस्जिद गेट पर लगे दो गुंबदों को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस दौरान शिवपुर बाजार में भी लोग जमा हुए। लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों के पहुंचने से कोई अप्रिय घटना नहीं हो सकी। प्रदर्शन स्थल व रेहुआ गांव में भारी पुलिस फोर्स तैनात है। पीएसी के जवान भी स्थिति से निपटने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन समय बढ़ने के साथ ही तनाव बढ़ रहा है। सैकड़ों की संख्या में मौजूद युवा हाथों में लाठी-डंडा लेकर नारेबाजी करते हुए सड़कों पर घूमते रहे।

बवाल के दर्जनों वीडियो सामने आए, जिनमें अराजक भीड़ लाठी-डंडे लेकर दौड़ती नजर आई। साथ में पुलिसकर्मी भी मौजूद दिखे। भीड़ एक तरफ गाड़ियां तोड़ती रही, आगजनी करती रही और पुलिस वाले लाचार बने खड़े रहे। उनकी हिम्मत नहीं हो पा रही थी कि वह उपद्रवियों को रोक सकें। ये इसलिए क्योंकि लीड करने वाला कोई अफसर ही नहीं था। अमिताभ यश के पहुंचने के बाद पुलिस बल सक्रिय हुआ। उपद्रवियों पर काबू करने की जद्-ोजहद शुरू हुई।

सोमवार सुबह करीब छह से सात बजे के बीच रामगोपाल के शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपा गया। लेकिन शव रेहुवा गांव पहुंचते ही स्थिति तनावपूर्ण हो गई। पूरा गांव पुलिस व प्रशासन के विरुद्ध लामबंद हो गया। पुलिस व प्रशासन के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस दौरान लोगों को समझाकर दाह संस्कार करवाने पहुंचे तहसीलदार को लोगों ने खदेड़ दिया। वह किसी तरह से वहां से निकले। दोपहर बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए किसी तरह से राजी हुए।

महसी के महराजगंज कस्बे में प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान हुई पत्थरबाजी व गोलीकांड की आग धीरे-धीरे पूरे जिले में फैलती जा रही है। सोमवार सुबह से जिले में डर व दहशत का माहौल रहा। शहर की मुख्य बाजार घंटाघर से पीपल तिराहे तक की दुकानें बंद रहीं। महराजगंज कस्बे में सुबह से ही सन्नाटा रहा। सिर्फ पुलिसकर्मी ही नजर आए। दहशत के बीच लोग अपने घरों में कैद रहे और बाजार की सभी दुकानें बंद रहीं। विवाद का असर शिवपुर विकासखंड की बजारों में भी देखने को मिला। पूरे शिवपुर में बंदी रही। इस दौरान जगह-जगह प्रदर्शन होता रहा। खैरीघाट, भगवानपुर चौराहा, राजी चौराहा व महसी में भी बजारें बंद रहीं।

महसी के महराजगंज में दूसरे समुदाय के लोगों द्वारा मूर्ति विसर्जन के दौरान प्रतिमाओं पर पत्थरबाजी की गईं। वहीं घर में ले जाकर रेहुआ मंसूर निवासी राम गोपाल मिश्रा के साथ बर्बरता करते हुए गोली मार कर हत्या कर दी गई। जिसके बाद जिले में हिंसा फैल गई और लगातार जारी है। घटना के बाद पुलिस भी हरकत में आई है और छह नामजद समेत 10 लोगों पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। साथ ही सोमवार को पुलिस ने डैमेज कंट्रोल करते हुए 26 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। क्षेत्र में अभी भी भारी तनाव को स्थिति है और पड़ोसी जिलों के साथ साथ कई थानों की पुलिस, पीएसी और आरएएफ के जवान मौके पर तैनात है।

इज़राइल के राजदूत रूवेन अजर ने आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। उत्तर प्रदेश में इज़राइली सहयोग से चल रही विभिन्न योजनाओं पर रूवेन अजर और योगी आदित्यनाथ के बीच विस्तार से चर्चा हुई।

प्रदेश के 24 औद्योगिक क्षेत्रों का व्यापक कायाकल्प होगा

लखनऊ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार प्रदेश में इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण व विकास पर सबसे ज्यादा फोकस कर रही है। प्रदेश के सभी औद्योगिक क्षेत्रों में अवस्थापना समेत तमाम सुविधाओं का विकास किया जा रहा है और इसमें निवेश समेत विभिन्न परियोजनाओं को धरातल पर उतारने के काम में तेजी लाई जा रही है। इसी क्रम में, 24 औद्योगिक क्षेत्रों के व्यापक कायाकल्प की प्रक्रिया को पूरा करने पर योगी सरकार फोकस कर रही है। सीएम योगी के विजन अनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) को इन कार्यों की पूर्ति का जिम्मा सौंपा गया है।

यूपीसीडा द्वारा आगरा, मथुरा, मेरठ, गोरखपुर, संत कबीर नगर, मऊ, कानपुर, लखनऊ व रायबरेली में फुल डेप्थ रीक्लेमेशन (एफडीआर) तकनीक से सड़कों के निर्माण समेत अन्य अवस्थापनात्मक सुधार की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। इन कार्यों में स्ट्रीट लाइटिंग, सीसीटीवी, टेलीफोन स्टेशन, सब स्टेशन, स्ट्रीट फर्नीचर, बाउंड्री वॉल, एंट्री गेट समेत विभिन्न सुविधाओं विकास शामिल है। प्रक्रिया के अंतर्गत कुल 4,025 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैले विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में विकास कार्यों को पूरा किया जाएगा। इन सभी कार्यों को पूरा करने के लिए यूपी-सीडा द्वारा डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है जिसके जरिए चरणबद्ध तरीके से सभी प्रस्तावित निर्माण व विकास कार्यों को पूरा किया जाएगा।

जिन 24 औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क निर्माण समेत विभिन्न प्रकार के इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन होना है उन्हें 6 पैकेट्स में विभाजित किया है। पहले पैकेट में आगरा के ईपीआईपी नगर, फौदारी नगर तथा सिकंदरा (साइट ए, बी, सी) तथा मथुरा साइट ए शामिल हैं। ये क्रमशः 105.45, 183.28, 50.70, 17.79, 183.31 तथा 348.87 एकड़ क्षेत्र में अव-स्थित हैं। वहीं, पैकेज 2 में जेपी नगर गजरौला (1 व 2) तथा बरेली के परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र चिह्नित हैं। इनका क्षेत्रफल क्रमशः 423.58 तथा 273.34 एकड़ है। तीसरे पैकेज में मेरठ के स्पोर्ट्स गुड्स कॉम्प-लेक्स, साइट 2 लोनी रोड, साइट 3, लोनी इंडस्ट्रियल एरिया मेरठ रोड व उद्योग कुंज डासना चिह्नित हैं।

17 अक्टूबर को धूमधाम से मनाई जाएगी महर्षि वाल्मीकि जयंती

लखनऊ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार 17 अक्टूबर को धूमधाम से वाल्मीकि जयंती मनाएगी। इस दौरान अनेक भव्य कार्यक्रम होंगे। इस दिन मंदिरों में श्रीराम चरित मानस पाठ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन, कीर्तन आदि कराए जाएंगे। महर्षि वाल्मीकि की तपोस्थली चित्रकूट में वृहद कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। योगी सरकार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी स्थानीय कलाकारों को आध्यात्मिक मंच देगी।

योगी सरकार के निर्देशानुसार 17 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में वाल्मीकि जयंती मनाई जाएगी। महर्षि वाल्मीकि से संबंधित स्थलों-मंदिरों आदि पर दीप प्रज्ज्वलन, दीपदान के साथ-साथ रामायण पाठ कराए जाएंगे। यह कार्यक्रम जनपद, तहसील व विकास खंड स्तर पर होंगे। सीएम योगी ने हर आयोजन स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, ध्वनि,

प्रकाश व सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था कराने का निर्देश दिया है।

योगी सरकार महर्षि वाल्मीकि की तपोस्थली लालापुर चित्रकूट में वृहद आयोजन कराएगी। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीव-ास्तव को कार्यक्रम का नोडल बनाया गया है।

श्रीवास्तव ने बताया कि लालापुर में महर्षि वाल्मीकि की मूर्ति पर माल्यार्पण के साथ सुबह11 बजे कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। भगवती जागरण मंच और दयाराम रैकवाड़ व टीम की तरफ से आध्यात्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इस दौरान पूजन-हवन, भजन, वाल्मीकि रामायण पाठ, लवकुश प्रसंग आदि के भी कार्यक्रम होंगे। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी और जनसहभागिता भी रहेगी।

जनपदों में स्थित प्रभु श्रीराम मंदिर, हनुमान मंदिरों व रामायण से संबंधित मंदिरों में कार्यक्रम होंगे। इसमें स्थानीय कलाकारों को मंच उपलब्ध कराया जाएगा। जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा जनपद में चयनित मंदिरों व स्थलों पर कार्यक्रम के लिए कलाकारों का चयन किया गया है। इसका समन्वय संस्कृति विभाग, सूचना-जनसंपर्क विभाग, जिला पर्यटन व संस्कृति परिषद द्वारा किया जाएगा। हर जनपद में आयोजन के लिए नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं। योगी सरकार ने कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ जनसहभागिता पर भी जोर दिया है।

जैन परिवार की जमीन पर मुस्लिमों ने जबरन कब्जा जमाया

सहारनपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में एक जैन परिवार ने अपनी जमीन पर मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा अवैध कब्जे की साजिश का आरोप लगाया है। कब्जे का आर-ोप फुरकान, गयूर, पप्पू, ममरेज, गयासुद्दीन और कामिल आदि पर लगा है। पीड़ित की जमीन कागजों में उनके नाम होने के बावजूद उसे जोतने-बोने नहीं दिया जा रहा है। पीड़ित ने अपनी ही जमीन पर काबिज होने के लिए एक साल तक लड़ाई लड़ी है। प्रशासन के आदेश के बाद जब जैन परिवार रविवार (13 अक्टूबर 2024) को कब्जा लेने पहुंचा, तब मुस्लिम भीड़ ने उन पर हमला कर दिया। पुलिस के आगे हुए इस हमले में मुस्लिम महिलाएं भी शामिल थीं। यह वही मुस्लिम बहुल गांव है, जहां से 2 साल पहले आतंकवादी नदीम गिरफ्तार हुआ था।

इस मामले में पीड़ित नवीन जैन ने बताया कि उनकी 42 बीघे जमीन सहारनपुर जिले के थानाक्षेत्र गंगोह में पड़ने वाले गांव कुंडाकला में मौजूद है। इसी भूभाग के 4 बीघे को कामिल, ममरेज, गयूर, फुरकान और पप्पू आदि पिछले 1 साल से अपना हिस्सा बताते हैं। जमीन की कीमत लगभग 2 करोड़ के आसपास बताई जा रही है। नवीन जैन का दावा है कि उनकी जमीन को अपनी बपौती बता रहे मुस्लिम समुदाय के लोगों के पास अपने दावों का कोई भी सबूत नहीं है। जैन परिवार इस जमीन पर पिछले 200 वर्षों से अधिक समय से खेती करता आ रहा है। नवीन जैन ने हमें आगे बताया कि व्यापर के सिलसिले में वो काफी समय तक कुंडाकला छोड़ कर दिल्ली में रहे थे। इसी दौरान आरोपितों की नीयत उनकी जमीन पर खराब हो गई थी। नवीन जैन की गैरमौजूदगी में गयूर, कामिल आदि ने उनकी जमीन पर बाउंड्री खींचने की कोशिश की थी। जब नवीन को इसका पता चला तो उन्होंने प्रशासन से गुहार लगाई थी। प्रशासन ने नवीन की शिकायत सही पाई और जमीन पर किए गए अतिक्रमण को सख्ती से हटवा दिया।

प्रशासन द्वारा दी गई चेतावनी का आरोपितों पर कोई असर नहीं पड़ा। वो लगातार नवीन जैन की जमीन को कब्जाने की फिराक में लगे रहे। जब जैन परिवार अपनी ही जमीन पर खेती-बाड़ी करने जाता था, तब उनको गालियां और जान से मार डालने की धमकी देते हुए भगा दिया जाता था। नवीन का आरोप है कि कब्जेदार कुंडाकला में अपनी तादाद अधिक होने और शिकायत करने पर सिर तन से जुदा जैसी बातें किया करते थे। आए दिन की धमकियों से परेशान हो कर नवीन जैन ने फिर से सहारनपुर प्रशासन में अपनी शिकायत दर्ज कराई है।

मुख्यमंत्री से मिले मृतक रामगोपाल के परिजन

लखनऊ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)

बहराइच दंगे में मारे गए युवक रामगोपाल मिश्र के परिजनों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। रामगोपाल के पिता, माता, पत्नी और भाई मंगलवार को महसी विधायक सुरेश्वर सिंह के साथ मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पहुंचे। मुख्यमंत्री ने शोक जताया और परिजनों को आश्वासन दिया कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने मृतक रामगोपाल मिश्र के परिजनों को 10 लाख रुपए की तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आवास, शौचालय और आयुष्मान समेत सरकार की सभी योजनाओं से आच्छादित कराने के लिए भी निर्देशित किया है।

मिशन शक्ति का दिखा असर, बेटियां बनीं एक दिन की डीएम-एसपी

लखनऊ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बेटियों को आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और प्रोत्साहित करने के लिए लगातार कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इसी के तहत सीएम योगी के निर्देश पर शारदीय नवरात्र में मिशन शक्ति के तहत प्रदेश में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी कड़ी में शारदीय नवरात्र के अवसर पर प्रदेश के एक दर्जन से अधिक जिलों में बेटियों को प्रोत्साहित करने के लिए एक दिन का डीएम, सीडीओ, एसडीएम और एसपी बनाया गया। इस दौरान बेटियों ने शिकायतों को सुन त्वरित निस्तारण भी किया। सीएम योगी का आभार जताते हुए बेटियों ने कहा कि इस पहल से आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्होंने कड़ी मेहनत कर भविष्य में प्रशासनिक सेवा में अपनी भागीद-ारी सुनिश्चित करने की बात भी कही। लखीमपुर खीरी की डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि सीएम योगी की मंशा के अनुरूप मिशन शक्ति और बेटी बचाओ बेटी पढ़ओ के तहत स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार की आठवीं की छात्रा अग्रिमा धवन ने डीएम की कुर्सी संभाली। एक दिन की डीएम अग्रिमा ने जनसुनवाई के दौरान सब्जियों के दाम कंट्रोल करने के निर्देश दिए। इसके अलावा जिले की सभी सातों तहसील क्रमशः लखीमपुर में भाव्या सिंह, गोला में स्मृति सिंह, पलिया में निधि गुप्ता, धौरहरा में अनन्या रस्तोगी, निघासन में अनुष्का पटेल, मोहम्मदी में नन्दिनी गुप्ता, मितौली में खुशबू राठौर ने सांकेतिक रूप से एसडीएम की भूमिका अदा की। जौनपुर के डीएम दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि इंटर में जिले की टॉपर सजल गुप्ता ने डीएम की कुर्सी संभाली। उन्होंने 87 मामलों की सुनवाई कर 14 मामलों का निस्तारण किया। मीरजा-पुर की डीएम प्रियंका निरंजन ने बताया कि मेधावी छात्रा शिवांशी द्विवेदी को डीएम और लक्ष्मी रतन मौर्य को सीडीओ बनाया गया। बेटियों ने महिला संबंधी मामलों के निस्तारण में लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।

गाजीपुर डीएम आर्यका अखौरी ने बताया कि हाईस्कूल की मेधावी छात्रा प्रियंका कुशवाहा को एक दिन का डीएम बनाया गया। उन्होंने जनता दर्शन में समस्याएं सुनकर कार्रवाई के निर्देश दिए। शामली डीएम अरविंद चौहान ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत जिले की इंटर की टॉपर आकांक्षा को डीएम बनाया गया। उन्होंने संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायतों को सुनकर निस्तारण के निर्देश दिए। सीतापुर डीएम अभिषेक आनंद ने बताया कि बेटी अर्पिता सिंह को एक दिन का डीएम, प्रतीक्षा सिंह को एसपी, संध्या मिश्रा को सीडीओ बनाया गया। बेटियों ने जनसुनवाई कर समस्या का निस्तारण किया। महराजगंज के डीएम अनुनय झा ने बताया कि अष्टमी पर हाईस्कूल की जिले की टॉपर निधि यादव को एक दिन का डीएम बनाया गया। उन्होंने 8 शिकायतें सुनीं और एक का तुरंत निस्तारण किया। जिलाधिकारी न्यायालय का दौरा कर निधि ने मुआवजे से संबंधित मामलों को देखा। एनएच हाईवे के मुआवजे को तेजी से वितरित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा बृजमनगंज ब्लॉक का भी निरीक्षण किया। महराजगंज एसपी सोमेंद्र मीना ने बताया कि गोल्डी को एक दिन का एसपी बनाया गया। एसपी गोल्डी ने 5 शिकायतें सुनकर दो का तुरंत निस्तारण किया। उन्होंने अधिकारियों को महिला संबंधी मामलों में लापरवाही न करने के निर्देश दिए। इसके अलावा वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया। श्रावस्ती डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि कक्षा-12 की रश्मि कसौधन को एक दिन का डीएम, प्राची तिवारी को एडीएम और रीना को एसडीएम बनाया गया। डीएम रश्मि ने डाक फाइलों पर हस्ताक्षर किये और जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याओं को सुना। एसपी घनश्याम चौरसिया ने बताया कि कक्षा-11 की मेधावी छात्रा सरिता कुमारी को एक दिन का एसपी बनाया गया।

इसी विद्यालय की लक्ष्मी को एएसपी बनाया गया। एसपी सरिता ने भवानीनगर थाना को एक मामले में इंस्पेक्टर को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस पर एफआईआर दर्ज की गयी। ललितपुर डीएम अक्षय त्रिपाठी ने बताया कि कक्षा-9 की बेटी शिवानी राजपूत को डीएम बनाया गया। तहसील की बेटियों को एसडीएम बनाकर जनसमस्याओं का निस्तारण कराया गया। बेटियों ने 114 जनसमस्याएं सुनीं और 27 का मौके पर निस्तारण किया। झांसी डीएम अविनाश कुमार ने बताया कि छात्रा अदिति साहू को डीएम बनाया गया। वहीं रामपुर डीएम जोगिंदर सिंह ने बताया कि कक्षा 10 की मेधावी कामिनी गंगवार को एक दिन का डीएम बनाया गया। उन्होंने जनसुनवाई की। ब्लॉक का निरीक्षण कर विकास कार्यों की प्रगति जानी और अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

आईएसएल की तर्ज पर मार्च 2025 में शुरू होगी उत्तर प्रदेश सुपर लीग

ग्रेटर नोएडा, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में पहली बार इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) जैसी शानदार और रोमांचक फुटबॉल लीग शुरू होने जा रही है। उत्तर प्रदेश सुपर लीग (यूपीएसएल) मार्च-अप्रैल 2025 में खेली जाएगी और इसमें पूरे राज्य के फुटबॉल प्रेमी, युवा प्रतिभाएं और पेशेवर खिलाड़ी एक रोमांचक नए प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक साथ आएंगे। फुटबॉल लीग ग्रेटर नोएडा स्टेडियम और लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में खेली जाएगी। उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ के तत्वावधान में आयोजित और 100 स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रबंधित इस लीग का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में खेल विकास के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दृष्टिकोण के अनुरूप फुटबॉल को बढ़ावा देना है। उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए नीलामी आयोजित की जाएगी, जिसमें आठ फ्रेंचाइजी को सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल प्रतिभाओं पर बोली लगाने और उन्हें भर्ती करने का अवसर मिलेगा। उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ के सचिव मोहम्मद शाहिद ने कहा, आईएसएल की तर्ज पर उत्तर प्रदेश सुपर लीग का खाका तैयार किया गया है और इसे आने वाले महीनों में लागू किया जाएगा। पहले सीजन में आठ फ्रेंचाइजी टीमें शामिल होंगी। साथ ही, इस आयोजन को बड़ा स्वरूप देने के लिए वाणिज्यिक अधिकारों से लेकर इवेंट मैनेजमेंट तक की सभी तैयारियों का जिम्मा 100 स्पोर्ट्स को सौंपा गया है। 100 स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक रविंद्र भाटी ने कहा, हम यूपीएसएल को लॉन्च करने में उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ के साथ साझेदारी करके उत्साहित हैं। हमारा उद्देश्य उत्तर प्रदेश में फुटबॉल की उपस्थिति को बढ़ाना और एक ऐसा मंच तैयार करना है जहाँ युवा खिलाड़ी चमक सकें। यह लीग न केवल मनोरंजन करेगी बल्कि अगली पीढ़ी के फुटबॉलरों को प्रेरित भी करेगी। लीग के विपणन अधिकार विशेष रूप से 100 स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के पास हैं। भारत और उत्तर प्रदेश में फुटबॉल की बढ़ती लोकप्रियता के साथ, यूपीएसएल फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए एक कदम साबित होने का वादा करता है, जो उच्च-दांव वाले मैचों, कौशल विकास और सामुदायिक भागीदारी के रोमांच के साथ एक संरचित लीग की पेशकश करता है।

न्यूज ब्रीफ

अर्जेंटीना को बोलीविया के खिलाफ मैक एलिस्टर की वापसी की उम्मीद

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के मैनेजर लियोनेल स्कोलोनी मंगलवार को बोलिविया के खिलाफ़ अपने घरेलू विश्व कप क्वालीफ़ायर के लिए एलेक्सिस मैक एलिस्टर की वापसी का अंतिम क्षण तक प्रतीक्षा करेंगे। मैक एलिस्टर गुरुवार को वेनेजुएला के साथ एल्बिसेलेस्टे के 1-1 से ड्रॉ मैच में चोट के कारण नहीं खेल पाए थे, लेकिन उन्होंने प्रशिक्षण फिर से शुरू कर दिया है और ब्यूनस आयर्स के एस्टाडियो मोनुमेंटल में होने वाले मैच में खेल सकते हैं।

लिवरपूल के मिडफील्डर की फिटनेस के बारे में पूछे जाने पर स्कोलोनी ने कहा, एलेक्सिस ने सामान्य रूप से प्रशिक्षण लिया और हम आज बाद में निर्णय लेंगे कि वह खेलने के लिए तैयार है या नहीं। स्कोलोनी ने मैच की शुरुआत में इंटर मिलान के लुटारो मार्टिनेज और एटलेटिको मैड्रिड के जूलियन अल्वारेज़ के साथ आक्रमण करने की संभावना भी जताई। उन्होंने कहा, हमें अभी भी शुरुआती टीम को परिभाषित करने की आवश्यकता है, लेकिन हमारे पास उन दोनों के साथ खेलने की संभावना है। अर्जेंटीना वर्तमान में नौ मैचों में 19 अंकों के साथ 10-टीम दक्षिण अमेरिकी क्षेत्र की स्टैंडिंग में सबसे आगे है, जो छठे स्थान पर मौजूद बोलीविया से सात अंक आगे है। स्कोलोनी ने अपने खिलाड़ियों से बोलीविया को हल्के में न लेने का आग्रह किया क्योंकि उनका लक्ष्य 1994 के बाद पहली बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का है। स्कोलोनी ने कहा, हम बोलीविया का बहुत सम्मान करते हैं। वे अच्छा खेल रहे हैं और हम किसी भी परिस्थिति में आत्मसंतुष्ट नहीं हो सकते। उनके पास पाँच अच्छे मिडफील्डर हैं। हम जानते हैं कि हमें सतर्क रहना होगा और अपना सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खेलने के लिए तैयार रहना होगा।

बीपीएल के आगामी संस्करण के लिए चटगांव किंग्स में शामिल हुए शाकिब अल हसन

ढाका। शाकिब अल हसन बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के आगामी संस्करण के लिए चटगांव किंग्स में शामिल हो गए हैं। पिछले साल, शाकिब ने रंगपुर राइडर्स के साथ दो साल का करार किया था, लेकिन बाद में दोनों पक्ष आपसी समझ से अलग हो गए। फॉर्च्यून बरिशाल ने रिशाद हुसैन को चुना, लेकिन ऐसा तब हुआ जब 40 अन्य क्रिकेटरों को फ्रेंचाइजी द्वारा पहले ही चुना जा चुका था। शायद, फ्रेंचाइजी रिशाद को चुनने में झिझक रही थीं क्योंकि होबार्ट हरिकेन द्वारा इस सीज़न के बिग बैश लीग के लिए चुने जाने के बाद उनकी उपलब्धता थोड़ी अस्पष्ट है। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो ने भी देर से अनुबंध किया था, बरिशाल ने उन्हें फिर से शामिल किया। मशरफे मुर्तजा को ग्रुप बी में रखे जाने से कुछ लोगों की भौंहें तन गईं क्योंकि उन्होंने पिछले संस्करण में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। हालाँकि, उन्हें सिलहट स्ट्राइकर्स द्वारा चुना गया था, जिसके लिए वह बीपीएल के पिछले दो संस्करणों में दिखाई दिए थे। खिलाड़ियों के ड्राफ्ट को लेकर काफी अनिश्चितता थी जो अंततः सोमवार (14 अक्टूबर) को ढाका में हुआ। बीसीबी अध्यक्ष फारूक अहमद इस बात से प्रसन्न थे कि मसौदा तैयार हो गया। फारूक ने कहा,हम सभी बहुत अनिश्चितता में थे। मुझे यह भी पता नहीं था कि कितनी टीमें भाग लेंगी। इसमें बहुत मेहनत लगी। मेरी बीपीएल टीम ने भी इस पर काम किया। अब, हमने ड्राफ्ट रखा है। मुख्य टूर्नामेंट में आधे महीने बचे हैं, मुझे विश्वास है कि टीमें अपनी टीमों को और मजबूत करने में सक्षम होंगी। उन्होंने कहा, ज्यादातर टीमों के पास अभी भी भरने के लिए कुछ स्थान हैं। अब तक, हमने योजना के अनुसार ड्राफ्ट आयोजित किया है, हालांकि इसमें एक बार देरी हुई। इसे देखते हुए, मैं यह नहीं कहूंगा कि यह बहुत बुरा रहा है। सात टीमें हैं। हम कई नई चीजें आजमा रहे हैं। यह 100 प्रतिशत सही नहीं होगा लेकिन यह पहले से बेहतर होगा। फारूक ने यह भी कहा कि ध्यान बीपीएल के लिए अच्छी बल्लेबाजी पिचें उपलब्ध कराने पर होगा। उन्होंने कहा, इस बार, हमारा पूरा प्रयास अच्छे बल्लेबाजी विकेट सुनिश्चित करने का होगा जहां गेंदबाज अच्छी गेंदबाजी करेंगे तो उनका सम्मान किया जाएगा। मेरा मानना है कि पिछले टूर्नामेंट में भी विकेट बहुत खराब नहीं थे। दिन के मैचों में रन कम थे। इस बार, हम टी20 क्रिकेट को और अधिक मनोरंजक बनाने की कोशिश करेंगे। बीपीएल टीमें 27 दिसंबर को निर्धारित टूर्नामेंट शुरू होने की तारीख तक खिलाड़ियों को सीधे साइन करना जारी रख सकती हैं। ढाका कैपिटल्स, चटगांव किंग्स और दरबार राजशाही इस सीजन में नई फ्रेंचाइजी हैं, जबकि फॉर्च्यून बरिशाल, खुलना टाइगर्स, सिलहट स्ट्राइकर्स और रंगपुर राइडर्स पिछले चक्र से फ्रेंचाइजी हैं।

चौथी हॉकी इंडिया महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप की हुई आधिकारिक शुरुआत, 12 टीमें ले रहीं हिस्सा

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

चौथी हॉकी इंडिया सीनियर महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप का मंगलवार को यहां प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में आधिकारिक उद्घाटन किया गया। यह चैंपियनशिप 21 अक्टूबर, 2024 तक खेली जाएगी, जिसका आयोजन इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। चैंपियनशिप का उद्घाटन पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव पंकज जैन, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सतीश कुमार और हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने किया।

देश भर की शीर्ष 12 महिला हॉकी टीमें इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। सभी टीमों को चार पूल में विभाजित किया गया है। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी, जिसके बाद 20 अक्टूबर को सेमीफाइनल होगा। फाइनल 21 अक्टूबर को होगा। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों का सीधा प्रसारण डीडी स्पोर्ट्स पर किया जाएगा।

मुख्य अतिथि पंकज जैन ने ऐतिहासिक नेशनल स्टेडियम में आयोजित होने वाले कार्यक्रम पर प्रसन्नता व्यक्त की और इसे इस तरह के प्रतिष्ठित आयोजन के लिए एकदम सही मंच बताया। उन्होंने खिलाड़ियों की भागीदारी में 50त्न की वृद्धि की सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि एथलीट भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

उन्होंने कहा, यह जीतने या हारने के बारे में नहीं है, बल्कि खेलने और अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के बारे में है।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने महिला हॉकी टीम के समर्थन में इंडियनऑयल की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया।

तिर्की ने कहा, 52 वर्षों के बाद, भारतीय हॉकी ने लगातार जीत के साथ इतिहास रच दिया है। हॉकी इंडिया लीग की शुरुआत के साथ, महिला हॉकी का भविष्य पहले से कहीं अधिक उज्ज्वल दिखाई दे रहा है।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष और एमडी सतीश कुमार ने कहा, इन एथलीटों को आकार देने में आपके अथक प्रयासों के लिए कोच और कर्मचारियों को विशेष धन्यवाद। इंडियन ऑयल को इस चैंपियनशिप की मेजबानी करने पर गर्व है, जो एथलीटों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। आपका प्रदर्शन लड़कियों की अगली पीढ़ी को प्रेरित करेगा।

राष्ट्रीय कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, हमारा मुख्य लक्ष्य एलए 2028 ओलंपिक में पोडियम तक पहुंचना है। इसे हासिल करने के लिए, हमें लगन से काम करना होगा, और इस तरह के टूर्नामेंट महिला खिलाड़ियों को अपनी कहानी दिखाने के लिए एक शानदार मंच प्रदान करते हैं।

उद्घाटन समारोह में हरबिंदर सिंह (1964 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता), अजीत पाल सिंह (1975 विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता) और जफर इकबाल (1980 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता) सहित कई भारतीय हॉकी दिग्गजों ने भाग लिया। इनके अलावा दीपा मलिक और सीनियर महिला हॉकी टीम के राष्ट्रीय कोच हरेंद्र सिंह जैसे अन्य सम्मानित गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शमी का खेलना संभव नहीं : रोहित शर्मा

बेंगलूरू, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मोहम्मद शमी को आस्ट्रेलिया के आगामी टेस्ट दौरे से लगभग बाहर कर दिया है और कहा कि टखने की सर्जरी से उबरने में इस तेज गेंदबाज के घुटने में सूजन के कारण बाधा आ रही है और इस बड़े मुकाबले के लिए उन्हें उतारना सही नहीं होगा। शमी ने आखिरी बार भारत के लिए पिछले साल वनडे विश्व कप फाइनल में खेला था और उसके बाद से टखने की सर्जरी से उबर रहे हैं।

रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर यहां संवाददाताओं से कहा, ईमानदारी से कहूं तो अभी हमारे लिए यह तय करना मुश्किल है कि वह इस सीरीज या ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए फिट होंगे या नहीं। हाल ही में उनके घुटने में सूजन आ गई थी, जो काफी असामान्य था।

उन्होंने कहा, वह फिट होने की प्रक्रिया में थे, 100 प्रतिशत के करीब पहुंच रहे थे, उनके घुटने में सूजन आ गई थी, जिससे उनकी रिकवरी में थोड़ी देरी हुई। इसलिए उन्हें फिर से शुरुआत करनी पड़ी। अभी वह एनसीए में हैं, वह एनसीए में फिजियो और डॉक्टरों के साथ काम कर रहे हैं। रोहित ने कहा कि टीम प्रबंधन चाहता है कि शमी शीर्ष स्तर के क्रिकेट में वापसी से पहले पूरी तरह से फिट हो जाएं। उन्होंने कहा, हम उम्मीद कर रहे हैं कि वह 100 प्रतिशत फिट हो जाएं। हम कमज़ोर शमी को ऑस्ट्रेलिया नहीं ले जाना चाहते, यह हमारे लिए सही फैसला नहीं होगा। उन्होंने कहा, एक तेज गेंदबाज के लिए यह काफी मुश्किल है, क्योंकि वह बहुत ज़्यादा क्रिकेट से चूक गया है और फिर अचानक से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना, यह आदर्श नहीं है। रोहित ने कहा कि राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के कर्मचारी शमी की फिटनेस का आकलन करना जारी रखेंगे और इस प्रक्रिया में वह कुछ आंतरिक मैच खेल सकते हैं। उन्होंने कहा, हम उसे ठीक होने और 100 प्रतिशत फिट होने के लिए पर्याप्त समय देना चाहते हैं। फिजियो, ट्रेनर और डॉक्टरों ने उसके लिए एक रोडमैप तैयार किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने से पहले उसे कुछ (अभ्यास) मैच खेलने हैं। शमी ने भारत के लिए 64 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 27.71 की शानदार औसत से 229 विकेट लिए हैं।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम सुल्तान जोहोर कप के लिए मलेशिया रवाना

बेंगलूरू, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम सोमवार देर रात 12वें सुल्तान जोहोर कप में भाग लेने के लिए मलेशिया रवाना हो गई। 19 अक्टूबर से शुरू होकर 26 अक्टूबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में भारत का सामना मेजबान मलेशिया, जापान, ग्रेट ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से होगा।

नव नियुक्त हेड कोच, पीआर श्रीजेश मलेशिया में टीम की कमान संभालेंगे, जबकि आमिर अली कप्तान होंगे और रोहित उनके डिप्टी होंगे।

भारत अपने अभियान की शुरुआत 19 अक्टूबर को जापान के खिलाफ करेगा, उसके बाद 20 अक्टूबर को ग्रेट ब्रिटेन से भिड़ेगा। एक दिन के आराम के बाद, भारत 22 अक्टूबर को मेजबान मलेशिया से भिड़ेगा, उसके बाद 23 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला होगा। 25 अक्टूबर को आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में, भारत न्यूजीलैंड से भिड़ेगा और 26 अक्टूबर को होने वाले फाइनल में आगे बढ़ने के लिए पूल में शीर्ष दो टीमों में रहने की उम्मीद करेगा।

कप्तान आमिर अली ने टूर्नामेंट को लेकर कहा, टीम नए हेड कोच पीआर श्रीजेश के तहत अच्छी तरह से प्रशिक्षण ले रही है और हम उनके साथ अपना पहला टूर्नामेंट खेलने के लिए उत्साहित हैं। पिछली बार हम जर्मनी से हारने के

बाद अपना खिताब बचाने में असफल रहे थे, लेकिन इस बार हम बेहतर तरीके से तैयार हैं और प्रतियोगिता में किसी भी टीम का सामना करने के लिए तैयार हैं।

उप कप्तान रोहित ने कहा, सुल्तान जोहोर कप से पहले सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में रहने के लिए हम पिछले कुछ दिनों से कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं। इस बार हमारी टीम में कुछ नए चेहरे हैं और वे मैदान पर अपनी क्षमता दिखाने के लिए उत्सुक हैं। नवंबर में हमें पुरुषों का जूनियर एशिया कप मस्कट 2024 भी खेलना है और सभी खिलाड़ी हमारे लिए व्यस्त अवधि से पहले अपने स्तर को बढ़ाने के लिए एक-दूसरे पर दबाव बना रहे हैं।

प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 में पटना पाइरेट्स की कमान संभालेंगे शुभम शिंदे

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 के लिए पटना पाइरेट्स ने डिफेंडर शुभम शिंदे को कप्तान और अंकित को उप-कप्तान बनाया है। पीकेएल का 11वां संस्करण 18 अक्टूबर से शुरू होगा।

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के कोलकेवारी गांव के रहने वाले 26 वर्षीय शुभम शिंदे अपने सकारात्मक स्वभाव और अनुशासन के कारण कबड्डी खिलाड़ियों और प्रशंसकों के बीच लोकप्रिय हैं। उनकी अनूठी डिफेंडिंग शैली ने हमेशा टीम को मजबूती दी है। शुभम ने प्रो-कबड्डी में 100 से अधिक प्रतिस्पर्धी मैच खेले हैं और उनके पास अपनी साख का समर्थन करने के लिए एक प्रभावशाली रिकॉर्ड है।

25 वर्षीय अंकित ने प्रो कबड्डी में 23 से अधिक मैच खेले हैं और वे उप-कप्तान के रूप में टीम का समर्थन करेंगे। मैचों के दौरान अंकित की गति और चपलता टीम के लिए एक परिसंपत्ति होगी।

पीकेएल की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि शुभम के कप्तान और अंकित के उप-कप्तान के साथ, पटना पाइरेट्स सीजन 11 पीकेएल खिताब जीतने के लिए उत्साहित हैं।

कप्तान और उप-कप्तान के नाम की घोषणा

करते हुए, पटना पाइरेट्स के सीईओ पवन राणा ने कहा, एक टीम के रूप में हमने हमेशा अपने प्रशंसकों और समर्थकों के लिए गुणवत्तापूर्ण कबड्डी को बढ़ावा दिया है। एक इकाई के रूप में, शुभम शिंदे की कप्तानी और उप-कप्तान के रूप में अंकित के समर्थन में, हम अपना चौथा चैम्पियनशिप खिताब जीतने का इरादा रखते हैं। उन्हें शुभकामनाएं।

पटना पाइरेट्स शुभम शिंदे की अगुआई वाली एक मजबूत टीम के साथ कबड्डी प्रशंसकों को रोमांचित करने के लिए तैयार है। टीम में अन्य खिलाड़ी अंकित, संदीप कुमार, अयान, दीपक, साहिल पाटिल, नवदीप, अभिनंद सुभाष, कुणाल मेहता, सुधाकर एम, मनीष, गुरदीप, त्यागराजन युवराज, बाबू मुरुगासन, दीपक राजेंद्र सिंह, मीतू, देवांक, प्रशांत कुमार राठी, सागर, अमन, प्रविंदर, जंग कुन ली, हामिद मिर्जाई नादर हैं।

प्रो कबड्डी में पटना पाइरेट्स का प्रदर्शन शानदार रहा है। टीम को पहली बार 2016 में चैंपियन का ताज पहनाया गया था और इसके बाद पटना ने लगातार 3 चैंपियन खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। पटना यह रिकॉर्ड बनाने वाली लीग की एकमात्र टीम है। 11वां सीजन 18 अक्टूबर से शुरू होगा, जिसमें टीम अपना पहला मैच 21 अक्टूबर को पुनेरी पल्टन के खिलाफ खेलेगी। पुनेरी पल्टन गत चैंपियन है, जिसने पिछले साल फाइनल में हरियाणा स्टीलर्स को हराकर अपना पहला खिताब जीता था।

हॉकी इंडिया लीग 2024-25 : पुरुष वर्ग में खिलाड़ियों की नीलामी पूरी

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हॉकी इंडिया लीग की सात साल बाद वापसी दो दिवसीय पुरुष नीलामी के साथ हुई जो सोमवार को नई दिल्ली में समाप्त हुई। नीलामी के दौरान भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह सबसे महंगे बिके, उन्हें सूरमा हॉकी क्लब ने 78 लाख रुपये की बोली लगाकर खरीदा, जबकि सबसे महंगी विदेशी खिलाड़ी अर्जेंटीना से जर्मन राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी गोंजालो पेइलट की रही, जिन्हें हैदराबाद तूफान ने 68 लाख रुपये में खरीदा। हॉकी इंडिया लीग 2024-25 सीजन से पहले फ्रेंचाइजी की पूरी टीम पर एक नजर:

दिल्ली एसजी पाइपर्स- डिफेंडर: जरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, रोहित, पॉ क्लैप्स (स्पेन), जोगिंदर सिंह।, मिडफील्डर: शमशेर सिंह, राज कुमार पाल, विलोट केवाई (ऑस्ट्रेलिया), अंकित पाल, क्रिस्टोफर रूहर (जर्मनी), फ्लिन ओगिल्वी (ऑस्ट्रेलिया), जोरिट क्रून (नीदरलैंड), मंजीत, थोकचोम किंग्सन सिंह। , फॉरवर्ड: टॉमस डोमेन (अर्जेंटीना), निकोलस डी केर्पेल (बेल्जियम), दिलराज सिंह, आदित्य लालगे, सौरभ आनंद कुशवाह, सुमित कुमार, इक्तिदार इशरत।, गोलकीपर: टॉमस सैंटियागो (अर्जेंटीना), पवन, आदर्श जी.।

हैदराबाद तूफान- डिफेंडर: गोंजालो पेइलट (जर्मनी), मैथ्यू डॉसन (ऑस्ट्रेलिया), आर्थर डी स्लोवर (बेल्जियम), देविंदर सुनील वाल्मीकि, अमनदीप लाकड़ा, सुंदरम राजावत, मुकुल शर्मा, अक्षय रवींद्र अवहद।, मिडफील्डर: नीलकंठ शर्मा, सुमित, ज़ाचरी वालेस (ग्रेट ब्रिटेन), रहीम आकिब सैय्यद, राजिंदर, दर्शन विभव गावकर, मैको कैसेला (अर्जेंटीना)।, फॉरवर्ड: शिलानंद लाकड़ा, टिमोथी डैनियल (ऑस्ट्रेलिया), टेरेंस पीटर (नीदरलैंड), अर्शदीप सिंह, तलविंदर सिंह, इरेंगबाम रोहित।, गोलकीपर: जीन-पॉल डैनबर्ग वाई (जर्मन), बिक्रमजीत सिंह, विकास दहिया।

कलिंगा लैकर्स- डिफेंडर: संजय, मनदीप

मोर, अलेक्जेंडर हेंड्रिकक्स (बेल्जियम), आर्थर वान डोरेन (बेल्जियम), एंटोनी किना (बेल्जियम), प्रताप लाकड़ा, सुशील धनवार, रोहित कुल्लू।, मिडफील्डर: अरन ज़ालेव्स्की (ऑस्ट्रेलिया), मोरियांगथेम रबीचंद्र, एनरिक गोंजालेज (स्पेन), मुकेश टोप्पो, रोसन कुजूर, निकोलस बंडुरक (ग्रेट ब्रिटेन)।, फॉरवर्ड: बॉबी सिंह धामी, दिलप्रीत सिंह, थियरी ब्रिंकमैन (नीदरलैंड), अंगद बीर सिंह, रोशन मिंज, गुरसाहिबजीत सिंह, दीपक प्रधान।, गोलकीपर: कृष्ण पाठक, टोबियास रेनॉल्ड्स-कोटरिल (ग्रेट ब्रिटेन), साहिल कुमार नायक श्राची रारह।

बंगाल टाइगर्स- डिफेंडर: जुगराज सिंह, हेडन बेल्ट्ज़ (ऑस्ट्रेलिया), गौथियर बोकार्ड (बेल्जियम), रूपिंदर पाल सिंह, टॉम ग्रैम्बुश (जर्मनी), जसजीत सिंह कुलार।, मिडफील्डर: लाचलान शार्प (ऑस्ट्रेलिया), जसकरन सिंह, सीन फाइंडले (न्यूजीलैंड), प्रदीप मोर, प्रधान पूवन्ना चंदुरा, अफ्फान यूसुफ, अतुल दीप, योगेश मलिक सिंह, प्रदीप सिंह संधू, थौनाओजम इंगलेम्बा लुवांग।, फॉरवर्ड: अभिषेक, सुखजीत सिंह, फ्लोरेंट वान औबेल (बेल्जियम), सैम लेन (न्यूजीलैंड), गुरसेवक सिंह। , गोलकीपर: पिरमिन ब्लैक (नीदरलैंड), अली खान, अटल देव सिंह चहल।

सूरमा हॉकी क्लब- डिफेंडर: हरमनप्रीत सिंह, जेरेमी हेवर्ड (ऑस्ट्रेलिया), गुरिंदर सिंह, निकोलस डेला टोरे (अर्जेंटीना), सुखविंदर, आशु मौर्य, प्रदीप मंडल।, मिडफील्डर: विवेक सागर प्रसाद, विक्टर वेगनेज़ (बेल्जियम), जोनास डी ग्यूस (नीदरलैंड), हरजीत सिंह, निकोलस पोंसलेट (बेल्जियम), प्रभजोत सिंह, अंकुश, सुनीत लाकड़ा।, फॉरवर्ड: गुरजंत सिंह, दयान कैसीम (दक्षिण अफ्रीका), बोरिस बर्कहार्ट (नीदरलैंड), मनिंदर सिंह, पवन राजभर, हरीश सोमप्पा मुटागर।, गोलकीपर: विंसेंट वानास्च (बेल्जियम), मोहित एचएस, जशनदीप सिंह।

तमिलनाडु ड्रैगन्स- डिफेंडर: अमित रोहिदास, जिप जानसेन (नीदरलैंड), कोथाजीत सिंह, मोरित्ज़ लुडविग (जर्मनी), आनंद वाई, आनंद लाकड़ा, पृथ्वी जीएम।, मिडफील्डर: थिएस प्रिंज़ (जर्मनी), टॉम क्रेग (ऑस्ट्रेलिया), मोहम्मद. रायल मौसीन, ब्लेक ग्लोवर्स (ऑस्ट्रेलिया), चंदन यादव, शेषा गौड़ा, एम. ढिलिपन, अरुण जे।, फॉरवर्ड: सेल्वम कार्थी, नाथन एफ्राम्स (ऑस्ट्रेलिया), मज्जी गणेश, उत्तम सिंह, आभारन सुदेव।, गोलकीपर: डेविड हर्ट (आयरलैंड), डुको तेलगेनकैंप (नीदरलैंड), प्रिंस दीप सिंह, एस. सेंथमिज़ अरासु।

संपादकीय

बाबा की हत्या के सवाल

महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री, तीन बार के विधायक, वरिष्ठ राजनेता और मुंबई की जिंदगी के एक अति विशिष्ट चेहरा बाबा सिद्दीकी की सरेआम हत्या कर दी गई। यह खौफनाक और चिंताजनक वारदात 'दशहरा पर्व' की शाम में ही की गई। त्योहार की आतिशबाजियां चलाई जा रही थीं। उन्हीं के शोर में हत्यारों की गोलीबारी की आवाज गुम होकर रह गई। बाबा सिद्दीकी को 3-4 गोलियां छाती में मारी गईं और जिंदगी थम कर रह गई। अस्पताल ने भी पुष्टि की कि बाबा अब मृत हैं। मुंबई में यह अपराध एक लंबे अंतराल के बाद हुआ है। जब अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसका गिरोह पूरी तरह सक्रिय था, तब मुंबई सुलगा रहता था। विस्फोट होते रहते थे। कत्ल करना सामान्य बात थी, लेकिन दाऊद कमजोर होकर अस्त होने लगा और तत्कालीन अपराध की दुनिया के सरगना या तो दिवंगत हो चुके थे अथवा जेल में सजा काट रहे हैं, लिहाजा मुंबई अपेक्षाकृत शांत और स्थिर होने लगी थी। अब बाबा सिद्दीकी जैसे राजनेता और रसूखदार आदमी की सरेआम जिस तरह हत्या की गई है, वह महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के लिए एक डरा और कंपा देने वाली चेतावनी है। चुनाव नवंबर में कराए जा सकते हैं। चुनाव आयोग के कार्यक्रम की घोषणा की प्रतीक्षा है। आखिर बाबा की हत्या क्यों की गई? अब नए गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को 'नया डॉन' माना जा रहा है। उसे दाऊद का विकल्प करार दिया जा रहा है। वह दाऊद की 'प्रतिच्छाया' भी हो सकता है। उसके तार 'डी' कंपनी से कहीं जुड़े हों! लॉरेंस गैंग की ओर से सोशल मीडिया पर बाबा की हत्या की जिम्मेदारी ली गई है। उसके अलावा, गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा सरीखे गैंगस्टर पर भी 'शक की सुई' टिकी है। वे फिलहाल अमरीका और कनाडा में सक्रिय बताए जाते हैं। लॉरेंस गुजरात की 'साबरमती जेल' में कैद है। सवाल है कि क्या जेल से ही किसी के कत्ल की सुपारी दी जा सकती है? क्या गैंगस्टर जेल से ही अपने हत्यारे नेटवर्क को चलाने में सक्षम और कामयाब हैं? धन कहां से आता है? हत्यारों को हथियार कैसे सप्लाई किए जाते हैं और हथियारों की खरीद कैसे और कहां से संभव है? लॉरेंस गैंग में करीब 700 शूटर बताए जाते हैं। उनकी भर्ती कैसे हुई और उन्हें पैसा किस तरह मुहैया कराया जाता है? इसी गिरोह ने पंजाब के होनहार गायक मूसेवाला की हत्या की, अन्य गायक ढिल्लों पर कनाडा में हमला किया और बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान के घर पर गोलीबारी की। सलमान की जान के अब भी पीछे हैं ये हत्यारे। यदि वाकई ऐसी वारदातें हो रही हैं, तो देश में कानून-व्यवस्था के मायने क्या हैं? चूंकि यह चुनाव का मौसम है, लिहाजा महाराष्ट्र में राजनीतिक रंजिश के सवाल भी उठ रहे होंगे! बॉलीवुड में शाहरुख, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी आदि असंख्य चेहरे होंगे, जो बाबा के करीबी होंगे। उनके साथ मित्रता होगी या साथ काम किया होगा। बॉलीवुड ऐसी सामाजिक दुनिया है, जिसमें असंख्य रिश्ते पलते हैं। गैंगस्टर किस-किस पर सवाल चस्पा कर उसकी हत्या करेंगे? बाबा की हत्या के पीछे बिल्डर लॉबी भी हो सकती है। पुलिस का संदेह उस पर भी गहरा है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की दिलचस्पी 'धारावी पुनः विकास परियोजना' में रही है। उनका मानना है कि यह योजना उनकी दोबारा ताजपोशी कर सकती है। बहरहाल पुलिस की जांच से यह जरूर साफ होना चाहिए कि हत्याकांड के पीछे असली सरगना कौन है।

त्योहार की आतिशबाजियां चलाई जा रही थीं। उन्हीं के शोर में हत्यारों की गोलीबारी की आवाज गुम होकर रह गई। बाबा सिद्दीकी को 3-4 गोलियां छाती में मारी गईं और जिंदगी थम कर रह गई। अस्पताल ने भी पुष्टि की कि बाबा अब मृत हैं। मुंबई में यह अपराध एक लंबे अंतराल के बाद हुआ है। जब अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसका गिरोह पूरी तरह सक्रिय था, तब मुंबई सुलगा रहता था। विस्फोट होते रहते थे। कत्ल करना सामान्य बात थी, लेकिन दाऊद कमजोर होकर अस्त होने लगा और तत्कालीन अपराध की दुनिया के सरगना या तो दिवंगत हो चुके थे अथवा जेल में सजा काट रहे हैं, लिहाजा मुंबई अपेक्षाकृत शांत और स्थिर होने लगी थी। अब बाबा सिद्दीकी जैसे राजनेता और रसूखदार आदमी की सरेआम जिस तरह हत्या की गई है, वह महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के लिए एक डरा और कंपा देने वाली चेतावनी है। चुनाव नवंबर में कराए जा सकते हैं। चुनाव आयोग के कार्यक्रम की घोषणा की प्रतीक्षा है। आखिर बाबा की हत्या क्यों की गई? अब नए गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को 'नया डॉन' माना जा रहा है।

अपने दृढ़ निश्चय के साथ वे स्टील, ऑटोमोबाइल और विमानन सहित टाटा समूह के व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर ले गए

मानवता-बिजनेस के संगम थे रतन टाटा

डा. अश्वनी महाजन

आजादी से पहले टाटा समूह के संस्थापक श्री जमशेद जी टाटा ने देश में सबसे बड़े स्टील उद्योग की नींव रखी, जिसे आज हम टाटा स्टील के नाम से जानते हैं। जमशेद जी ने भारत के आम लोगों से एक-एक रुपया इक्विटी पूंजी के रूप में इक_ा करके इस बड़ी स्टील कंपनी का निर्माण करके यह दिखा दिया कि देशभक्त भारतीयों द्वारा ही राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। श्री रतन टाटा का जीवन न केवल हमारे देश के, बल्कि पूरे विश्व के उभरते उद्यमियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है।

भारत और दुनिया के सबसे महान उद्योग नेताओं में से एक पद्म विभूषण श्री रतन नवल टाटा का दुःखद निधन, केवल उद्योग जगत के लिए ही नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के लिए बड़ी क्षति है। आजादी से पहले टाटा समूह के संस्थापक श्री जमशेद जी टाटा ने देश में सबसे बड़े स्टील उद्योग की नींव रखी, जिसे आज हम टाटा स्टील के नाम से जानते हैं। जमशेद जी ने भारत के आम लोगों से एक-एक रुपया इक्विटी पूंजी के रूप में इक_ा करके इस बड़ी स्टील कंपनी का निर्माण करके यह दिखा दिया कि देशभक्त भारतीयों द्वारा ही राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। श्री रतन टाटा का जीवन न केवल हमारे देश के, बल्कि पूरे विश्व के उभरते उद्यमियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। लाभ कभी भी टाटा समूह का एकमात्र उद्देश्य नहीं रहा है और श्री रतन टाटा के दूरदर्शी नेतृत्व में श्रमिकों, गरीबों और दलितों की देखभाल हमेशा उनका मार्गदर्शक सिद्धांत रहा है। अपने दृढ़ निश्चय के साथ वे स्टील, ऑटोमोबाइल और विमानन सहित टाटा समूह के व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर ले गए। उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने हमेशा भारत को गौरवान्वित किया। टाटा समूह को अन्य व्यावसायिक घरानों से जो बात अलग बनाती है, वह यह है कि श्री रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह हमेशा से ही मजदूरों, लोगों और खासकर गरीबों के पक्ष में रहा है। उन्होंने एक बार कहा था कि जब उन्होंने भारी बारिश में बस का इंतजार कर रहे एक गरीब परिवार को देखा, तो उनके दिमाग में एक ऐसी छोटी कार बनाने का विचार आया जो आम आदमी के लिए सस्ती हो और उन्होंने दुनिया की सबसे सस्ती और किफायती कार बनाने का कार्य पूरा किया।

जहां उनकी व्यावसायिक सोच में आम आदमी और श्रमिक के प्रति संवेदनशीलता दिखाई देती है, उनके व्यवहार में सदैव देश के प्रति अथाह प्रेम भी झलकता है। उनके बारे में एक किस्सा प्रसिद्ध है कि जब पाकिस्तान द्वारा भेजे गए आतंकवादियों द्वारा मुम्बई के ताज होटल पर आक्रमण किया गया, तो अगले कुछ दिनों में पाकिस्तान के उद्योगपति उनसे मिलने के लिए भारत आए, लेकिन श्री रतन टाटा ने उनसे मिलने के लिए मना कर दिया। ऐसी स्थिति में जब भारत सरकार के एक तत्कालीन मंत्री ने उनसे उस मुलाकात को करने के लिए आग्रह किया, तो

उन्होंने स्पष्ट रूप से यह कह दिया कि आप लज्जाहीन हो सकते हैं, लेकिन मैं नहीं। जब-जब देश पर आपत्ति आई, श्री रतन टाटा ने दिल खोलकर योगदान दिया। हाल ही में कोरोना काल के दौरान रतन टाटा ने न केवल 500 करोड़ रुपए का योगदान दिया, बल्कि इसके अलावा टाटा समूह ने कुल 1500 करोड़ रुपए का कुल योगदान कोविड संकट के दौरान दिया। यह राशि देश के किसी भी व्यावसायिक समूह से अधिक थी। लोगों को साथ लेकर चलने के सिद्धांत के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उनके एक वाक्य से स्पष्ट होती है, जिसमें उन्होंने कहा कि 'अगर आप तेज चलना चाहते हैं, तो अकेले चलें। लेकिन अगर आप दूर चलना चाहते हैं, तो साथ-साथ चलें।' हालांकि वे देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने के मुखिया थे, लेकिन जो भी उनसे मिलता था, उन्होंने कभी भी यह अहसास नहीं होने दिया। कुल मिलाकर वे विनम्रता की एक मिसाल के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने जब टाटा समूह का नेतृत्व संभाला तो उस समय अन्य औद्योगिक समूह विभिन्न क्षेत्रों में विस्तार कर रहे थे। रतन टाटा ने अपनी एक अलग राह चुनी और अपने पूर्व स्थापित उद्योगों को गति देने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कंपनियों का अधिग्रहण किया। अधिग्रहण के समय, वार्षिक इस्पात उत्पादन के मामले में कोरस, टाटा स्टील से चार गुना बड़ी थी। कोरस दुनिया की 9वीं सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी थी, जबकि टाटा स्टील 56वें स्थान पर थी। अधिग्रहण के बाद टाटा स्टील दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी बन गई। सामान्यतया जब भी कोई विदेशी किसी कंपनी का अधिग्रहण करता है तो वहां के लोगों और कर्मचारियों में उसके प्रति विरोध होता है, लेकिन इस अधिग्रहण में सबसे गौरवान्वित करने वाली बात यह थी कि कर्मचारियों ने इस बाबत खुशी जताई, क्योंकि टाटा को हमेशा कर्मचारी हित को सर्वोपरि रखने वाली कंपनी के रूप में जाना जाता है।

इसी प्रकार दुनिया की सबसे बड़ी कार कंपनी फोर्ड का भी अधिग्रहण रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह ने किया, जिसके चलते टाटा मोटर्स ने भारत में ही नहीं, दुनिया में एक बड़ा स्थान बना लिया। वे हमेशा नीति निर्माताओं के लिए मार्गदर्शक रहे हैं। उनका व्यक्तित्व ऐसा था कि वे नीति निर्माताओं सहित अन्य लोगों को उनकी गलती के लिए टोक देते थे। रतन टाटा ने टाटा समूह के प्रति अपने दूरदर्शी नेतृत्व से हमेशा ही मजदूरों, उपभोक्ताओं और आम आदमी का स्नेह, प्रशंसा और वफादारी जीती है। सभी बड़े औद्योगिक घरानों में से यह टाटा समूह ही था, जिसने कोविड-19 महामारी के दौरान न केवल अपने कर्मचारियों को पूरा वेतन दिया, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि कोविड-19 के दौरान जान गंवाने वालों के परिवारों को उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि तक पूरा वेतन मिलता रहे। रतन टाटा निश्चित रूप से मानवता, राष्ट्रवाद और व्यापार के बेजोड़ संगम थे। उनका सरोकार समाज का कल्याण था। बिजनेस को उन्होंने कभी भी लाभ की दृष्टि से नहीं देखा। लाभ कमाना उनका प्रथम लक्ष्य नहीं था।

उनका प्रथम लक्ष्य था समाज का कल्याण, कर्मचारी और मजदूरों का कल्याण। इसीलिए समाज, कर्मचारी व मजूदरों से उनके घनिष्ठ संबंध थे। उनका लक्ष्य था कि उन्हें बिजनेस के बजाय मानवतावादी, राष्ट्र और समाज हित के चिंतक के रूप में याद किया जाए। समाज के प्रति उनकी निष्ठाएं एकदम स्पष्ट थीं। वह बिजनेस के ऊपर समाज कल्याण को प्राथमिकता देते थे। अब उनकी भावनाओं को प्राथमिकता देने, उनके मूल्यों को विस्तार देने तथा उनके द्वारा स्थापित बहुमूल्य परंपराओं को आगे बढ़ाने का काम टाटा ट्रस्ट के नए चेयरमैन नोएल टाटा को करना है। नोएल टाटा के समक्ष जहां इस कंपनी के बिजनेस को विस्तार देने की चुनौती रहेगी, वहीं यह भी चुनौती रहेगी कि उद्योग जगत के सामाजिक उत्तरदायित्वों को किस तरह निभाया जाए।

दृष्टि कोण

बहुआयामी स्वतंत्रता सेनानी : बाबा कांशी राम

जिन्हें दुनिया फक्कड़ मस्त फकीर कहती है वो वास्तव में चेतना की वृहतता और ऊंचाई के धनी होते हैं। किसी शायर ने भी कहा है : 'मिला किसी को क्या है देखिए अमीरी से/दिलों के शाह तो अक्सर गरीब होते हैं।' कुछ ऐसे ही थे कवि, गीतकार, गायक और, सबसे अहम, स्वतंत्रता सेनानी 'पहाड़ी गांधी' बाबा कांशी राम। चौबीस वर्ष की आयु का, सुरीले कंठ वाला, संवेदनशील कवि हृदय युवा जब वर्ष 1906 के परतंत्र भारत में लाला हरदयाल, सरदार अजीत सिंह जैसे देशभक्तों के सम्पर्क में आता है तो उसके मानस पटल की उर्वरा भूमि पर देशभक्ति के बीज अंकुरित होने स्वाभाविक ही हैं। कहते हैं कुछ व्यक्ति के रक्त में जुंबिश होती है और शेष उसको परिस्थितियां परवान चढ़ा देती हैं। विज्ञान में इसे 'नेचर' और 'नरचर' कहा जाता है। यूं तो बाबा के खून में देशभक्ति का जज़्बा जन्म से ही हिलोरें लेता था, परंतु समकालीन सामाजिक परिदृश्य ने उस चिंगारी को अग्नि पुंज बना दिया और कालांतर में यह धधकती मशाल बन कर जनमानस का पथ आलोकित कर उठी। जहां उनकी चेतना के एक स्तर पर देशभक्ति का रंग जमा था, वहीं दूसरे पर साहित्य, समाज, परम्परा, भूख, लाचारी, वियोग और वेदना के स्वर थे। वह भुक्तभोगी वियोगी थे। सुमित्रा नंदन पंत की यह पंक्तियां बाबा पर अक्षरशः चरितार्थ होती हैं : 'वियोगी होगा पहला कवि/आह से उपजा होगा ज्ञान/निकल कर आंखों से चुपचाप/बही होगी कविता अनजान।' जब जेल की अंधेरी कोठरियों में स्वतंत्रता सेनानियों की भौतिक आंखों के देखने के लिए बहुत कुछ नहीं होता था तो वहां नेहरु, तिलक और बाबा कांशी राम जैसे लोग, मन की आंखों के दीप जला कर, लेखन के पथ पर अग्रसर होते रहे हैं।

चेतना में यह तथ्य उजागर होते ही, रघुपति सहाय 'फिराक गोरखपुरी' की पंक्तियां मुखर हो उठती हैं : 'कुछ क$फस की तीलियों से छन रहा है नूर सा/कुछ फ॰ा कुछ हसरतें परवा॰ की बातें करो/शामे $गम कुछ उस निगाहे ना॰ की बात करो/बेख़ुदी हद से बढ़ी है रा॰ की बातें करो।' जिस तरह नोआ$खली के दंगों में, विंस्टन चर्चिल द्वारा विशेषित 'अधनंगे फकीर' महात्मा गांधी को 'एकल मानव फौज' कहा गया था, उसी तरह कांगड़ा का यह सेनानी, पहाड़ी गांधी, वीराने में अकेली पुकार बन कर, परतंत्रता के गगन पर परवा॰ बन कर, अपनी आवा॰ जनमानस तक पहुंचाता रहा। आ॰ादी के गीत गाता रहा। जहां 'जोश मलीहाबादी' ने जनता में आजादी का जोश और जज़्बा उभारा, यह गा-गा कर : 'क्या हिंद का जिंदा कांप रहा है/गूंज रही हैं तकबीरें/उकताए हैं शायद कुछ कैदी और तोड़ रहे हैं जंजीरें/दीवारों के नीचे आ आ कर यूं जमा हुए हैं जिंदानी/सीनों में तलातुम बिजली का आंखों में झलकती शमशीरें।' वही बाबा कांशी राम का शंखनाद कांगड़ा वासियों के लिए, कुछ ऐसा था : 'इन्हां पहाडियां दी मारी गयी मत लोको/उजड़ी कांगड़ा देस जाणा/प्रदेसे दे लोक जागी उठे/सारे कांगड़े दे लोक खूब सुत्ते/इन्हां बड्डेया अपणा नक लोको/उजड़ी कांगड़ा देस जाणा/हुण मन्नों गलाया कांशी दा/डर रक्खो न तुसां फांसी दा/असां लैणा सुराज झट लोको/फिरी बस्सी कांगड़ा देस जाण।' हिंदी रूपांतर : 'मति भ्रष्ट हुई पहाडियों की/यह कांगड़ा देस उजड़ जाएगा/जब प्रदेश के लोग सब जाग उठे/सब कांगड़े के लोग क्यूं सोए हैं/नाक कटाया इन सब ने/यह कांगड़ा देस उजड़ जाएगा/मानो रे बात तुम कांशी की/दहशत रखो न मन में फांसी की/स्वराज जो झट हम ले लेंगे/तो कांगड़ा देस भी बस जाएगा।' यह क्रांति का बिगुल एक मिली जुली आवाज थी। जहां इसमें निराशा की निशा और खेद की धुंध थी, तो तत्पश्चात आशा का उजाला और जीत-ख़ुशहाली का स्वप्न भी था। गालिब के इन दो मिसरों की तरह, पहले तो बदहाली के काले बादल : 'यूं ही गर होता रहा गालिब तो, एहले/जहां देखना इन बस्तियों को तुम की तन्हा हो गईं/और फिर बादलों में प्रकट होती सुनहरी किरण/रंज से खूगर हुआ इन्सां तो मिट जाता है रंज/मुश्किलें मुझ पर पड़ी इतनी की आसां हो गईं।' जैसे अपने परिचय को लेकर किसी शायर ने कहा है- 'भटका हुआ खयाल हूं वादी में जेहन की अलफाज के नगर का पता पूछता हूं मैं।'

उसी तरह, बाबा कांशी राम भी अपनी पहचान में दार्शनिकता का पुट लाकर कहते हैं : 'ए मत पुच्छ मेरिये भैणे/मैं कुण, कुण घराना मेरा/सारा हिंदुस्तान है मेरा/भारत मां है माता मेरी/ओ जंजीरा जकड़ी है/ओ अंग्रेजां पकड़ी है/कांशी उस जो आजाद कराना है।' 'कांशी राम सुण एह कैहंदा /जेहड़ा गुरदासपुर जेल च रहंदा/कागज खलारी डयोढी बिच बैहंदा/वायदा स्वराज भुली न जाणा।' हिंदी रूपांतर : भावार्थ :'न पूछ बहिन तू मेरा पता/सारा हिंदुस्तान है मेरा/भारत माता है मां मेरी/गुलामी की जंजीरों से मुक्त करवाना है भारत माता को।' मैं गुरदासपुर जेल में रहता हूं।

कुछ अलग

गठरी तेरी चोर

साधो! आजकल घाटों पर संतों की भीड़ है। घाट भी संतों के हैं और भीड़ भी। इसलिए गठरी चोरी होने की पूरी संभावना है। नहान के लिए जाते वक्त ज़रा ध्यान रखें कि डुबकी लगाते समय कपड़े सही-सलामत रहें। नहीं तो हो सकता है कि आपको कच्छे में ही घर वापस आना पड़े। किन्तु कच्छा फटा होने पर आपकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। संसार की नज़र आपके कपड़ों पर रहती है। शरीर पर कपड़े न हों तो कोई सोशल मीडियावीर आपका वीडियो बना सकता है। पर आत्मा के नंगे होने का वीडियो कोई नहीं बनाता। इस बात की पूरी संभावना है कि वीडियो बनाने वाले की आत्मा भी नेतनयाहू या बाईडेन की तरह वस्त्रहीन हो। लेकिन आप यह सोचकर क़तई ख़ुश न हों कि हमारे देश के नेताओं की आत्मा ढकी हुई है। आज़ादी के अमृत काल में चल रहे सार्वजनिक नंग नहान के दौर में अब न हमाम की ज़रूरत है और न कपड़ों की। बेशर्मी ही वस्त्र हैं। जो जितना बड़ा बेशर्म होगा, वह उतना ही बड़ा नेता होगा या सार्वजनिक जीवन में उतना ही सफल व्यक्ति होगा। आत्मा नंगी होने पर लोगों की गठरिया पर हाथ साफ करने में आसानी रहती है। चोरों के कच्छा गिरोह के बारे में आपने सुना होगा। चोरों का यह गिरोह अपने शरीर पर तेल मल कर चोरी करने निकलता है। ऐसे में उन्हें पकडऩा मुश्किल होता है क्योंकि फिसल कर चोर आसानी से भाग जाता है। लेकिन आत्मा नंगी हो तो शरीर पर तेल लगाने की ज़रूरत भी नहीं पड़ती। बस आपको वे तमाम हिकमतें आनी चाहिए जो आपको सत्ता के केन्द्र में बनाए रखें। इसके लिए यह भी ज़रूरी नहीं कि आप मंत्री या नेता हों। तरीके पता हों तो चाहे कोई मंत्री हो या संतरी, उसे पता होता है कि गठरी चुरानी कैसे है और रंगे हाथ पकड़े जाने के बावजूद अपने आपको संत कैसे साबित करना है। बेचारा आम आदमी यह सोचकर भ्रमित होता रहता है कि गठरी में चोर लगा है या गठरी ही चोर है। क्योंकि गठरी चोरी करने का आरोपी या तो मंत्री है या फिर नेता, अफसर, अभिनेता, संतरी, बिजनेसमैन या कोई बड़ी तोप। ऐसे भले लोग तो देश के सेवक होते हैं या फिर चौकीदार। अतः उन पर रत्ती भर भी शक नहीं किया जा सकता। हां, गठरी पर अवश्य संदेह किया जा सकता है। ऐसे में आम आदमी सिर खुजाते हुए सोचता रहता है कि गठरी ही चोर होगी। ये सभी तो भले आदमी हैं। कबीर ने पता नहीं क्या सोच कर कहा था कि 'तेरी गठरी में लागा चोर, मुसाफिर जाग ज़रा।' कबीर आज होते तो अपने शब्दों को बदल कर कहते, 'गठरी तेरी चोर है, या गठरी में चोर। गाफ़िल तू सोया हुआ, बाहर-भीतर चोर।' नंगी आत्माओं ने अपनी सुविधा के हिसाब से सिस्टम को गठरी बना दिया है। जब उनका जी करता है सिस्टम को चुरा लेते हैं या उसमें सेंध मार कर चोरी कर लेते हैं। अब तो सेंध मारने की ज़रूरत भी नहीं पड़ती। बस सिस्टम के जादू से ईवीएम में आंकड़े बदलते हैं और सरकार बन जाती है। सभी जादूगर हैं। लोकतंत्र के तीन स्तम्भों में जादूगर बैठे हैं और चौथे स्तम्भ में विदूषक, जो सिस्टम की किसी भी गड़बड़ को कुतर्क के हाजमोले से पचा डालते हैं। भेड़ों को अपनी मैं-मैं में पता ही नहीं चलता कि किस कोने में चोर उनकी गठरी पर हाथ साफ कर गए हैं। आज़ादी के बाद बड़े जतनों से रहनुमाओं ने बिखरे गूदड़ों को इक_ा कर देश की गठरी बांधी थी। सिस्टम को गठरी के अंदर रखा था। लेकिन अब गठरी सिस्टम के अंदर आ चुकी है और गठरी की गांठ नंगी आत्माओं के हाथ है। ढीली गांठ से गूदड़ बिखरना शुरू हो चुके हैं। मुझे डर है कि गूदड़ों को एक रंग में रंगने का सपना देखने वाली नंगी आत्माएं इन गूदड़ों की चिन्दी-चिन्दी न कर दें। ख़ुदा ख़ैर करे। क्षमा करें।

देश दुनिया से

नए जिलों के सृजन की तार्किकता का सवाल

विभाजन के समय भारत में ज़िलों की संख्या सटीक रूप से ज्ञात नहीं है, लेकिन 1951 में स्वतंत्रता के बाद पहली जनगणना के समय कुल 402 जिले थे। ये जिले 27 राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों (यूटी) में फैले हुए थे। नवीनतम आंकड़े के अनुसार, देश में 28 राज्य, 8 केंद्रशासित प्रदेश और 806 जिले हैं। इनमें 5 जिले हाल ही में लद्दाख में जोड़े गए हैं—जो कि सबसे नया केंद्रशासित प्रदेश है और जिसकी स्थापना 2019 में हुई है। अब इसके जिलों की संख्या 2 से बढ़कर 7 हो गई है।

कहने को 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन'— एक बढ़िया और उपयुक्त नारा है। अन्य लोकप्रिय मुहावरा यह है कि भारत की शासकीय संरचना केवल तीन शक्तिशाली स्तंभों पर टिकी है : प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और जिलाधीश; जिसको लेकर आमतौर पर कहा जाता है कि पीएम-सीएम-डीएम नामक त्रिमूर्ति भारत का राजकाज चलाती है। विभाजन के समय भारत में ज़िलों की संख्या सटीक रूप से ज्ञात नहीं है, लेकिन 1951 में स्वतंत्रता के बाद पहली जनगणना के समय कुल 402 जिले थे। ये जिले 27 राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों (यूटी) में फैले हुए थे। नवीनतम आंकड़े के अनुसार, देश में 28 राज्य, 8 केंद्रशासित प्रदेश और 806 जिले हैं। इनमें 5 जिले हाल ही में लद्दाख में जोड़े गए हैं—जो कि सबसे नया केंद्रशासित प्रदेश है और जिसकी स्थापना 2019 में हुई है। अब इसके जिलों की संख्या 2 से बढ़कर 7 हो गई है। देशभर के जिलों की संख्या साल 1951 में 402 थी व साल 1991 तक उसमें 74 नए जिले बनकर जुड़े। अगले दशक (1991-2001) में 117 नए जिले जोड़े गए, 2001 से 2011 के बीच इनकी संख्या 47 रही। पिछले 13 वर्षों में 166 नवीन जिलों का निर्माण हुआ है। साल 1951 में, आंध्र प्रदेश में 19 जिले थे और हैदराबाद सूबे में 17 जिले थे, आज आंध्र प्रदेश में 26 तो आंध्र प्रदेश से अलग होकर बने तेलंगाना में ही 33 जिले हैं। इसी तरह, असम में यह संख्या 13 से बढ़कर 35 हो गई, बिहार में 18 से 38, दिल्ली में 1 से 11, हिमाचल प्रदेश में 6 से 12, जम्मू-कश्मीर में 6 से 20, पंजाब में 12 से 23, ओडिशा में 13 से 30, राजस्थान में 21 से 50, उत्तर प्रदेश में 40 से 75 और पश्चिम बंगाल में संख्या 15 से 30 हो गई है। राज्य पुनर्गठन अधिनियम-1956 लागू होने के बाद बनाए गए कुछ नए राज्यों का रिकॉर्ड चौंकाने वाला है। हरियाणा में 22 जिले हैं, जबकि 1966 में इसके निर्माण के समय 7 जिले थे। तेलंगाना की गिनती 10 से बढ़कर 33 हो गई है, उत्तराखंड में 9 से 13, झारखंड 18 से 24 और छत्तीसगढ़ में 16 से बढ़कर 33 जिले हो गए। एक नए जिले का निर्माण, जो कि अनिवार्य रूप से एक प्रशासनिक इकाई होता है, लगता नहीं यह करते वक्त किसी भी तर्कसंगत सिद्धांत का पालन किया जाता है। जिला बनाने के लिए कोई परिभाषित भौगोलिक या जनसांख्यिकीय मानदंड नहीं हैं। भारत का सबसे बड़ा जिला कच्छ है, जिसका क्षेत्रफल 45,674 वर्ग किमी और जनसंख्या 20,92,371 है। सबसे छोटा जिला माहे है, जिसका क्षेत्रफल महज 8.69 वर्ग किमी. और जनसंख्या 41,816 है। आबादी के हिसाब से उत्तर 24 परगना सबसे बड़ा जिला है, जहां पर 1,00,09,781 लोग बसे हैं और कुल क्षेत्रफल 4,094 वर्ग किमी है, जबकि सबसे कम आबादी दिबांग घाटी की है जहां पर 8,004 निवासी हैं और 9,129 वर्ग किमी क्षेत्र है। अविभाजित लेह जिले की जनसंख्या 1,33,487 और क्षेत्रफल 45,110 वर्ग किमी था वहीं कारगिल की जनसंख्या 1,40,802 और क्षेत्रफल 14,086 वर्ग किमी था। अब कारगिल से काटकर द्रास और झांस्कार को जिला बनाया गया है और लेह को विभाजित कर चांगथांग, नुब्रा और शाम घाटी नामक जिले बनाए गए हैं। यह सच है कि मूल लद्दाख जिला प्रशासन चलाने के लिहाज से अत्यंत विशाल था। कारगिल और लेह सांस्कृतिक रूप से अलहदा हैं। इस कारण 1979 में कारगिल को एक अलग जिले के रूप में रखा गया। छोटा किए जाने के बावजूद लेह जिला भौगोलिक दृष्टि से देश का दूसरा सबसे बड़ा जिला बना रहा। भारत में नए जिले का निर्माण आम तौर पर किसी वस्तुनिष्ठ मानदंड की बजाय राजनीतिक मांगों का परिणाम होते हैं। मसलन, लद्दाख के मामले में, कारगिल से अलग करके एक नया मुस्लिम बहुल जिला 'सन्कू' बनाने के लिए विरोध प्रदर्शन हुए, शायद इसलिए भी कि सर्दियों के दौरान यह इलाका अक्सर कारगिल से कटा रहता है। कारगिल से अलग करके एक नया जिला बनाने की इस किस्म की मांग झांस्कार के लोगों द्वारा भी की गई थी। यही बात लेह के सभी हिस्सों जैसे द्रास, चांगथांग, खालत्सी और तुरतुक के बारे में भी कही जा सकती है। हालांकि, क्या एक जिले का दर्जा देने की मांग के पीछे महज एक नई प्रशासनिक इकाई बनाने वाला औचित्य काफी है, जबकि इससे राजकोष पर काफी वित्तीय बोझ पड़ता है। एक नया जिला बनते ही अतिरिक्त कर्मी, नए कार्यालय और आवासीय भवनों का निर्माण जरूरी हो जाता है। नया जिला आम तौर पर उपखंड मुख्यालय को अपग्रेड कर बनाया जाता है, साथ ही पुलिस अधीक्षक और अन्य जिला-स्तरीय कार्यालय जैसे सहायक तंत्र की स्थापना करनी पड़ती है। लेकिन अक्सर ऐसा होता नहीं क्योंकि संलग्न कार्यालय बनने में लंबा वक्त लगता है। कभी-कभी, बजटीय बाधाओं के कारण सभी विभागीय कार्यालयों के अपग्रेडेशन की न तो जरूरत होती है और न ही यह संभव है। मुख्य बिंदु यह है कि नया जिला बनने से जिलाधिकारी को अधिकारों का कोई बहुत बड़ा हस्तांतरण नहीं होता।

आप का नजरिया

एचआरटीसी का मेकअप

पचास साल के हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों में फिर से जोश भरने की कवायद शुरू हुई, जिसका स्वागत करना होगा। योजनाएं महत्त्वाकांक्षी हैं, फिर भी सोचना यह होगा कि अंततः घाटा इतना कैसे बढ़ गया कि आगे बढऩे के बजाय एचआरटीसी अपने ही पाप नहीं धो पा रहा है। मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों के लंबित मामलों को आसरा देते हुए पचास करोड़ की अदायगी का वास्ता दिया है, तो इसी परिप्रेक्ष्य में कई अन्य मांगें भी स्वीकार की गईं। बहरहाल एचआरटीसी के रूट पर वादों की फेहरिस्त लंबी होती दिखाई दे रही है, जहां आने वाले समय में पंद्रह सौ इलेक्ट्रिक बसें दौड़ेंगी, रिक्तियां भरी जाएंगी तथा वोल्वो जैसी बसें भी नए मेकअप में सामने आएंगी। कहना न होगा कि हिमाचल में सडक़ परिवहन की क्षमता, संभावना और आर्थिकी निरंतर बढ़ी है और बढ़ रही है, लेकिन राज्य की देनदारी में एचआरटीसी का फलक हमेशा से नुकसानदायी साबित हुआ। बेशक हर नई सरकार ने जनता की उम्मीदों की एचआरटीसी साबित करते-करते इसके बेड़े को हानि का अस्तबल बना दिया, लेकिन हिमाचल की आर्थिक यात्रा की यही सहचरी रही है। दरअसल हिमाचल निर्माण के हर क्षेत्र में परिवहन निगम की भूमिका इसलिए भी दिखाई देती है, क्योंकि इसका ताल्लुक गांव-देहात से कबाइली इलाकों तक रहा। कहना न होगा कि पीडब्ल्यूडी महकमा भी अगर सडक़ें बना रहा था, तो उसकी प्रमाणिकता के लिए सर्वप्रथम एचआरटीसी बस ही इसके ऊपर दौड़ी होगी। पर्यटन अगर आज प्रदेश की आर्थिकी को चार चांद लगा रहा है, तो परिवहन निगम के पहियों पर ही प्रदेश प्रारंभिक तौर पर डेस्टिनेशन बना। साक्षरता दर बढ़ाने के लिए कोई बच्चा स्कूल या छात्र कालेज तक पहुंचा, तो सरकारी उद्देश्य को सरकारी बस ने ढोया होगा। ऐसे में अगर पचास साल का सफर अब एक मोटे घाटे में दिखाई दे रहा है, तो यह समाज की बेहतरी और सरकारों के लक्ष्यों को ढोने का सबब भी है। यह दीगर है कि अब वो आरंभिक दौर नहीं रहा और इस युग की प्रतिस्पर्धा और प्रासंगिकता में परिवहन निगम को अपना वित्तीय संतुलन बनाना पड़ेगा, लेकिन इससे पहले एक बार सरकार को अपना पूर्ण समर्थन देते हुए इसे वित्तीय घाटे के जंजाल से मुक्त कराने का खास प्रबंध करना होगा ताकि सारा प्रारूप बदले। एचआरटीसी पर हुआ राजनीतिक सफर अगर नहीं रोका गया, तो न कहने का कोई फायदा और न करने की कोई जिरह मुकम्मल होगी। एचआरटीसी की कार्यप्रणाली में बाहरी सुधार तो दिखाई देते हैं, लेकिन आंतरिक दशा सुधारने की जरूरत को समझना होगा। कर्मचारियों पर अधिकारियों की संख्या की औसत फिलहाल भारी है और इसी तरह अनावश्यक बस डिपो की शुमारी भी अनावश्यक है। एचआरटीसी को हिमाचल का ब्रांड बनकर अंतरराज्यीय बसों का स्तर ऊंचा उठाना है, तो इसके लिए संचालन का दायरा बेहतर करना होगा, जबकि एक मुकाबला निजी बसों से भी रहेगा। हिमाचल जिस रफ्तार से पर्यटन राज्य बन रहा है, उसे देखते हुए परिवहन निगम को ट्रैवल एजेंसी के रूप में नए प्रयोग करने होंगे।

स्पाइसजेट ने एयरकैसल, विलमिंगटन ट्रस्ट के साथ विवाद सुलझाया

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने कहा है कि उसने दो विमान पट्टादाताओं एयरकैसल और विलमिंगटन ट्रस्ट के साथ 2.339 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विवाद को सुलझा लिया है। इससे कुछ दिन पहले उसने अमेरिका स्थित विमान पट्टा देने वाली कंपनी बीबीएएम के साथ भी इसी तरह का विवाद सुलझाया था। विमानन कंपनी ने कहा कि समझौते के तहत दोनों पक्ष संबंधित सभी मुकदमे और विवाद उचित मंचों पर वापस लेंगे। बयान में कहा गया है कि स्पाइसजेट ने एयरकैसल (आयरलैंड) डेजिग्नेटेड एक्टिविटी कंपनी और विलमिंगटन ट्रस्ट एसपी सर्विसेज (डबलिन) लिमिटेड के साथ 2.339 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विवाद को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है। इसके तहत कुल 50 लाख डॉलर का भुगतान किया गया। साथ ही कुछ विमान इंजनों से संबंधित समझौता भी किया गया है। इसमें कहा गया दोनों पक्ष सौहार्दपूर्ण बातचीत के जरिये इस समझौते पर पहुंचे हैं तथा मामले को अदालत के बाहर सुलझाने का विकल्प चुना है। स्पाइसजेट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमने एयरकैसल और विलमिंगटन ट्रस्ट के साथ लंबे समय से जारी विवाद को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है। इस और अन्य महत्वपूर्ण समझौतों के साथ स्पाइसजेट अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने और अधिक मजबूत भविष्य के लिए आधार तैयार करने में लगी है। स्पाइसजेट ने विमान पट्टे पर देने वाली कंपनी बैबकॉक एंड ब्राउन एयरक्राफ्ट मैनेजमेंट (बीबीएएम) के साथ 13.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विवाद सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने की पिछले बुधवार को घोषणा की। विमानन कंपनी ने कहा था, होराइजन एविएशन 1 लिमिटेड, होराइजन 2 एविएशन 3 लिमिटेड और होराइजन 3 एविएशन 2 लिमिटेड के साथ 13.18 करोड़ डॉलर (1,107 करोड़ रुपये) का विवाद 2.25 करोड़ डॉलर में सुलझा लिया गया है। ये सभी पट्टेदार बीबीएएम के प्रबंधन के अधीन हैं।

न्यूज ब्रीफ

कच्चे तेल की कीमत में गिरावट, पेट्रोल-डीजल का मूल्य स्थिर

नई दिल्ली। इजराइल-ईरान जंग के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य करीब 2.30 डॉलर प्रति डॉलर घटकर 76 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 72 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 2.27 डॉलर यानी 2.93 फीसदी की गिरावट के साथ 75.19 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 2.18 डॉलर यानी 2.95 फीसदी लुढ़ककर 71.65 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

टाटा समूह पांच वर्षों में विनिर्माण से जुड़ी 5 लाख नौकरियों का करेगा सृजनः चंद्रशेखरन

नई दिल्ली। टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने मंगलवार को कहा कि समूह अगले पांच वर्षों में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), बैटरी और संबंधित उद्योगों से जुड़े विनिर्माण क्षेत्र में 5 लाख नौकरियों का सृजन करेगा। चंद्रशेखरन ने इंडियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट की यहां आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि यदि भारत विनिर्माण के क्षेत्र में नौकरियां पैदा नहीं कर सकता तो वह विकसित राष्ट्र होने के लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकता। चंद्रशेखरन ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि हर महीने 10 लाख लोग कार्यबल में शामिल हो रहे हैं। टाटा संस प्रमुख ने अपने संबोधन में भारत के विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य में विनिर्माण की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर में हमारे (टाटा समूह के) निवेश, प्रीसीजन मैन्यूफैक्चरिंग, असेंबली, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और संबंधित उद्योगों में हमारे निवेश से मुझे लगता है कि हम अगले पांच वर्षों में 5 लाख विनिर्माण नौकरियां पैदा करेंगे। उन्होंने कहा कि स'ूह असम में सेमीकंडक्टर संयंत्र और इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरी के लिए अन्य कई संयंत्र स्थापित कर रहा है। चंद्रशेखरन ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि हर महीने 10 लाख लोग कार्यबल में शामिल हो रहे हैं। हमें आने वाले समय में 10 करोड़ नौकरियां पैदा करने की जरूरत है। टाटा संस प्रमुख ने अपने संबोधन में नए युग के विनिर्माण जैसे सेमीकंडक्टर बनाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह हर एक रोजगार के लिए आठ से दस अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा करता है। उन्होंने इन पहलों में सरकार के समर्थन की सराहना की और विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन की आवश्यकता पर बल दिया।

इंडिया-कनाडा तनाव से 67 हजार करोड़ का कारोबार खतरे में

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के बीच बढ़ते तनाव बढ़ता जा रहा है, जिसमें भारत ने कनाडा से अपने उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों को वापस बुलाने का निर्णय लिया है। यह कदम कनाडा द्वारा सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच में भारतीय राजनयिकों को शामिल करने के आरोपों को खारिज करते हुए उठाया गया है। भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय व्यापार, जो लगभग 67,000 करोड़ रुपए का है, अब खतरे में पड़ सकता है। इसके अलावा कनाडाई पेंशन फंड्स ने भारत में 6 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया हुआ है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एक देश में...

2019 में विधानसभा चुनावों में भाजपा 152 सीटों पर लड़ी थी। तब भाजपा ने अविभाजित शिवसेना के लिए 124 सीटें छोड़ी थी। वहीं एनडीए ने अपने अन्य सहयोगियों के लिए 12 सीटें छोड़ रखी थीं। इससे पहले भाजपा ने साल 2014 के विधानसभा चुनाव में 122 और 2019 में 105 सीटों पर जीत हासिल की थी। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव में महायुति गठबंधन का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। जिसमें तीनों दलों ने मिलकर मात्र 17 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की थी। जबकि महा विकास अघाड़ी का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक बढ़िया रहा था। विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए), जिसमें शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (एसपी) और कांग्रेस शामिल हैं, ने शानदार प्रदर्शन किया और 48 में से 30 सीटें जीतीं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि झारखंड विधानसभा की 81 सीटों के लिए चुनाव दो चरण में होंगे। पहले चरण में 13 नवंबर और दूसरे चरण में 20 नवंबर को मतदान होगा। 23 नवंबर को मतगणना होगी। झारखंड में पहले चरण की अधिसूचना 18 अक्टूबर को जारी होगी। नामांकन 25 अक्टूबर से शुरू होंगे। नामांकन पत्रों की जांच 28 अक्टूबर को होगी। नाम वापसी 30 अक्टूबर को होगी और मतदान 13 नवंबर को होगा।

दूसरे चरण के चुनाव की अधिसूचना 22 अक्टूबर को जारी होगी। नामांकन 29 अक्टूबर से होंगे। नामांकन पत्रों की जांच 30 अक्टूबर को होगी। नाम वापसी एक नवंबर को होगी। दूसरे चरण का मतदान 20 नवंबर को होगा। नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि झारखंड में कुल मतदाता 2.06 करोड़ हैं। इनमें पुरुष मतदाता 1.31 करोड़ और महिला मतदाता 1.29 करोड़ हैं। झारखंड में कुल युवा मतदाता 66.84 लाख हैं। झारखंड में पहली बार 11.84 लाख वोटर मतदान करेंगे। दिव्यांग मतदाता 3.67 लाख हैं। झारखंड में थर्ड जेंडर मतदाता 448 हैं। यहां सौ साल से ऊपर वाले मतदाता 1706 और 85 वर्ष से ऊपर के मतदाता 1.14 लाख हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि झारखंड में कुल 29562 मतदान केंद्र होंगे। इसमें 20221 लोकेशन पर मतदान केंद्र हैं। इसमें 5042 मतदान केंद्र शहरी क्षेत्र और 24520 मतदान केंद्र ग्रामीण इलाकों में होंगे। आयोग के मुताबिक हर मतदान केंद्र पर औसत 881 मतदाता मताधिकार का प्रयोग करेंगे। उन्होंने बताया कि झारखंड में कुल 81 विधानसभा सीटों में से सामान्य सीटें 44, एसटी सीटें 28 और एससी नौ हैं।

पिछली बार झारखंड में पांच चरण में मतदान हुआ था। इस बार इसे दो चरण में कराया जाएगा। झारखंड में मौजूदा समय में झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस, राजद गठबंधन की सरकार है। 2019 के विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा को 30, भाजपा को 25 और कांग्रेस को 16 सीटें मिली थीं। इसके अलावा जेवीएम को तीन, एजेएसयूपी को दो और अन्य को पांच सीटें मिली थीं। झारखंड के मौजूदा मुख्यमंत्री झामुमो नेता हेमंत सोरेन हैं।

चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनावों के साथ ही 13 राज्यों की 47 विधानसभा सीटों और दो लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का भी ऐलान कर दिया है। इनमें राहुल गांधी द्वारा खाली की गई केरल की वायनाड लोकसभा सीट और अखिलेश यादव द्वारा खाली यूपी की करहल विधानसभा सीट काफी चर्चित हैं।

जिन रिक्त लोकसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं उनमें सबसे चर्चित केरल का वायनाड सीट है। वायनाड सीट राहुल गांधी के इस्तीफे से रिक्त हुई है जो 2024 के लोकसभा चुनाव में वायनाड के साथ-साथ अमेठी सीट से भी जीते थे। राहुल ने अमेठी सीट अपने पास रखी और वायनाड सीट से इस्तीफा दे दिया। महाराष्ट्र में नांदेड़ लोकसभा सीट पर भी उपचुनाव होना है। यह सीट कांग्रेस सांसद वसंतराव चव्हाण के निधन से रिक्त हुई है।

उत्तर प्रदेश की जिन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है उनमें अलीगढ़ जिले की खैर, अयोध्या की मिल्कीपुर, अंबेडकरनगर की कटेहरी, मुजफ्फरनगर की मीरापुर, कानपुर नगर की सीसामऊ, प्रयागराज की फूलपुर, गाजियाबाद की गाजियाबाद, मिर्जापुर की मझवां, मुरादाबाद की कुंदरकी और मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट शामिल है।

हाल ही में सम्पन्न हुए लोकसभा चुनाव में कई विधायक सांसद निर्वाचित हुए। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव समेत नौ विधायक शामिल हैं। सांसद बनने के बाद इन विधायकों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। कानपुर नगर की सीसामऊ सीट 2022 में यहां से जीते सपा के इरफान सोलंकी को अयोग्य करार दिए जाने से रिक्त हो गई है।

उत्तर प्रदेश की जिन 10 सीटों पर उपचुनाव होने हैं उनमें सबसे चर्चित करहल सीट है। यादव बहुल करहल सीट अखिलेश यादव के सांसद बनने से रिक्त हुई है। यहां के विधायक सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव थे जो 2024 के लोकसभा चुनाव में कन्नौज से जीतकर सांसद बन गए हैं। सपा की तरफ से अखिलेश यादव ने 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में करहल सीट पर जीत दर्ज की थी। उस चुनाव में अखिलेश ने भाजपा के एसपी सिंह बघेल को शिकस्त दी थी।

हाल के लोकसभा चुनाव के बाद जिन सीटों पर हार-जीत की सबसे ज्यादा चर्चा हुई उसमें फैजाबाद (अयोध्या) शामिल है। यूपी में भाजपा की सीटें कम होने के साथ अयोध्या जिले की फैजाबाद लोकसभा सीट पर भी हार का सामना करना पड़ा था। सपा उम्मीदवार अवधेश प्रसाद यहां से करीब 54 हजार मतों से जीत गए थे। लोकसभा का चुनाव जीतने वाले अवधेश प्रसाद 2022 में फैजाबाद जिले की मिल्कीपुर (सुरक्षित) सीट से जीते थे। उन्होंने भाजपा के गोरखनाथ को हराया था। अंबेडकरनगर की कटेहरी विधानसभा सीट से सपा के विधायक रहे लालजी वर्मा भी अब लोकसभा के सांसद बन गए हैं। उनके इस्तीफे से कटेहरी सीट पर उपचुनाव होना है। 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के लालजी वर्मा में एडीए गठबंधन में शामिल निषाद पार्टी के टिकट पर उतरे अवधेश कुमार द्विवेदी को शिकस्त दी थी। मुरादाबाद की कुंदरकी विधानसभा सीट से विधायक जिया उर रहमान संभल से सपा के सांसद बन गए हैं। जिया उर के विधायक पद से इस्तीफे के बाद कुंदरकी में उपचुनाव होना है। 2022 विधानसभा चुनाव में सपा के जिया उर रहमान ने भाजपा उम्मीदवार कमल कुमार को हराया था।कानपुर नगर की सीसामऊ विधानसभा ऐसी अकेली सीट है जहां मौजूदा विधायक की अयोग्यता के चलते उपचुनाव होगा। तत्कालीन सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा सुनाए जाने के बाद यह सीट रिक्त हुई है। 2022 के चुनाव में सपा की तरफ से उतरे इरफान ने भाजपा के सलिल विश्नोई को हराया था। गाजियाबाद विधानसभा सीट भाजपा नेता अतुल गर्ग के लोकसभा सांसद बनने से खाली हुई है। गत विधानसभा चुनाव में भाजपा के अतुल गर्ग ने सपा उम्मीदवार विशाल वर्मा को हराया था।

प्रयागराज की फूलपुर विधानसभा सीट से विधायक प्रवीण पटेल फूलपुर लोकसभा सीट से सांसद चुने गए। प्रवीण के विधायक पद से इस्तीफे के चलते उपचुनाव होगा। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रवीण पटेल ने सपा उम्मीदवार मोहम्मद मुजतबा सिद्दीकी को हराया था। मुजफ्फरनगर की मीरापुर विधानसभा सीट पर राष्ट्रीय लोक दल के चंदन चौहान विधायक थे। चंदन ने इस लोकसभा चुनाव में बिजनौर सीट जीती। चंदन चौहान के विधायक पद से इस्तीफे की वजह से मीरापुर में उपचुनाव होना है। गत विधानसभा चुनाव में रालोद के चंदन चौहान ने भाजपा उम्मीदवार प्रशांत चौधरी को हराया था। उस चुनाव में रालोद सपा के साथ गठबंधन में लड़ी थी। मिर्जापुर की मझवां विधानसभा सीट निषाद पार्टी के विधायक रहे डॉ. विनोद कुमार बिंद के सांसद बनने से खाली हुई है। 2022 के विधानसभा चुनाव में निषाद पार्टी के टिकट पर उतरे विनोद कुमार बिंद ने सपा के रोहित शुक्ल को शिकस्त दी थी। अलीगढ़ की खैर विधानसभा सीट से भाजपा के अनूप प्रधान वाल्मीकि विधायक थे। अनूप ने इस लोकसभा चुनाव में हाथरस सीट जीत ली। उनके इस्तीफे की वजह से खैर विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव होना है। गत विधानसभा चुनाव में भाजपा के अनूप प्रधान वाल्मीकि ने बसपा की उम्मीदवार चारू को हराया था।

राजस्थान में सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। झुंझुनू विधानसभा सीट कांग्रेस विधायक बृजेंद्र ओला के सांसद बनने से सीट खाली हुई है। रामगढ़ विधानसभा सीट कांग्रेस विधायक जुबेर खान के निधन से खाली हुई है। खींवसर विधानसभा सीट रालोप विधायक हनुमान बेनीवाल के सांसद बनने से खाली हुई है। सलूम्बर विधानसभा सीट भाजपा विधायक अमृतलाल मीणा के निधन से खाली हुई। चौरासी विधानसभा सीट भारत आदिवासी पार्टी के विधायक राजकुमार रोत के सांसद बनने से खाली हुई है। दौसा विधानसभा सीट कांग्रेस विधायक मुरारीलाल मीणा के सांसद बनने से खाली हुई है। देवली-उनियारा विधानसभा सीट कांग्रेस विधायक हरीश मीणा के सांसद बनने से खाली हुई है।

पश्चिम बंगाल में छह विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे। सिताई विधानसभा सीट तृणमूल विधायक जगदीश चंद्र बर्मा के सांसद बनने से खाली हुई है। मेदिनीपुर विधानसभा सीट तृणमूल विधायक जून मालिया के सांसद बनने से खाली हुई है। नैहाटी विधानसभा सीट तृणमूल विधायक पार्थ भौमिक के सांसद बनने से खाली हुई है। हारोआ विधानसभा सीट के विधायक हाजी नुरुल इस्लाम के निधन से खाली हुई है। मदारीहाट विधानसभा सीट भाजपा विधायक मनोज तिग्गा के सांसद बनने से खाली हुई है। तलडांगरा विधानसभा सीट तृणमूल विधायक अरूप चक्रवर्ती के सांसद बनने से खाली हुई है।बिहार में चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे। यहां की तरारी विधानसभा सीट भाकपा माले विधायक सुदामा प्रसाद के सांसद बनने से खाली हुई है। रामगढ़ विधानसभा सीट से राजद विधायक सुधाकर सिंह के सांसद बनने से सीट हुई है। बेलागंज विधानसभा सीट राजद विधायक सुरेंद्र यादव के सांसद बनने से खाली हुई है। इमामगंज विधानसभा सीट हम पार्टी के विधायक जीतन राम मांझी के सांसद बनने से खाली हुई है।

पंजाब में चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। बरनाला विधानसभा सीट आपा विधायक गुरमीत मीत हेयर के सांसद बनने से खाली हुई है। डेरा बाबा नानक विधानसभा सीट कांग्रेस विधायक सुखजिंदर रंधावा के सांसद बनने से खाली हुई है। चब्बेवाल विधानसभा सीट आपा विधायक राज कुमार चब्बेवाल के सांसद बनने से खाली हुई है। गिद्दड़बाहा विधानसभा सीट कांग्रेस विधायक अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के सांसद बनने से खाली हुई

असम में पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे। इनमें धोलाई (एससी) विधानसभा सीट भाजपा विधायक परिमल शुक्लबैद्य के सांसद बनने से खाली हुई है। सिदली (एसटी) विधानसभा सीट यूपीपीएल विधायक जोयंता बसुमतारी के सांसद बनने से खाली हुई है। बोंगाईगांव विधानसभा सीट एजीपी विधायक फणी भूषण चौधरी के सांसद बनने से खाली हुई है। बेहाली विधानसभा सीट भाजपा विधायक रंजीत दत्ता के सांसद बनने से खाली हुई है। सामगुरी विधानसभा सीट कांग्रेस विधायक रकीबुल हुसैन के सांसद बनने से खाली हुई है।

कर्नाटक में तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे। इनमें चन्नपटना विधानसभा सीट जेडीएस विधायक एचडी कुमारस्वामी के सांसद बनने से खाली हुई है। शिगगांव विधानसभा सीट भाजपा विधायक बसवराज बोम्मई के सांसद बनने से खाली हुई है। संदूर विधानसभा सीट कांग्रेस विधायक ई तुकाराम के सांसद बनने से खाली हुई है।

केरल में दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे। देवीकुलम विधानसभा सीट माकपा विधायक ए राजा के अयोग्य ठहराए जाने से खाली हुई है। लेकिन कानूनी पेंच के चलते अभी यहां उपचुनाव का ऐलान नहीं हुआ है। पलक्कड़ विधानसभा सीट कांग्रेस विधायक शफी परम्बिल के सांसद बनने से सीट खाली हुई है और चेलक्करा विधानसभा सीट माकपा विधायक के. राधाकृष्णन के सांसद बनने से खाली हुई है। इन दोनों सीटों पर उपचुनाव होंगे।

मध्य प्रदेश में दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे। इनमें बुधनी विधानसभा सीट भाजपा विधायक शिवराज सिंह चौहान के सांसद बनने से खाली हुई है और विजयपुर विधानसभा सीट कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत के इस्तीफे से खाली हुई है। सिक्किम में भी दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इनमें नामची-सिंघीथांग विधानसभा सीट एसकेएम विधायक कृष्णा कुमारी राय के इस्तीफे से खाली हुई है और सोरेंग-चाकुंग विधानसभा सीट एसकेएम विधायक प्रेम सिंह तमांग के इस्तीफे से खाली हुई है।

गुजरात, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ में क्रमशः एक-एक विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने हैं। इनमें गुजरात की वाव विधानसभा सीट कांग्रेस विधायक गेनीबेन ठाकोर के सांसद बनने से खाली हुई है। उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट भाजपा विधायक शैला रानी रावत के निधन से रिक्त हुई है। छत्तीसगढ़ में रायपुर शहर दक्षिण विधानसभा सीट भाजपा विधायक बृजमोहन अग्रवाल के सांसद बनने से खाली हुई है।

मुफ्त की...

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार 15 अक्टूबर को इस याचिका पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में अब चुनाव आयोग और केंद्र सरकार से उसका रुख जानने के लिए नोटिस भेजा है और जवाब दाखिल करने को कहा है। गौरतलब है कि बीते कुछ वर्षों से चुनावों में राजनीतिक दल मुफ्त बिजली, मुफ्त राशन और यहां तक कि नकद धनराशि का वादा अलग-अलग नामों से कर रहे हैं। कांग्रेस ने इन्हें गारंटी का नाम दिया है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि इस चक्कर में राज्यों पर काफी बोझ पड़ेगा। अब इन रेबड़ियों को सुप्रीम कोर्ट से रिश्वत घोषित करने की मांग की गई है।

बंगाल की खाड़ी ...

उन्होंने कहा, यह चुनौतीपूर्ण समुद्री परिदृश्य में प्रभावी कमान और नियंत्रण क्षमताओं को सुनिश्चित करते हुए नौसेना की परिचालन तत्परता को बढ़ाएगा। यह नौसेना संचार बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, लंबी दूरी पर विश्वसनीय और सुरक्षित प्रसारण को सक्षम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। रक्षा मंत्री ने इस अवसर पर विश्वास जताया कि वीएलएफ स्टेशन देश की सैन्य क्षमताओं का विस्तार करेगा, जो सशस्त्र बलों के लिए वरदान साबित होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि हाई-टेक वीएलएफ स्टेशन सिर्फ एक सैन्य प्रतिष्ठान नहीं बल्कि राष्ट्रीय महत्व की एक रणनीतिक संपत्ति होगी।

श्री सिंह ने कहा, युद्ध के उभरते तरीकों को देखते हुए मनुष्य और मशीनों के बीच प्रभावी समन्वय बेहद महत्वपूर्ण होता जा रहा है। यह वीएलएफ स्टेशन हमारे समुद्री हितों को सुरक्षित करने की दृष्टि से बनाया जा रहा है। यह सशस्त्र बलों के कमांड सेंटरों के साथ हमारे जहाजों और पनडुब्बियों के बीच सुरक्षित और वास्तविक समय संचार सुनिश्चित करेगा। अचूक संचार प्रणाली जीत और हार के बीच निर्णायक कारक साबित होती है। वास्तविक समय संचार के बिना, हम पर्याप्त उपकरण या जनशक्ति होने के बावजूद बढ़त हासिल नहीं कर सकते।

मजबूत संचार प्रणाली के महत्व पर प्रकाश डालते हुए रक्षा मंत्री ने इसे किसी भी जटिल ऑपरेशन में समन्वय के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक स्पष्ट और सुरक्षित संचार चैनल न केवल समय पर और प्रभावी निर्णय लेने में मदद करता है, बल्कि कमांड के आदेशों को फील्ड संरचनाओं तक पहुंचाने और फीडबैक प्राप्त करने का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम है। श्री सिंह ने कहा कि यदि सैनिकों को युद्ध के मैदान या ऑपरेशनल माहौल में पूरी जानकारी दी जाती है, तो उनके मनोबल और एकता को बड़ा बढ़ावा मिलता है, जिससे सुरक्षा और रणनीति दोनों में वृद्धि होती है।

रक्षा मंत्री ने हिंद महासागर क्षेत्र में लगातार बढ़ती वैश्विक रुचि के मद्देनजर भारतीय नौसेना को लगातार सशक्त बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हमारी रुचि पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में फैली हुई है। हम इस क्षेत्र में प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता और पसंदीदा सुरक्षा भागीदार के रूप में भी उभरे हैं। आज, कई देशों ने अपना ध्यान इस क्षेत्र में समुद्री संसाधनों की ओर स्थानांतरित कर दिया है। यदि भारत को अपने वाणिज्यिक और सुरक्षा हितों को सुरक्षित रखना है और गहरे समुद्र में एक मजबूत ताकत बने रहना है, तो उसके पास अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म/उपकरण और एक मजबूत संचार प्रणाली होना आवश्यक है।

बेबुनियाद बातें ...

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि ईवीएम की मतदान से पांच-छह दिन पहले कमीशनिंग होती है, उस दिन इसमें बैटरी डाली जाती है। इसी दिन सिंबल भी डाले जाते हैं। कमीशनिंग के बाद बैटरी को सील करके उस बैटरी पर भी उम्मीदवार और उनके एजेंट के हस्ताक्षर होते हैं। कमीशनिंग के बाद ईवीएम उम्मीदवार और एजेंट के सामने स्ट्रांग रूम में जाती है। यहां ईवीएम की त्रिस्तरीय सुरक्षा होती है। मतदान के दिन भी यही प्रक्रिया होती है। सब दिखाया जाता है। यहां तक कि ईवीएम के नंबर भी शेयर किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि वोटिंग होने के बाद भी ईवीएम को दिखाकर उम्मीदवार के एजेंट के हस्ताक्षर होते हैं। कहीं ऐसा नहीं होता। मतगणना के वक्त भी यही पूरी प्रक्रिया होती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि ईवीएम में सिंगल यूज बैटरी होती है। बैटरी शुरू होने पर इसमें चार्ज प्रतिशत और वोल्टेज दिखता है। बैटरी को कम से कम 7.42 वोल्टेज चाहिए होते हैं। 5.8वोल्टेज होने पर बैटरी सिग्नल देती है कि बंद होने वाली है। इसलिए चुनाव आयोग ने ईवीएम को लेकर सब कुछ पारदर्शी रखा है।

दरअसल हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम के वक्त कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर ईवीएम और बैटरी में गड़बड़ी का आरोप लगाया था। कांग्रेस ने आयोग को ज्ञापन देकर 20 विधानसभाओं के परिणाम में गड़बड़ी की शिकायत की थी। अब चुनाव आयोग ने कांग्रेस के आरोपों का खंडन किया है।

31 प्रीडेटर ड्रोन...

उसे देखते हुए भारतीय नौसेना भी अपनी क्षमताओं में इजाफा कर रही है। अब प्रीडेटर ड्रोन मिलने के बाद नौसेना की ताकत में काफी बढ़ोतरी होगी क्योंकि सीमाओं की निगरानी रखने में इस प्रीडेटर ड्रोन बहुत मददगार साबित होंगे। मंगलवार को भारत और अमेरिका के बीच दो समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। जिसमें एक समझौते के तहत अमेरिका से भारत को 31 प्रीडेटर ड्रोन मिलेंगे, वहीं दूसरे समझौते के तहत इन ड्रोन के देश में ही रखरखाव, मरम्मत की सुविधा स्थापित की जाएगी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से कुछ हफ्ते पहले ही इस रक्षा सौदे पर हस्ताक्षर हुए हैं। जनरल एटॉमिक्स के सीईओ विवेक लाल भी सौदे पर हस्ताक्षर के समय दिल्ली में मौजूद रहे।

एमक्यू-9बी रीपर या प्रीडेटर ड्रोन की सबसे बड़ी खासियत ये है कि ये ड्रोन 40 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर करीब 40 घंटे तक उड़ान भर सकता है। यह ड्रोन सर्विलांस और हमले के लिहाज से बेहतरीन है और हवा से जमीन पर सटीक हमले करने में सक्षम हैं। यह हर प्रकार के मौसम में 40 घंटे से अधिक समय तक उपग्रह के माध्यम से उड़ान भर सकता है। अपनी क्षमताओं की वजह से प्रीडेटर ड्रोन को मानवीय सहायता/आपदा राहत, खोज और बचाव, कानून प्रवर्तन, विरोधी सतह युद्ध, पनडुब्बी रोधी युद्ध, एयरबोर्न माइन काउंटरमेसर, लंबी दूरी की रणनीतिक आईएसआर, ओवर-द-एयर लक्ष्यीकरण, पनडुब्बी रोधी युद्ध में इस्तेमाल किया जा सकता है।

एमक्यू-बी प्रीडेटर ड्रोन अमेरिका के एमक्यू-9 रीपर ड्रोन का एक वैरिएंट है। जुलाई 2022 में इसी ड्रोन से हेलफायर मिसाइल को लॉन्च कर अमेरिका ने अलकायदा के आतंकी अयमान अल जवाहिरी को ढेर किया था। यह ड्रोन हेलफायर मिसाइल के साथ ही 450 किलो विस्फोटक लेकर उड़ान भर सकता है। प्रीडेटर ड्रोन बनाने वाली कंपनी जनरल एटोमिक्स ने पहले भी भारतीय कंपनी भारत फोर्ज के साथ इस ड्रोन के कलपुर्जे बनाने का समझौता कर लिया है। कंपनी भारत में ही इन ड्रोन की मरम्मत और रखरखाव के लिए भी एमआरओ हब स्थापित करेगी। साथ ही कंपनी भारत को अपने स्वनिर्मित लड़ाकू ड्रोन बनाने में भी मदद करेगी।

भिखमंगा पाकिस्तान...

नौसेना प्रमुख ने कहा कि हमारे पास समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक सुविचारित रणनीति है। हमारे राष्ट्रीय समुद्री हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जहां तक चीन का सवाल है तो हम जानते हैं कि यह संख्या के मामले में सबसे बड़ी नौसेना बन गई है। हम उस पर भी नजर रख रहे हैं।

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि भारतीय शिपयार्डों में 63 जहाजों का निर्माण किया जा रहा है। इसमें डीपीएसयू, पीएसयू और एलएंडटी जैसे निजी उद्योग भी शामिल हैं। इसमें 17 ब्रावो जहाज सात से आठ हजार टन सक्षम फ्रिगेट हैं। हमारी लंबी अवधि की परियोजना के मुताबिक हमारे पास 24 फ्रिगेट होने चाहिए। इसलिए सात नए स्टील्थ फ्रिगेट उस क्षमता में ताकत जोड़ देंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना 2047 तक पूर्ण आत्मनिर्भर बल बन जाएगी। सतह से लेकर उपसतह तक सभी प्लेटफार्म भारत में बनाए जाएंगे। नौसेना मुख्यालय में हमने एक टू-स्टार रैंक अधिकारी के तहत दो टास्क फोर्स नियुक्त किए हैं जो अब उद्योग में जा रहे हैं। वह यह सीख रहे हैं कि हम किस तरह की तकनीक को अपना सकते हैं। इसमें हम कुछ हद तक सफल भी हुए हैं। मैं अगले कुछ महीनों को बड़ी उम्मीद के साथ देख रहा हूं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 16 अक्टूबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में हिंदी चेतना मास पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाकृअनुप- भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान हैदराबाद में 14 सितंबर से 13 अक्तूबर के दौरान आयोजित हिंदी चेतना मास समारोह के अंतर्गत हिंदी में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनमें वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक, शोध अध्येता आदि ने बड़े-ही उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया। इसके अलावा उक्त चेतना मास के दौरान हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया तथा हिंदी में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने हिंदी में हस्ताक्षर करके कार्यक्रम को सफल बनाया।

संस्थान में मंगलवार 15 अक्तूबर को हिंदी चेतना मास के दौरान आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं हेतु पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् गान से हुआ। तत्पश्चात डॉ. जिनु जेकब, वैज्ञानिक एवं प्रभारी, हिंदी कक्ष ने समारोह में उपस्थित पदाधिकारियों का स्वागत किया तथा संस्थान में 2023-2024 के दौरान संपन्न राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी गतिविधियों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने हिंदी चेतना मास के दौरान आयोजित विविध कार्यक्रमों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत कियातथा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी सहभागियों, निर्णायकों के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक ने संस्थान में राजाभाषा कार्यान्वयन को प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु ऋतु दलाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा जी सरस्वती, आहरण एवं संवितरण अधिकारी को वार्षिक नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए। तत्पश्चात उन्होंने प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं सहभागियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र तथा निर्णायकों को स्मृति चिह्न प्रदान किए।डॉ. तारा सत्यवती ने इस भव्य समारोह में नव-नियुक्त कार्मिकों के उत्साह व उमंग को देखकर अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति दल-भावना से ही संभव है, अतः सभी को एक-दूसरे की सहायता करते हुए संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन को नए आयाम प्रदान करने चाहिए। हिंदी ही एक ऐसा स्तंभ है जो विविध संस्कृति, भाषा, भाव, व्यंजन, व्यवहार आदि से सराबोर भारत को एक सूत्र में बांधे हुए है। प्रत्येक अधिकारी का यह कर्तव्य है कि वह गलतियों के कारण होने वाली झिझक से दूर रहकर हिंदी में कार्य को प्रमुखता दें और संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन को तीव्र गति प्रदान करें। अंत में डॉ. महेश कुमार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन, तत्पश्चात राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ। संस्थान में संपन्न पूरे हिंदी चेतना मास समारोह के कार्यक्रमों का संचालन एवं समन्वय डॉ. सी तारा सत्यवती के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. महेश कुमार के द्वारा किया गया।

श्री श्याम मंदिर में गीत चांदनी का शारदोत्सव कवि सम्मेलन आज

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरद्वय के कवियों की लोकप्रिय और सक्रिय संस्था गीत चांदनी के तत्वावधान में काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन के पास स्थित श्री श्याम मंदिर सेवा समिति, वीरन्ना गुट्टा के सौजन्य से शारदोत्सव कवि सम्मेलन का आयोजन बुधवार, 16 अक्तूबर को सायं 6 बजे से संपन्न होगा। शारदोत्सव कवि सम्मेलन में सुप्रसिद्ध समाज सेवी अमृत कुमार जैन, पूर्व जज टी. गोपाल सिंह, सुप्रसिद्ध डॉ. अनिरुद्ध कुमार पुरोहित, सुप्रसिद्ध डॉ. मोहन गुप्ता, एपी फ़िल्म काउंसिल के पदाधिकारी सुधीर मिश्रा, समाज सेवी परमानंद बंसल, समाज सेविका अरुणा शिंदे, रामदेव अग्रवाल, मिलिंद प्रकाशन के श्रुतिकांत भारती और विभा भारती आदि मुख्य अतिथि, सम्माननीय अतिथि, विशेष अतिथि और विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित रहेंगे।

इस अवसर पर हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद द्वारा प्रकाशित विवरण पत्रिका की संपादिका डॉ. सुषमा देवी शरद पूर्णिमा के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगी। अवसर पर दक्षिण से प्रकाशित कविता प्रधान मासिक पत्रिका गोलकोण्डा दर्पण के नये अंक का लोकार्पण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और सुप्रसिद्ध समाज सेवी अमृत कुमार जैन द्वारा संपन्न होगा।

हिंदी साहित्य में सूफी संतों का योगदान विषयक संगोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना की वर्चुअल सत्रहवीं संगोष्ठी बीते रविवार को आयोजित की गई। डॉ. रमा द्विवेदी अध्यक्ष ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह कार्यक्रम प्रखर व्यंग्यकार रामकिशोर उपाध्याय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। नगर की सुप्रसिद्ध वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सुषमा देवी बतौर मुख्य वक्ता एवं वरिष्ठ साहित्यकार एवं प्रखर समीक्षक डॉ. जयप्रकाश तिवारी बतौर विशिष्ट अतिथि मंचासीन रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ संगीतज्ञ शुभ्रा महंतो द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तत्पश्चात प्रदेश इकाई की अध्यक्षा डॉ. रमा द्विवेदी ने अतिथियों का परिचय दिया। उन्होंने संस्था का परिचय देते हुए कहा युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच एक वैश्विक संस्था है जो हिंदी साहित्य के प्रचार-प्रसार के साथ अन्य सभी भाषाओं के संवर्धन हेतु कार्य करती है।

विशिष्ट अतिथि डॉ जयप्रकाश तिवारी ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा साधक और साध्य, बंदे और खुदा के बीच निर्मल प्रेम तत्व को सूफियों ने इतनी तल्लीनता से हृदयंगम होकर सींचा है कि हिन्दी साहित्य की निर्गुण धारा में प्रेमाख्यान काव्यधारा नाम से एक नई नवेली, दुलारी, प्यारी परंपरा ही चल पड़ी, जिसे संत साहित्य के नाम से सूफी संतों, मुस्लिम संतों और भारतीय संतों ने मिलजुल कर गाया। जुगलबंदी, संगति ऐसी कि प्रेम और प्रेम में विरह भक्ति, प्रेमी के लिए तड़प, प्रणय और सायुज्य की ललक भक्ति का एक निर्मल मानक बनकर भक्तिकाल को हिंदी साहित्य का मुकुटमणि, स्वर्ण काल बना गया।

हम कह सकते हैं कि भक्तिकाल के विकास और उसे हिंदी साहित्य का स्वर्णकाल बनाने में सूफियों का महत्वपूर्ण योगदान है।

मुख्य वक्ता डॉ सुषमा देवी ने अपने तथ्यपरक एवं शोधपूर्ण वक्तव्य में कहा हिंदी साहित्य को स्वर्ण युग बनाने में सूफी संतों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रबंध काव्य शैली, लोक जीवन की उपस्थिति, लोक भाषा के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक चेतना के विकास में सूफी संतों ने अप्रतिम योगदान दिया। भारतीय सांस्कृतिक समन्वय की विराट चेष्टा करते हुए विविधता में एकता की दृष्टि को सूफी संतों ने पुष्ट किया। संगोष्ठी के अध्यक्ष रामकिशोर उपाध्याय ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा सूफी कवियों ने वेदांत, ज्योतिष, संगीत ,काव्य शास्त्र, तत्व ज्ञान, शरीर, जीवात्मा और मनोवृत्तियों को लेकर प्रेम -कहानियों को काव्य रूप में हिन्दू कवियों की तरह ही गूंथा है। इन सभी सूफ़ी संत कवियों ने पाठकों के सभी वर्गों की रुचि का ध्यान रखते हुए प्रेम, शास्त्र-ज्ञान और वैराग्य तीनों का समन्वय करके हिंदी साहित्य /काव्य को समृद्ध ही नहीं किया बल्कि हिंदी -मुस्लिम समाज के मध्य सौहार्द स्थापित करने का एक श्लाघनीय प्रयास भी किया है। सभी सूफी कवि हिंदी साहित्य में अपने अमूल्य योगदान हेतु हमेशा याद रखे जायेंगे। इस परिचर्चा में डॉ. राशि सिन्हा ने अपने महत्व-पूर्ण विचार प्रस्तुत करके सहभागिता निभाई और दर्शन सिंह एवं बिनोद गिरि अनोखा ने गुरु वाणी पर बात रखी।

दूसरे सत्र में काव्य गोष्ठी आयोजित की गई। उपस्थित रचनाकारों ने विविध विषयों पर सृजित सुंदर सरस रचनाओं का काव्य पाठ करके वातावरण को खुशनुमा बना दिया। विनीता शर्मा, शिल्पी भटनागर, दर्शन सिंह, डॉ सुषमा देवी, डॉ राशि सिन्हा, सरिता दीक्षित, डॉ रमा द्विवेदी, डॉ जयप्रकाश तिवारी, प्रियंका पाण्डे, किरण सिंह, इंदु सिंह, बिनोद गिरि अनोखा, शुभ्रा महंतो, राजेश कुमार सिंह, शोभा देशपाण्डे, उषा शर्मा, डॉ किरण कुमारी ने काव्यपाठ किया। रामकिशोर उपाध्याय ने अध्यक्षीय टिप्पणी में कहा कि आज की संगोष्ठी बहुत सफल और सार्थक रही। सभी रचनाकारों की विविध रससम्पृक्त रचनाओं गीत, ग़ज़ल, मुक्तक, कविता, क्षणिका एवं भक्ति गीत की प्रस्तुति ने सुन्दर समां बाँध दिया। उन्होंने सभी को बधाई और शुभकामनाएं दीं और अध्यक्षीय काव्य पाठ किया। तृप्ति मिश्रा, रमाकांत श्रीवास, पूनम झा, भगवती अग्रवाल, डॉ सुरभि दत्त, डॉ ममता श्रीवास्तव, रेखा अग्रवाल ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज की। संगोष्ठी का संचालन शिल्पी भटनागर ने किया और किरण सिंह के आभार प्रदर्शन से कार्यक्रम समाप्त हुआ।

तेरापंथ भवन में सामूहिक आयंबिल अनुष्ठान व तप का आयोजन

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण की विदुषी सुशिष्या शासनश्री साध्वी शिवमाला जी आदि ठाणा 4 के सानिध्य में तेरापंथ महिला मंडल एवं तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद के तत्वावधान में बीते रविवार को डीवी कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में आयंबिल तप व सामूहिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया । साध्वीश्री जी ने आयंबिल अनुष्ठान करवा कर सभी को आयंबिल तप का पचखाण करवाया। तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्ष कविता आच्छा ने सभी का स्वागत व अभिनंदन करते हुए तप करने वालों की अनुमोदिना प्रेषित की। लगभग 150 भाई बहनों ने बड़े ही उत्साह के साथ इस आयोजन में भाग लेकर सामूहिक आयंबिल तप किया।

कुछ भाई बहनों ने अपने-अपने घर पर भी आयंबिल तप किया। इस आयोजन को सुव्यवस्थित करने के लिए रीता सुराणा, अंजू चौरडिया, अंजू गोलछा, डिंपल बैद, चेतन मरलेचा, रवि कोठारी आदि का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में चंदा जैन, विमलेश सिंघी, अर्पिता लोढ़ा, तेयुप उपाध्यक्ष मनीष पटावरी, मंत्री अनिल दुगड, मंत्री सुशीला मोदी, सहमंत्री जिनेंद्र सेठिया, प्रवीण श्यामसुखा, लक्ष्मीपत बैद, वीरेंद्र घोषल, मीनाक्षी सुराणा, अरिहंत गुजरानी की विशेष उपस्थिति रही। महिला मंडल व युवक परिषद ने आयंबिल करने वालों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद की विशेष बैठक आयोजित

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद के कार्यकारिणी सदस्यों की विशेष बैठक रविवार को परशुराम मंदिर जगतगीर गुट्टा में शाम 7:00 बजे संपन्न हुई। समाज के महाचिव सुनील सिंह ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कहा कि यह बैठक विशेष रूप से आगामी दिवाली-दशहरा-छठ मिलन समारोह के आयोजन हेतु की बुलाई गई।

सदस्यों के बीच विचार विमर्श के उपरांत समाज के अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा ने सबके सुझाव से तय किया कि दिवाली-दशहरा-छठ मिलन समारोह का आयोजन 27 अक्टूबर रविवार को किया जाएगा और आयोजन स्थल समाज का अपना परशुराम मंदिर प्रांगण रहेगा। उपाध्यक्ष अनीता राय ने कहा कि यह वर्ष समाज का रजत जयंती वर्ष है अतः इस वर्ष का सभी समारोह हमारे लिए विशेष है और हर वर्ष की तरह इस बार भी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्मर्षि महिलाएं कर लेंगी। सहसचिव ने कहा कि हमारे पास समय कम है अतः जितनी जल्दी हो सके आमंत्रण पत्र बन जाना चाहिए और सदस्यों को आमंत्रित करने का कार्य शुरू होना चाहिए। कार्ड बनाने की ज़िम्मेदारी उन्होंने स्वयं ली।

आयोजन संबंधी ख़ान-पान, टेंट, शामियाना आदि व्यवस्थाओं की ज़िम्मेदारी महासचिव ने लिया और सबको आश्वस्त किया कि यह कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो जाएगा। कोषाध्यक्ष प्रेमशंकर सिंह ने कहा कि सदस्यों को आमंत्रित करने में उनका सक्रिय योगदान रहेगा और इस विषय में वे गोविंद राय से विचार विमर्श कर लेंगे। तत्पश्चात् समाज के वार्षिकोत्सव मनाने के विषय पर भी चर्चा की गई।

चूंकि ये 25वां वार्षिकोत्सव होगा अतः बैठक में तय किया गया कि आगामी वार्षिक समारोह जो कि 26 जनवरी 2025 को मनाया जाएगा उसे राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाए। जिसमें देश के विभिन्न ब्रह्मर्षि समाज से ब्रह्मर्षियों को आमंत्रित कर उन्हें सम्मानित किया जाएगा और हैदराबाद ब्रह्मर्षि के पहचान चिह्न उपहार स्वरूप दिए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि वार्षिकोत्सव के अवसर पर एक संस्मारिका भी निकाली जाएगी जिसमें समाज के 25 वर्षों का इतिहास और गतिविधियों का उल्लेख होगा जो समाज की आगामी पीढ़ी के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकता है। अंत में बैठक में उपस्थित कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने समाज के सभी बंधुओं से विशेष अनुरोध किया कि 27 अक्टूबर को दिवाली समारोह में अपने समस्त परिवार के साथ भाग लें और इस आयोजन का आनंद उठाएं तथा इसे सफल बनाएं।

बाबा जयरामदास के जन्मोत्सव पर अन्नदान का आयोजन

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिद्ध संत महा तपस्वी श्री श्री 1008 परमहंस बाबा जयरामदास जी महाराज के जन्मोत्सव पर राधे राधे ग्रुप ने अन्नदान किया। इस बाबत जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के सौजन्य से पब्लिक गार्डन नामपल्ली में मंगलवार को परमहंस संत श्री बाबा जयरामदासजी महाराज जन्मोत्सव पर अन्नदान किया गया। आज की सेवा बाबा जयरामदास सेवा संघ की और से की गई। इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, आशा अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल,अरविंद गुप्ता, उमरानी, आनंद गुप्ता, सुभाष अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुशील गुप्ता, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, महेश अग्रवाल सहित ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

हैदराबाद में ऑटो चालक ने महिला से बलात्कार किया

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के हैदराबाद में एक महिला ने मंगलवार तड़के गाचीबॉवली थाने में एक ऑटो चालक के खिलाफ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया। पीड़िता ने गाचीबोवली पुलिस स्टेशन में शिकायत की कि आरोपी उसे मस्जिद बंदा इलाके में एक स्कूल के पास एक सुनसान जगह पर ले गया और उसके साथ बलात्कार किया।

29 वर्षीय निजी कर्मचारी, जो चेन्नई से लौटी थी और 2.15 बजे लिंगमपल्ली स्टेशन पर उतरी, नानकरामगुडा जाने के लिए एक ऑटोरिक्शा में सवार हुई जहां वह रहती है। महिला ने पुलिस को बताया कि जब वह मदद के लिए चिल्लाई तो आरोपी ने उसका गला घोंटने की कोशिश की। उसने उसका हैंडबैग भी छीन लिया जिसमें नकदी और एक पहचान पत्र था। उसने शिकायत में कहा कि एक राहगीर को देखकर आरोपी भाग गया। उसने 100 नंबर डायल कर पुलिस को सूचना दी। पीड़िता ने पुलिस को यह भी बताया कि ऑटो रिक्शा पर नंबर प्लेट भी नहीं थी।

उसकी शिकायत पर साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट के तहत गाचीबोवली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि महिला अमीरपेट में एक निजी कंपनी में करती है और सोमवार देर रात करीब 02:30 बजे रामचंद्रपुरम (आरसी पुरम) से ऑटो में सवार हुई। मस्जिद बंदा इलाके में पहुंचने पर ऑटो चालक ने कथित तौर पर उसका यौन उत्पीड़न किया और फिर मौके से भाग गया। पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए भेजा और मामले की जांच में जुट गई। जांच अधिकारियों ने आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी हैं।

बहादुरपुरा वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित हरिनाम संकीर्तन में एच जी विश्वकीर्ति जी पधारे। हरिनाम संकीर्तन का आयोजन मुकुंद लाल अग्रवाल, कमल ओझा, विजय मिश्रा, गोपी भाई, ऋषि भाई, दामू कांकाणी, मोतीलाल केडिया, दीपक पारीक एवं सारे प्रभात फेरी शिव मंदिर मंडली द्वारा किया गया।

लाइन कर्मियों को सुरक्षात्मक किट का लाभ उठाना चाहिए : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि गीता कार्यकर्ताओं के कल्याण के तहत, उन्हें सरकार द्वारा प्रदान की गई कटमैया सुरक्षा किट का लाभ उठाना चाहिए। मंगलवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला समाहरणालय भवन सभाकक्ष में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा आयोजित कटमैया सुरक्षा किट वितरण कार्यक्रम में एसपी डी.वी. श्रीनिवास राव ने आसिफाबाद विधायक कोवा लक्ष्मी और जिला उत्पाद शुल्क विभाग पर्यवेक्षक ज्योति किरण के साथ भाग लिया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार गीता कार्यकर्ताओं के कल्याण एवं सुरक्षा के लिए कई कार्यक्रम चलाएगी और इसी क्रम में गीता कार्यकर्ताओं को दुर्घटनाओं से बचाव के लिए प्रशिक्षण दिया गया है तथा कटमैया सुरक्षा किट उपलब्ध करायी गयी है। उन्होंने कहा कि सिरपुर विधानसभा क्षेत्र में 38 गीता कार्यकर्ताओं को और आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्र में 31 लोगों को ये किट प्रदान की जाएंगी, गीता कार्यकर्ता इन सुरक्षात्मक किटों को पहनकर पेड़ों पर चढ़ें और दुर्घटनाओं से बचने के लिए सावधानी बरतें।

आसिफाबाद निर्वाचन क्षेत्र के विधायकों ने कहा कि गौड़ा जाति के लोग पीढ़ियों से गीता पेशे को जारी रखकर अपनी आजीविका कमा रहे हैं, परिवार गीता कार्यकर्ता पर निर्भर है और प्रत्येक गीता कार्यकर्ता को सुरक्षात्मक कपड़े पहनकर अपना पेशा जारी रखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं से बचें और परिवार के कल्याण के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि गीता कार्यकर्ताओं को सुरक्षा किट उपलब्ध कराकर उनके कल्याण के लिए कदम उठाए जाएंगे। प्राथमिक कृषि सहकारी समिति के अध्यक्ष अलीबिल अहमद, जिला प्रभारी पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग अधिकारी सजीवन, रमेश, गौड़ा समुदाय के नेता बालेश गौड़, रंगा महेश गौड़, गीता कार्यकर्ता और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

विधायक की सख्ती पर व्यापारी खुद हटा रहे अवैध निर्माण

मंचेरियाल, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल विधायक कोक्किरला प्रेमसागर राव ने 12 अक्टूबर को स्थानीय बाजार क्षेत्र का निरीक्षण किया था और व्यापरियों को अवैध निर्माण पर सख्ती के निर्देश दिए गए थे। विधायक ने इससे पहले किए निरीक्षण में लोगों को 15 तारीख तक अवैध निर्माण ध्वस्त करने का कहा था। विधायक के आदेशानुसार मंचेरियाल जिले में अवैध निर्माण पर सख्ती बरती जा रही है। स्थानीय बाजार क्षेत्र में लोग अपनी दुकानों के सामने बनी अवैध सीढ़ियां और शेड खुद निकाल रहे है और विधायक के आदेश का पालन कर रहे है।

मंडल कृषि अधिकारी ने सोया खरीद केंद्र का किया निरीक्षण

मदनूर, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो) मदनूर सोसायटी के सीईओ मंडल कृषि अधिकारी राजू ने मदनूर बाजार समिति द्वारा स्थापित सोयाबीन खरीद केंद्र का मंगलवार के दिन निरीक्षण किया।

मंडल कृषि अधिकारी राजू ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि किसानों को समय-समय पर फसल की कटाई करनी चाहिए ताकि किसानों को असुविधा न हो और सभी गांवों के किसान एक ही समय पर सोया खरीदी केंद्र पर सोयाबीन की फसल बीज बिक्री करने न लाएं। इसके लिए हर रोज एक गांव को तारीख दी जाएगी। किसान सोयाबीन लाते समय अपने गांव के एईओ से सोयाबीन बिक्री टोकन लेकर केंद्र पर आ सकते हैं। इस कार्यक्रम में सोसायटी के सीईओ बाबू राव, एईओस, सौम्या, अनिल, बाजन्ना और किसानों ने भाग लिया।

तेलंगाना में 17 से 19 अक्टूबर तक आंधी चलने का अनुमान

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में 17 से 19 अक्टूबर तक अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजलीी चमकने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ आंधी आने का अनुमाान जताया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

मौसम विभाागा ने यहां दैनिक मौसम रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले 48 घंटों के दौरान राज्य में अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने के साथ आंधी आ सकती है।

तेलंगाना में कुछ स्थानों पर या अलग-अलग स्थानों पर अगले पांच दिनों के दौरान हल्की से मध्यम बारिश या फिर गरज के साथ बौछारे पड़ने का अनुमान जताय गया है। राज्य में दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पिछले 24 घंटों के दौरान तेलंगाना में कुछ स्थानों पर बारिश हुई।

17 अक्टूबर को शैक्षणिक संस्थानों में छुट्टी रहेगी : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने एक बयान में कहा कि 17 अक्टूबर को कोमुराम भीम की 84वीं पुण्यतिथि के अवसर पर जिले के सार्वजनिक और निजी स्कूलों और कॉलेजों के लिए छुट्टी घोषित की गई है। उन्होंने कहा कि जिले के सार्वजनिक एवं निजी शिक्षण संस्थानों में इस माह की 17 तारीख को अवकाश रखा जाए तथा इसके स्थान पर 9 नवंबर को द्वितीय शनिवार को कार्य दिवस के रूप में रखा जाएगा।

राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए कीर्ति अग्रवाल का चयन

मंचेरियाल, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

खेलो इंडिया बॉक्सिंग सेंटर के कोच चिलुवेरु राजेश ने कहा कि मंचेरियाल खेलो इंडिया बॉक्सिंग सेंटर में प्रशिक्षण ले रही कीर्ति अग्रवाल को राष्ट्रीय अंडर-14 मुक्केबाजी प्रतियोगिता के लिए चुना गया है।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अकादमी इस माह की 15 से 22 तारीख तक हरियाणा के रोहतक में होने वाली राष्ट्रीय अंडर-14 बॉक्सिंग प्रतियोगिता में भाग लेगी। जिला खेल विभाग पदाधिकारी कीर्ति राज ने कीर्ति अग्रवाल को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयनित होने पर बधाई दी।

अलाई बलाई कार्यक्रम का आयोजन

मंचेरियाल, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिरपुर कागजनगर कस्बे के पद्मसाली भवन में सोमवार को दशहरा अलाई बलाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आदिलाबाद सांसद जी. नागेश, सिरपुर विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने भाग लिया। इस अवसर पर सांसद ने बताया कि हथकरघा शिल्प को संरक्षण देने की सभी को जरूरत है। कार्यक्रम में भारत राष्ट्र समिति के नेता डॉ. आरएस प्रवीण कुमार व अन्य ने भाग लिया।

किराए के भुगतान में देरी से आवासीय शिक्षण संस्थानों पर मालिकों ने जड़े ताले

मंचेरियाल, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले में मंगलवार को सरकार द्वारा किराए के भुगतान में देरी के विरोध में मालिकों ने किराए के परिसरों में चल रहे आवासीय शिक्षण संस्थानों पर ताला जड़ दिया। बेल्लमपल्ली, लक्सेटीपेट कस्बों और मंचेरियाल जिले के अन्य हिस्सों में महात्मा ज्योतिबा फुले तेलंगाना पिछड़ा वर्ग आवासीय विद्यालय को मालिकों ने बंद कर दिया।

मालिकों के संघ के सदस्यों ने स्कूलों के मुख्य द्वार पर एक बैनर प्रदर्शित किया जिसमें मालिकों के निर्णय के पीछे का कारण बताया गया है। निर्मल, मंचेरियाल,

आदिलाबाद और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों के विभिन्न हिस्सों में लगभग 20 स्कूल बंद कर दिए गए। बैनर पर लिखा है कि 30 महीने से किराए के भुगतान में अत्यधिक देरी के कारण 15 अक्टूबर से इमारतों को बंद किया जा रहा है। उच्च अधिकारियों को कई बार ज्ञापन सौंपे गए इसके बावजूद इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया गया।

अब किराया मिलने के बाद ही इमारतें खोली जाएंगी। असुविधा के लिए खेद है। तेलंगाना समाज से अनुरोध है कि वे हमारी दुर्दशा को समझें। इस बीच एसोसिएशन के सदस्यों ने कहा कि विरोध प्रदर्शन के तहत तेलंगाना भर में करीब 120 स्कूलों को बंद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि किराए का भुगतान न होने के कारण उन्हें भारी वित्तीय बोझ का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की कि वह जल्द से जल्द किराए को जारी करने के लिए कदम उठाएं और आवासीय शिक्षण संस्थानों में छात्रों को होने वाली असुविधा से बचाएं।

अब दूध और दही की भी होने लगी चोरी

मंचेरियाल, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल शहर में रविवार सुबह-सुबह दूध और दही की चोरी हो गई। स्थानीय श्रीनिवास टॉकीज रोड पर एक दुकान पर बिक्री के लिए रखे दूध और दही के पैकेट का एक डिब्बा कोई अज्ञात व्यक्ति उठा ले गया। दुकान के मालिक संपत को सीसीटीवी फुटेज में चोरी का पता चला और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विधायक ने गौतम बुद्ध प्रतिमा का अनावरण किया

मदनूर, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जुक्कल विधायक थोटा लक्ष्मी कांता राव ने गौतम बुद्ध की प्रतिमा के अनावरण में भाग लिया। जुक्कल विधायक थोटा लक्ष्मी कांताराव ने आज मदनूर मंडल केंद्र में एससी कॉलोनी में 13 लाख रुपये के सीडीपी फंड से एससी सामुदायिक हॉल का उद्घाटन किया।साथ ही सामुदायिक भवन में गौतम बुद्ध की प्रतिमा का अनावरण किया गया। भारत रत्न बाबा साहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर फूल माला अर्पण करने के बाद सोमवार के दिन मुख्य बाजार से एससी सामुदायिक भवन तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं सहित अन्य लोगों ने भाग लिया।

लंबित बिलों का भुगतान किया जाए

मंचेरियाल, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला सरपंच फोरम के अध्यक्ष सबा वट शंकर ने मंचेरियाल जिला कलेक्टर कुमार दीपक से जिले के 311 ग्राम पंचायतों में लंबित बिलों का भुगतान करने को कहा। इस संबंध में प्रजावाणी में कलेक्टर को प्रार्थना पत्र सौंपा गया। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों के शासनकाल में गांवों में किये गये विकास के साथ-साथ डीएमएफटी के बिल लंबित हैं। ग्राम सचिव और एमपीओ पूर्व में बने लंबित एमबी रिकॉर्ड के अलावा 5 हजार रुपए से कम के हर बिल को आधार मानकर सरपंचों के साथ न्याय करना चाहते हैं। कलेक्टर ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे इसे शासन के संज्ञान में लाएंगे।

सभी लाल झंडे वाली पार्टियों को एकजुट होना चाहिए

मंचेरियाल, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेल्लमपल्ली एमसीपीआई (यू) के राज्य सचिव गढ़वोनी रवि ने कहा कि सभी लाल झंडा दलों को शोषण के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। उन्होंने बेल्लमपल्ली में एमसीपीआई (यू) पार्टी कार्यालय में आयोजित एक बैठक में बात की एमसीपीआई (यू) के संस्थापक और पूर्व विधायक मद्दीकयाला ओंकार की 16वीं पुण्य तिथि इस महीने की 17 तारीख को वारंगल जिले के माचापुरम में आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर आयोजित विशाल सम्मेलन को सफल बनाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि लाल झंडे वाली पार्टियों से ही गरीबों को न्याय मिलेगा। इस बैठक में एमसीपीआई (यू) केंद्रीय समिति के सदस्य कुमारस्वामी, संयुक्त करीमनगर जिला सचिव कृष्णा रेड्डी, जिला सचिव एस. राजेंद्र प्रसाद,सहायक सचिव पी.वेंकटेश, नेता के.श्री निवास, सतीश, आकाश और रमेश ने भाग लिया।

गुडीपेट बटालियन में खेल प्रतियोगिताएं प्रारंभ

मंचेरियाल, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कमांडेंट वेंकट रामुलु ने कहा कि हाजीपुर मंडल के गुड़ी पेटा की 13वीं विशेष तेलंगाना पुलिस बटालियन ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए मंगलवार से चार दिनों तक खेल का आयोजन कर रही है। 100 मीटर, 400 मीटर दौड़, ऊंची कूद, शॉर्ट फुट, डिस्कस थ्रो, शटल बैडमिंटन, टेनिस कोइट, कैरम, शतरंज, कबड्डी, वॉलीबॉल और क्रिकेट प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

धनराशि के दुरुपयोग पर कार्रवाई हो

मंचेरियाल, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

देवुलावाड़ा जेडपीएचएस में फील्ड ट्रिप फंड के दुरुपयोग के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए डेमोक्रेटिक टीचर्स फेडरेशन के तत्वावधान में डीईओ यादेया को एक याचिका सौंपी गई। पीएम श्री के तहत 2023-24 छात्रों को फील्ड ट्रिप पर जाने के लिए धन आवंटित किया है। आरोप है कि छात्रों को टूर पर ले जाए बिना ही फंड निकाल लिया गया और फर्जी ऑडिट बिल में एसएमसी अनुदान जमा करा दिया गया। उन्होंने राशि के दुरुपयोग पर कार्रवाई करने को

कहा। इस कार्यक्रम में डीटीएफ के जिला अध्यक्ष रमेश और महासचिव जयकृष्ण ने भाग लिया।

जनसांख्यिकीय अव्यवस्था के परिणाम परमाणु बम से कम गंभीर नहीं : धनखड़

जयपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देश में जनसांख्यिकीय अव्यवस्था के बढ़ते खतरे पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि जनसांख्यिकीय विकार के परिणाम परमाणु बम से कम गंभीर नहीं हैं।

श्री धनखड़ मंगलवार को यहां बिड़ला ऑडिटोरियम में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (सीए) के लिए आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनसांख्यिकीय अव्यवस्था कुछ क्षेत्रों को राजनीतिक किलों में बदल रही है जहां चुनावों का कोई वास्तविक अर्थ नहीं है। यह बेहद चिंताजनक है कि इस रणनीतिक बदलाव से कुछ क्षेत्र कैसे प्रभावित हुए हैं, जिससे वे अभेद्य गढ़ों में बदल गए हैं जहां लोकतंत्र ने अपना सार खो दिया है। यह ध्यान देने योग्य है कि नागपुर में विजयादशमी समारोह में अपने हालिया भाषण में मोहन भागवत ने संकेत दिया है कि बांग्लादेश में हिंदुओं को उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है और वे अल्पसंख्यक हो गए हैं। इससे पहले भी उन्होंने देश में धर्म आधारित जनसंख्या संतुलन पर ध्यान देने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि भारत को एक स्थिर वैश्विक शक्ति बने रहना चाहिए। इस ताकत को अभी और उभरना होगा। यह सदी भारत की होनी चाहिए और यह मानवता के लिए अच्छा होगा, जो दुनिया में शांति और सद्भाव में योगदान देगा। यद्यपि अगर हम इस देश में होने वाली जनसांख्यिकीय उथल-पुथल के खतरों से आंखें मूंद लेते हैं तो यह देश के लिए हानिकारक होगा।

उपराष्ट्रपति ने स्पष्ट करते हुए बताया कि जैविक, प्राकृतिक जनसांख्यिकीय परिवर्तन कभी भी परेशान करने वाला नहीं होता किन्तु किसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए रणनीतिक तरीके से किया गया जनसांख्यिकीय बदलाव एक भयावह दृश्य पेश करता है। श्री धनखड़ ने इस बात पर ज़ोर दिया कि पिछले कुछ दशकों में इस जनसांख्यिकीय बदलाव का विश्लेषण करने से एक परेशान करने वाले पैटर्न का पता चलता है जो हमारे मूल्यों और हमारे सभ्यतागत लोकाचार एवं हमारे लोकतंत्र के लिए चुनौती पेश करता है। यदि इस बेहद चिंताजनक चुनौती को व्यवस्थित ढंग से संबोधित नहीं किया गया, तो यह राष्ट्र के लिए अस्तित्व संबंधी खतरे में बदल जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसा दुनिया में हुआ है, उन देशों का नाम लेने की ज़रूरत नहीं है जिन्होंने इस जनसांख्यिकीय विकार, जनसांख्यिकीय भूकंप के कारण अपनी पहचान सौ प्रतिशत खो दी है। उपराष्ट्रपति ने भारत को परिभाषित करने वाली समावेशिता को संरक्षित करने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, हम बहुसंख्यक के रूप में सभी का स्वागत करते रहे हैं। हम बहुसंख्यक के रूप में सहिष्णु हैं। हम बहुमत के रूप में एक सुखदायक पारिस्थितिकी तंत्र उत्पन्न करते हैं। उन्होंने इसकी तुलना दूसरे प्रकार के बहुमत से की जो क्रूर और निर्दयी है तथा अपने कामकाज में लापरवाह है और जो दूसरे पक्ष के मूल्यों को रौंद रहा है।

उन्होंने संकीर्ण विभाजनों को पीछे छोड़कर एक राष्ट्रवादी दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया जो भारत की विविधता को बढ़ावा देता है। भारत का एक सच्चा नागरिक अपनी आस्था की परवाह किए बिना, इस देश के गौरवशाली अतीत का जश्न मनाता है, क्योंकि वह हमारी साझा सांस्कृतिक विरासत है। भारत की एकता को खतरे में डालने वाली ताकतों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, हमारे साझा सांस्कृतिक विरासत पर कुठाराघात हो रहा है। उसको हमारी कमजोरी बताने का प्रयास हो रहा है। उसके तहत देश को ध्वंस करने की योजना बनी हुई है। ऐसी ताकतों पर वैचारिक और मानसिक प्रतिघात होना चाहिए।

श्री धनखड़ ने उन लोगों से उत्पन्न खतरे के बारे में भी बात करते हुए कहा स्वार्थ से प्रेरित ये तत्व, तुच्छ पक्षपातपूर्ण लाभ के लिए राष्ट्रीय एकता का बलिदान दे रहे हैं। वे हमें जाति, पंथ और समुदाय के आधार पर विभाजित करना चाहते हैं और ये ताकतें भारत के सामाजिक सद्भाव से समझौता करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। उन्होंने कहा राजनीति में कुछ लोगों को अगले दिन के अखबार की हेडलाइन के लिए राष्ट्रीय हित का त्याग करने या कुछ छोटे-मोटे पक्षपातपूर्ण हित साधने में कोई कठिनाई नहीं होती। हमें इस भूमि के परिदृश्य को बदलने के लिए इस दुस्साहस को बेअसर करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा हमारी विकास यात्रा दुनिया को आश्चर्यचकित कर रही है। हालांकि यदि सामाजिक एकता भंग होती है, यदि राष्ट्रवाद की भावना समाप्त हो जाती है या भीतर और बाहर राष्ट्र-विरोधी ताकतें देश में विभाजन का बीजारोपण करती हैं तो यह आर्थिक वृद्धि भी नाजुक साबित होगी है। हम सभी को इन खतरों के प्रति सचेत रहना चाहिए।

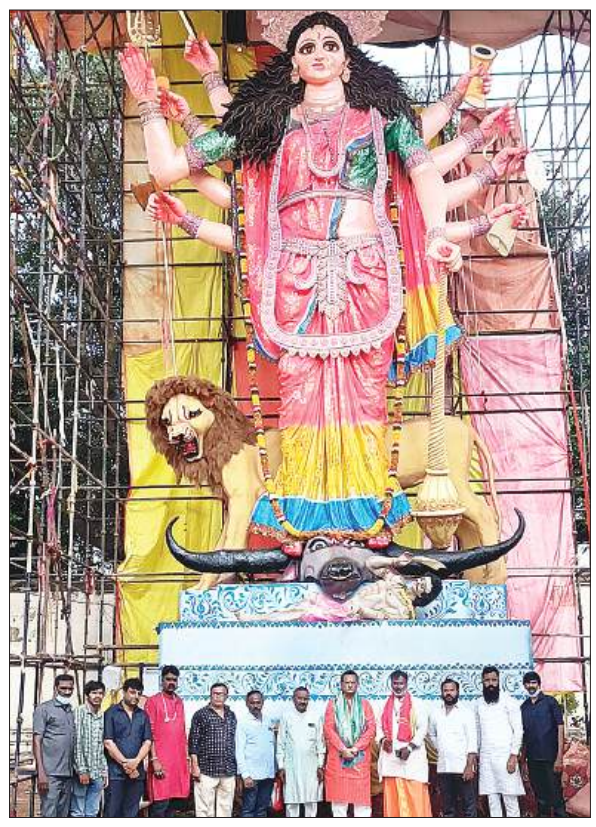

श्री नवदुर्गा नवरात्रि उत्सव समिति ईसामिया बाजार द्वारा सबसे बड़ी माता की मूर्ति स्थापित की गई। इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जायसवाल का सम्मान किया गया। इस अवसर पर आयोजक गुलाब श्रीनिवास गंगापुत्र एवं अन्य उपस्थित थे।

अश्विनी वैष्णव ने किया शेतकरी समृद्धि विशेष किसान ट्रेन का शुभारंभ

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय रेल, सूचना प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने महाराष्ट्र के देवलाली से बिहार के दानापुर तक मशेतकरी समृद्धिफ विशेष किसान रेलगाड़ी का मंगलवार को शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम का आयोजन महाराष्ट्र के देवलाली रेलवे स्टेशन पर आयोजित किया गया तथा रेल मंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से यहां रेल भवन से जुड़े।

श्री वैष्णव ने इस रेलगाड़ी का शुभारंभ करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य महाराष्ट्र के किसानों की उपज को तेजी से देश के अन्य राज्यों तक पहुंचाना है। यह ट्रेन नासिक, मनमाड़, जलगांव, भुसावल, इटारसी, जबलपुर, सतना और दीनदयाल उपाध्याय सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी, जिससे किसानों को अपनी उपज को सही समय पर और सही दाम पर बेचने का अवसर मिलेगा। किसान मात्र रुपये चार प्रति किलो की दर से अपनी उपज को देवलाली और नासिक जैसे इलाकों से बिहार तक भेज सकेंगे। रेल मंत्री के अनुसार इस ट्रेन में छोटे और बड़े किसानों के लिए पार्सल वैन के साथ-साथ साधारण श्रेणी के कोच भी लगाए गए हैं, जिससे किसान और श्रमिक दोनों को सफर की सुविधा मिलेगी। देवलाली से दानापुर तक की 1515 किमी लंबी दूरी पर भाड़ा प्रति किलोमीटर, प्रति किलोग्राम मात्र 28 पैसे से भी कम होगा, जिससे जल्दी खराब होने वाले उत्पादों का कम लागत पर परिवहन संभव होगा। यह गाड़ी न केवल किसानों को नए बाजार उपलब्ध कराएगी बल्कि श्रमिकों को भी सस्ती एवं सुविधाजनक यात्रा का साधन प्रदान करेगी, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार होगा।

श्री वैष्णव ने कहा कि महाराष्ट्र के किसानों के लिए यह एक नई पहल है, जो उन्हें उनकी फसलों के लिए बाजार में सही कीमत प्राप्त करने में मदद करेगी।

उन्होंने कहा कि यह ट्रेन किसानों के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू की गई है, जिसके सफल होने पर आगे भी ऐसे और किसान हितैषी रेलगाड़ियों की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने महाराष्ट्र के किसानों और जनता को बधाई दी और कहा कि यह ट्रेन महाराष्ट्र के किसानों की पुरानी मांग को पूरा करती है और इससे उनकी आय में वृद्धि होगी।

नागरिकों की सुरक्षा ही राष्ट्र की सुरक्षा का मूल बिंदु है

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने युवा पुलिस अधिकारियों से नागरिकों की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा पर विशेष ध्यान देने का आह्वान करते हुए कहा है कि नागरिकों की सुरक्षा ही राष्ट्र की सुरक्षा का मूल बिंदु है।

श्री शाह ने मंगलवार को यहां भारतीय पुलिस सेवा के 2023 बैच के प्रोबेशनर्स से संवाद किया। इस दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों ने ट्रेनिंग से जुड़े अपने अनुभव केन्द्रीय गृह मंत्री से साझा किए। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 2047 में विकसित भारत आतंकवाद मुक्त, नशा मुक्त, आंतरिक सुरक्षा से युक्त, मानवाधिकारों व नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाला होगा। गृह मंत्री ने कहा कि भारत ने सीमाओं की चाक चौबंद सुरक्षा करने के लिए बहुत कुछ कर लिया है और बाकी किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि पहले कश्मीर, नार्थ ईस्ट और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र तीन नासूर थे, लेकिन अब हमें इन तीनों जगहों पर हिंसा में 70 प्रतिशत तक की कमी लाने में सफलता प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि आज इन तीनों जगहों पर भारतीय एजेंसियों का संपूर्ण वर्चस्व है।

श्री शाह ने कहा कि अब समय आ गया है कि हमारे नागरिकों के मूलभूत अधिकारों की सुरक्षा के लिए पुलिस तंत्र आगे आए। साथ ही देश की सीमाओं के अंदर हो रहे अपराधों को कम करने के लिए पुलिस तंत्र मुस्तैदी बरते और हम अपने नागरिकों को कम से कम समय में न्याय दे पाएं। श्री शाह ने कहा कि नए कानूनों में न्यायिक प्रक्रिया को समयबद्ध किया गया है। 5 साल में पूरे देश के हर थाने में टेक्नोलॉजी के इंस्टॉलेशन, सॉफ्टवेयर के निर्माण और ट्रेनिंग सहित नए कानूनों को पूरी तरह लागू कर दिया जाएगा। उसके बाद प्राथमिकी रजिस्टर होने के बाद न्याय की प्रक्रिया तीन साल के अन्दर समाप्त हो जाएगी। श्री शाह ने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा का मतलब सिर्फ सीमा की सुरक्षा नहीं होता। राष्ट्र भूमि से और कानूनी तरीके से बनता है, परंतु राष्ट्र व्यक्तियों और नागरिकों से बनता है। नागरिक की सुरक्षा ही राष्ट्र की सुरक्षा का मूल बिंदु है। उन्होंने कहा कि जब वे सुरक्षा की बात करते हैं तो यह व्यक्ति की प्रॉपर्टी या उसके शरीर की सुरक्षा तक सीमित नहीं है बल्कि हमारे संविधान ने उसे जो उसको अधिकार दिए हैं उसकी सुरक्षा भी इसमें निहित हो जाती है। गरीब से गरीब व्यक्ति को इस देश के प्रधानमंत्री जितने अधिकार दिए गए हैं, इसकी सुरक्षा की ढेर सारी जिम्मेदारी पुलिस अधिकारियों पर है।

कांग्रेस ने प्रियंका को वायनाड से दिया लोकसभा का टिकट

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस ने पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए मैदान में उतारा है।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने श्रीमती वाड्रा को वायनाड सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने को मंजूरी दी है।

गौरतलब है कि श्रीमती वाड्रा की वायनाड से चुनाव लड़ने की चर्चा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के इस सीट से

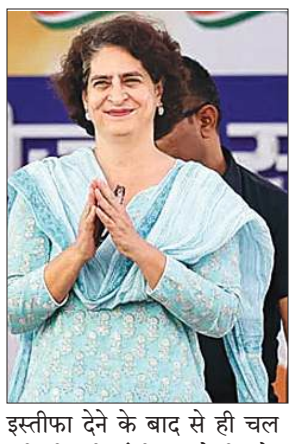

इस्तीफा देने के बाद से ही चल रही थी। श्री गांधी रायबरेली और वायनाड से चुनाव लड़े थे और दोनों जगह से चुनाव जीतने की बाद उन्होंने उत्तर प्रदेश में अपने परिवार के परंपरागत लोकसभा क्षेत्र रायबरेली का प्रतिनिधित्व करने का निर्णय लिया।

इस सीट से सोनिया गांधी चुनाव लड़ती रही हैं लेकिन 2024 के आम चुनाव में उन्होंने स्वास्थ्य का हवाला देते हुए चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया जिसके बाद श्री गांधी इस सीट से चुनाव लड़े और लोकसभा में पहुंचे।

परमेश शिवमणि ने भारतीय तटरक्षक के महानिदेशक का पदभार संभाला

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

परमेश शिवमणि ने मंगलवार को यहां भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) के 26वें महानिदेशक के रूप में पदभार संभाला।

फ्लैग ऑफिसर ने अपने साढ़े तीन दशक से अधिक के शानदार करियर के दौरान तट और जलपोत नियुक्तियों में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। परमेश शिवमणि नेविगेशन और डायरेक्शन क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं और उनकी समुद्री कमान में आईसीजी के सभी प्रमुख जहाज हैं, जिनमें उन्नत ऑफशोर पेट्रोल

वेसल मसमरफ और ऑफशोर पेट्रोल वेसल मविश्वस्तफ शामिल हैं। ध्वज अधिकारी तटरक्षक क्षेत्र (पूर्व), तटरक्षक क्षेत्र (पश्चिम), तटरक्षक कमांडर पूर्वी समुद्री तट के प्रमुख रहे हैं।

वह नेशनल डिफेंस कॉलेज, नई दिल्ली और डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन के पूर्व छात्र हैं।

उन्हें सितंबर 2022 में अतिरिक्त महानिदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया था। बाद में उन्हें तटरक्षक मुख्यालय, नई दिल्ली में तैनात किया गया था। उन्हें अगस्त 2024 में महानिदेशक तटरक्षक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया।

अयोध्या से हजारों साल पुराना है कामकोटि पीठ संबंध: राव

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

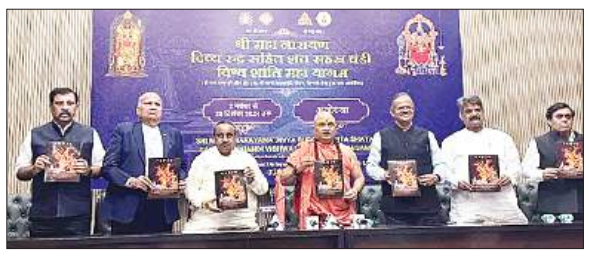

कांची कामकोटि पीठ के प्रतिनिधि अंशुमान राव ने मंगलवार को कहा कि कांची कामकोटि मठ अयोध्या में दो नवंबर से 28 दिसंबर तक होने जा रहे सहस्र चंडी विश्व शांति महायज्ञ जैसे धार्मिक-अध्यात्मिक पहल को केवल भारत ही नहीं बल्कि संपूर्ण मानवता के कल्याण और शांति के लिए अपरिहार्य मानता है।

श्री राव ने कहा कि वास्तव में राम राज्य की अवधारणा ही विश्व शांति का मूल है और कांची मठ का अयोध्या की सनातन अध्यात्मिक चेतना से यह जुड़ाव नया नहीं बल्कि हजारों साल पुराना है। उन्होंने कहा कि कांची की देवी कामाक्षी शक्ति पीठ भगवान राम की कुल देवी हैं और राजा दशरथ ने अयोध्या से यहां आकर पूजा की थी, जो इस जुड़ाव का प्रतीक है। राम मंदिर आंदोलन की लंबी संघर्ष यात्रा से लेकर अयोध्या में रामलला की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांची पीठ हर महत्वपूर्ण ऐतिहासिक क्षणों के पहलुओं से जुड़ा रहा है।

उन्होंने यहां इस महायज्ञ को लेकर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आदि शंकराचार्य का कांची कामकोटि मठ मूल पीठ के वर्तमान 70वें पीठाधिपति परम पावन शंकराचार्य स्वामी विजयेंद्र सरस्वती के मार्गदर्शन में निरंतर अपनी भूमिका निभा रहा है और कांची मठ की इसी गंभीरता का संदेश देने के लिए विश्व शांति महायज्ञ के प्रबल समर्थन के लिए उसके प्रतिनिधि के तौर पर मौजूद हूं। उन्होंने कहा कि 1987 में अयोध्या मंदिर का ताला खुलवाने की पहल में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी को समझाने में महापेरियावा (जगदुरु श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती शंकराचार्य महास्वामीगल) की अहम भूमिका रही थी।

उस समय बाबरी पक्ष से जुड़े नेता और सांसद शहाबुद्दीन उनसे चर्चा के लिए मिलने आए थे। उसके बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के अनुरोध पर कांची के 69 वें शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र जी ने भी बातचीत से समाधान निकालने का प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि कांची और अयोध्या के मजबूत रिश्ते का एक शानदार उदाहरण यह है कि राम मंदिर के भूमि पूजन में धरती माता को चढ़ाई गई वास्तु सामग्री कांची मठ द्वारा भेजी गई थी और स्वामी विजयेंद्र सरस्वती की धार्मिक सलाह के अनुसार पवित्र ऐतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा समारोह किया गया था।

शेयर मार्केट

बीएसई : 81,820.12
−152.93 (0.19%) ↓
एनएसई :25,057.35
-70.60 (-0.28%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,130/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 92,220/-
(प्रति किलोग्राम)

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 735560X Nb/Sub Devendra Singh of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my mother name is Changed From RAMA to RAMA DEVI.

CHANGE OF NAME
I, ArmyNo.JC 732352X Sub Maj Shive Bishal Prajapati of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad that my daughter name is changed from KOMAL DEVI to KOMAL and another daughter name is changed from JAYANTI DEVI to JAYANTI.

CHANGE OF NAME
I, URMILA DEVI spouse of Service No.JC 732352X Sub Maj Shive Bishal Prajapati, R/o.Vill:Benda, Post & Teh:Ghatampur, Dist:Kanpur, U.P-209206 have changed my name from URMILA DEVI to URMILA vide affidavit dt:15-10-2024 before

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No.JC 732352X Sub Maj Shive Bishal Prajapati of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my mother name and DOB is changed from KANCHA, DOB:01-05-1951 to KANCHAN, DOB:01-01-1954.

CHANGE OF NAME
I, Service No 6941468K Hav SK ANWAR KHAN of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my mother name is changed from ANSARA BAGAM to ANSARA BIBI.

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 732135F Sub Maj/Hony Lt Anil Kumar Choudhury of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad TS. hereby state that my son name is changed from ANUPAM CHOUDHURY to ANUPAM CHOUDHARY and another son name is changed from JAGJEEVAN CHOUDHURY to JAGJEEVAN CHOUDHARY

CHANGE OF NAME
I, ARCHANA CHOUDHURY spouse of Service No.JC 732135F Sub Maj/Hony Lt Anil Kumar Choudhury, R/o.Vill&Po:Itamundia, Dist:Mayurbhanj, Odisha-757075 have changed my name from ARCHANA CHOUDHURY to ARCHANA CHOUDHARY vide affidavit dt:15-10-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 735216M Sub Janardan Singh Yadav of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my mother name is changed from RAJMATI DEVI to RAMRAJIYA DEVI.

CHANGE OF NAME & DOB
I, BHAGOTHI spouse of Service No.JC 735256N Nb Sub DVR MT VIJENDRA SINGH, R/o.Sankhan Tal, Rajgarh, Churu, Rajasthan-331303 have changed my name and DOB from BHAGOTHI, DOB:05-03-1979 to BHAGOTI DEVI, DOB:30-06-1981 vide affidavit dt:15-10-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No.Jc 732332K Sub S KANDAPERMAL of Admbn, Aoc Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my son name is changed from K HARISH to HARISH K and my daughter name is changed from K HEENA to HEENA K

CHANGE OF NAME
I, D YASHODA spouse of Service No. 15143298K Hav A PARAMESHWAR RAO, R/o.Vill:OldKamalapur, Po:Golabandha, Teh:Konsi, Dist:Ganjam, Odisha-761052 have changed my name from D YASHODA to ARDHI YASHODA RAO vide affidavit dt:15-10-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, P INDIRA spouse of Service No.JC 314255K Nb/Sub VENKATESWARARAO PANDI, R/o. Vill and Po:Penugolanu, Teh:Tiruvuru, Dist:Krishna, Andhra Pradesh-521401 have changed my name from P INDIRA to PANDI INDHIRA vide affidavit dt:15-10-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

CHANGE OF NAME & DOB
I KONDALA RAO is legally Father of RAMESH VALLAPANENI Residing at village - boppud vera palam .po - boppud vera palam sub Distt - mundlamuru - Distt Prakasam.pin no 523265 state - Andhra Pradesh have changed my name from KONDALA RAO to VALLAPANENI KONDALA RAO and also date of birth from 01/07/1956 to 01/01/1956Add in my son service documents vide affidavit date 15/10/2024 before Notary C Samuel Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I RATTAME is legally Mother of RAMESH VALLAPANENI Residing at village - boppud vera palam .po - boppud vera palam sub Distt-mundlamuru - Distt prakasam.pin no 523265 state - Andhra Pradesh have changed my name from RATTAME to VALLAPANENI RATTAMMA and also date of birth from 01/07/1959 to 01/01/1961Add in my son service documents vide affidavit date 15/10/2024 before Notary C Samuel Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I V AJATHI is legally wedded spouse of RAMESH VALLAPANENI R/o at village & PO - Boppud Vera Palam, Sub Distt - Mundlamuru - Distt Prakasam.Pin No 523265 state - Andhra Pradesh have changed my name from. V AJATHI to VALLAPANENI AJITHA and also date of birth from 03/09/1990 to 18/09/1990 add in my husband service documents vide affidavit date 15/10/2024 before Notary C Samuel Secunderabad.

ज्योतिष ASTROLOGY
नाकोड़ा भैरव ज्योतिष
(जय जिनेन्द्र) मारवाड़ी, गुजराती महाराज, माजिशा भक्त हस्तरेखा, जन्माक्षर, पूजा-पाठ, संतान प्राप्ति, शारीरिक पीड़ा, मानसिक पीड़ा, व्यापार, सगाई, लग्न विलंब, शत्रुनिवारण, प्रेम समस्या, कर्ज मुक्ति, गृहक्लेश आकर्षण प्रयोग, पतिवश, सास-बहू झगड़ा, एकतरफा प्रेम (वशीकरण के जानकार) जीवन की जटिल समस्याओं का A+Z समाधान। बेगम बाजार, हैदराबाद. संपर्क : 9032460847.

राष्ट्रीय रक्षा मुद्दों का राजनीतिकरण करने से बचें बीआरएस और कांग्रेस : किशन

केंद्रीय मंत्री ने तेलंगाना में रडार स्टेशन परियोजना का किया स्वागत

हैदराबाद, 15 अक्टूबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री एवं तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा तथा रक्षा से संबंधित एक और प्रतिष्ठित परियोजना राज्य को मिलना अच्छे संकेत है। श्री रेड्डी ने मंगलवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर मीडिया से कहा कि नौसेना विकाराबाद जिले के दमगुंडम वन क्षेत्र में एक अति निम्न आवृत्ति (वीएलएफ) संचार ट्रांसमिशन स्टेशन (रडार केंद्र) स्थापित करेगी। इसका शिलान्यास एवं भूमि पूजन समारोह के

दौरान केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे।तमिलनाडु में आईएनएस कट्टाबोमन के बाद देश में अपनी तरह का यह दूसरा स्टेशन होगा, जो युद्ध के दौरान विशेष रूप से जहाजों और पनडुब्बियों के साथ नौसेना संचार को बढ़ाएगा। मूल रूप से 2010 में प्रस्तावित इस परियोजना को 2017 में तेलंगाना सरकार से पर्यावरण और वन की स्वीकृति मिली, जिससे इसके विकास के लिए हैदराबाद वन प्रभाग में 1,100 हेक्टेयर भूमि आवंटित करने की अनुमति दी गयी। श्री रेड्डी ने परियोजना के संबंध में कथित दोहरे मानदंडों के लिए पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव सहित भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी और उसके नेताओं की आलोचना की।

वनों की कटाई को लेकर केन्द्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि 1,95,000 में से केवल 1,500 पेड़ों को ही स्थानांतरित किया जाएगा और रक्षा मंत्रालय ने वन संरक्षण के लिए 130 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। उन्होंने उन दावों को खारिज कर दिया कि परियोजना के कारण भक्तों को दामगुंडा रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर में जाने से रोका जाएगा और इस बात पर जोर दिया कि मंदिर में अतिरिक्त सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। नौसेना बेस सेंटर की स्थापना को लेकर श्री रेड्डी ने कहा कि इससे क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने बीआरएस और कांग्रेस पार्टियों से राष्ट्रीय रक्षा मुद्दों का राजनीतिकरण करने से बचने का आग्रह किया।

विहिप ने हैदराबाद में हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ के पीछे साजिश का आरोप लगाया

हैदराबाद, 15 अक्टूबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के प्रवक्ता पगुडाकुला बालास्वामी ने भाग्यनगर (हैदराबाद) में हाल ही में हिंदू मंदिरों में हुई तोड़फोड़ को एक महत्वपूर्ण साजिश करार दिया और इसपर चिंता व्यक्त की।

सोमवार को यहां एक बयान में, बालास्वामी ने कहा कि कई दिनों से उपद्रवी शहर में हिंदू मंदिरों को निशाना बना रहे हैं, जिससे धार्मिक सद्भाव को बाधित करने के उद्देश्य से एक समन्वित कोशिश के लिए संदेह उत्पन्न हो रहा है। उन्होंने कहा कि रक्षापुरम के संतोष नगर के अम्मावरी मंदिर में कथित रूप से दूसरे धार्मिक समूह के लोगों ने

तोड़फोड़ की थी। पुलिस ने हमलावरों को मानसिक बीमार बताते हुए मामले को खारिज कर दिया। उन्होंने नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में देवी दुर्गा की मूर्ति को नष्ट करने का हवाला देते हुए आगे आरोप लगाया कि इसी तरह की घटनाएं हुई थी, लेकिन एक बार फिर अपराधी को मानसिक रूप से अस्थिर बताया गया। बालास्वामी ने कहा कि खुफिया एजेंसियां सिकंदराबाद के कुम्मारिगुडा में मुथ्यालम्मा अम्मावरी मंदिर के हालिया विनाश की तत्काल जांच करें। उन्होंने दावा किया कि इन घटनाओं के पीछे एक बड़ी साजिश है। उन्होंने चेतावनी दी कि भाग्यनगर में कोई छिपा हुआ एजेंडा हो सकता है।

दक्षिण मध्य रेलवे के स्वच्छता पखवाड़ा अभियान का समापन

5,196 किमी रेलवे ट्रैक की सफाई की गई, संपूर्ण जोन में 73,836 पौधे लगाए गए

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्वच्छ भारत मिशन की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री के विजन स्वच्छता को संस्थागत बनाने, कार्यस्थल पर साफ-सफाई बढ़ाने, सतत प्रथाओं को बढ़ावा देने और लंबित मामलों के निपटान को अनुकूलित करने के दृष्टिकोण की प्राप्ति के लिए विशेष अभियान 4.0 शुरू किया गया था। विशेष अभियान 4.0 के प्रमुख लक्ष्यों के अंतर्गत सार्वजनिक शिकायतों का त्वरित समाधान करना भी शामिल था, विषेशकर रेल मदद और सीपीजीआरएएमएस (सीपीग्राम) जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम द्वारा। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए, एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधे भी लगाए गए।

इसी कार्यक्रम के तहत, दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) ने 01 से 15 अक्टूबर, 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया, जिसका थीम थी स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता। स्कूली बच्चों, स्काउट्स और गाइड्स, गैर सरकारी संगठनों आदि के साथ-साथ अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी से दक्षिण मध्य रेलवे के छह मंडलों और कारखानों में स्वच्छता पखवाड़ा अभियान को भारी सफलता मिली। इस अभियान के अंतर्गत, संपूर्ण जोन के रेलवे स्टेशनों, कॉलोनियों, गाड़ियों, रनिंग रूम, कारखानों, डिपो, लोको शेड, कार्यालयों, अस्पतालों/स्वास्थ्य इकाइयों और अन्य रेल प्रतिष्ठानों आदि पर स्वच्छता प्रतिज्ञा, श्रमदान, पौधरोपण कार्यक्रम, वॉकथॉन, स्वच्छता पर जागरूकता रैलियां, प्लास्टिक के कचरे पर जागरूकता अभियान और एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध, नुक्कड़ नाटक आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियां आयोजित की गईं। अपशिष्ट से धन अर्जित करने (वेस्ट टू वेल्थ) की गतिविधि भी की गई, जिसके अंतर्गत धातु, प्लास्टिक, ऑर्गेनिक पदार्थ जैसे कचरे से मूल्यवान सामग्री निकाली गई और उन्हें उच्च मूल्य वाली वस्तुओं में बदला गया, जिससे उनकी उपयोगिता और आकर्षण बढ़ गया। स्टेशन परिसर में साफ-सफ़ाई में सुधार लाने और जनता में जागरूकता फैलाने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे के 636 रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गईं। ज़ोन के लालागुडा, रायनपाडु और तिरुपति कारखानों में 66 सब-शॉप में भी गतिविधियां आयोजित की गईं।

स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के दौरान संपूर्ण ज़ोन पर कुल 5,196 किलोमीटर रेलवे ट्रैक की सफाई भी की गई। अधिकारियों, कर्मचारियों, स्कूली छात्रों आदि सहित लगभग 36,183 लोगों ने विभिन्न रेलवे परिसरों में श्रमदान गतिविधियों में भाग लिया। दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्राधिकार में 183 गाड़ियों पर अधिकारियों और पर्यवेक्षकों द्वारा नियमित स्वच्छता निरीक्षण किया गया। कूड़ा-कचरा फैलाने विरोधी अभियान के हिस्से के रूप में, रेलवे स्टेशनों और गाड़ियों में कूड़ा-कचरा न फैलाएं, इसके लिए 5,010 लोगों की काउंसिलिंग की गई और 283 लोगों पर जुर्माना लगाया गया तथा 56,600 रुपए की राशि वसूल की गई। दक्षिण मध्य रेलवे ने स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के दौरान मंडलों और कारखानों में 73,836 पौधे भी लगाए। रेलवे ट्रैक और विभिन्न रेल परिसरों से कुल 27.44 टन प्लास्टिक हटाया गया और कारखानों से 430 टन कबाड़ (स्क्रैप) एकत्रित किया गया। पूरे जोन पर 1,522 कार्यालयों में स्वच्छ परिसर गतिविधि (स्वच्छ कार्यस्थल और स्वच्छ आवासीय परिसर) का आयोजन किया गया और 443 टन कचरा एकत्रित किया गया। स्वच्छता पर जागरूकता फैलाने के लिए 348 वेबिनार/सेमिनार आयोजित किए गए और लगभग 11,500 लोगों ने इसमें भाग लिया। दमरे मुख्यालय और जोन के सभी छह मंडलों द्वारा व्यापक सोशल मीडिया अभियान भी चलाया गया। युवाओं में जागरूकता फैलाने के लिए दैनिक स्वच्छता गतिविधियां, क्रिएटिव और इन्फोग्राफ़िक्स पोस्ट किए गए। दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने स्वच्छता पखवाड़ा अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे की पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि पूरे जोन पर स्वच्छता पखवाड़ा अभियान को बड़ी सफलता मिली है। यद्यपि स्वच्छता अभियान आज समाप्त हो रहा है, लेकिन हमें पूरे वर्ष रेल परिसर और अपने घरों में स्वच्छता प्रथाओं को पालन करना और प्रोत्साहन जारी रखना चाहिए।

हृदय संबंधी मौतों को रोकने के लिए चेस्ट पेन क्लीनिक की शुरुआत

विशाखापत्तनम, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विशाखापत्तनम में अचानक हृदय संबंधी मौतों में खतरनाक वृद्धि से निपटने के लिए एक क्रांतिकारी पहल, अपोलो चेस्ट पेन क्लिनिक शुरू किया है। जिसका औपचारिक उद्घाटन आंध्र प्रदेश की गृहमंत्री वंगालापुडी अनिता ने अपोलो हॉस्पिटल्स, हेल्थ सिटी, विशाखापत्तनम में किया। चेस्ट पेन क्लीनिक की सेवाएँ अपोलो हॉस्पिटल्स के सुविधाजनक स्थान रामनगर और हेल्थ सिटी हॉस्पिटल में उपलब्ध होंगी। सीने में दर्द के मामूली लक्षण होने पर भी कोई भी व्यक्ति निकटतम क्लिनिक में जा सकता है।

यह विशेष व्यवस्था चेस्ट पेन क्लीनिक छाती के दर्द की चिंताओं को दूर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, चाहे वह वास्तविक हो या कथित, और ऐसे लक्षणों का अनुभव करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए सुलभ है। वे वास्तविक दिल के दौरे से पीड़ित रोगियों के लिए जीवन रक्षक देखभाल प्रदान करते हैं, जिससे त्वरित और विशेषज्ञ चिकित्सा हस्तक्षेप सुनिश्चित होता है।

छात्र संघों ने डिग्री कॉलेज की बेमियादी हड़ताल का किया समर्थन

मंचेरियाल, 15 अक्टूबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला केंद्र में मंगलवार को डिग्री पीजी कॉलेज प्रबंधन के नेतृत्व मंन छात्र संघों के साथ एक गोलमेज बैठक हुई। इस गोलमेज बैठक में भाग लेने वाले छात्र संघों के नेताओं ने कहा कि तेलंगाना सरकार पिछले तीन वर्षों से छात्रों को भुगतान की जाने वाली छात्रवृत्ति जारी नहीं कर रही है जिसके चलते छात्रों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

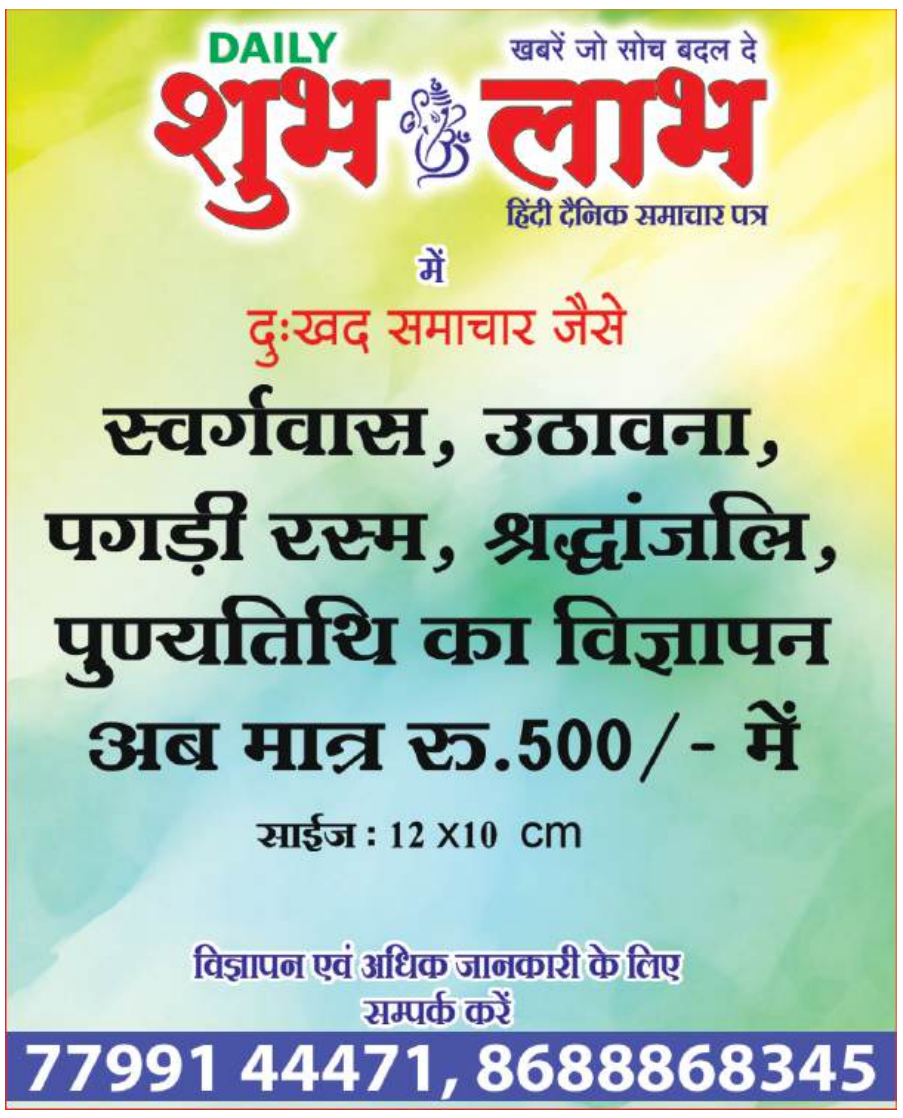

व्यावसायिक प्रशिक्षण कक्षाओं का लाभ उठाए महिलाएं : संजीवा रेड्डी

श्रीरामपुर, 15 अक्टूबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

एरिया जीएम संजीवा रेड्डी ने कहा कि महिलाओं को सिंगरेनी सेवा समिति द्वारा आयोजित व्यावसायिक प्रशिक्षण कक्षाओं का लाभ उठाना चाहिए। जीएम ने सेवा समिति अध्यक्ष राधाकुमारी के साथ प्रगति स्टेडियम में सीईआर क्लब में सिंगरेनी सेवा समिति द्वारा आयोजित मुफ्त व्यावसायिक प्रशिक्षण कक्षाओं

का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि सेवा समिति के माध्यम से कई महिलाएं स्वरोजगार प्राप्त कर रही हैं।

शांतिखानी खदान में अनुपस्थित श्रमिकों की काउंसलिंग

बेल्लमपल्ली, 15 अक्टूबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

शांतिखानी खदान परिसर बेल्लमपल्ली में मंगलवार को खदान प्रबंधक संजय कुमार सिन्हा के निर्देशन में अनुपस्थित श्रमिकों की काउंसिलिंग की गई। कंपनी के निर्देशानुसार हर माह 16 से कम मस्टर करने वाले श्रमिकों के लिए काउंसलिंग कार्यक्रम चलाया जाता है।

उसी के तहत शांतिखानी खदान में पिछले महीने सितंबर में 16 से कम ड्यूटी करने वाले श्रमिकों को बुलाया गया और

उनकी अनुपस्थिति के कारणों को जाना गया और उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को सिंगरेनी नौकरी की आवश्यकता के बारे में बताया गया और उन्हें सलाह दी गई कि उन्हें भविष्य में फिर से अनुपस्थित नहीं होना चाहिए और अनिवार्य रूप से कर्तव्य करना चाहिए। इस परामर्श कार्यक्रम में खान कल्याण अधिकारी आर.सत्यनारायण, एआईटीयूसी के पिट सचिव दासरी तिरूपति गौड़ और अन्य ने भाग लिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.